खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 26 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-177

रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री जन आवास योजना

आज अंतिम दिन

मानसरोवर विस्तार
जयपुर में आवासीय फ्लैट्स
के अंतिम चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

आवेदन की अंतिम तिथि
26 जून, 2024

1BHK पंजीकरण राशि ₹66,000 कुल राशि ₹24.5 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹96,000 कुल राशि ₹45 लाख*

जे पार्क
मानसरोवर विस्तार
जयपुर

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 2 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

फॉर्म भरने का स्थान
Quality Inn Residency
Opp. Nampally Metro Station, Public Garden Road, Abids, Hyderabad
9358150067, 9251625252

आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

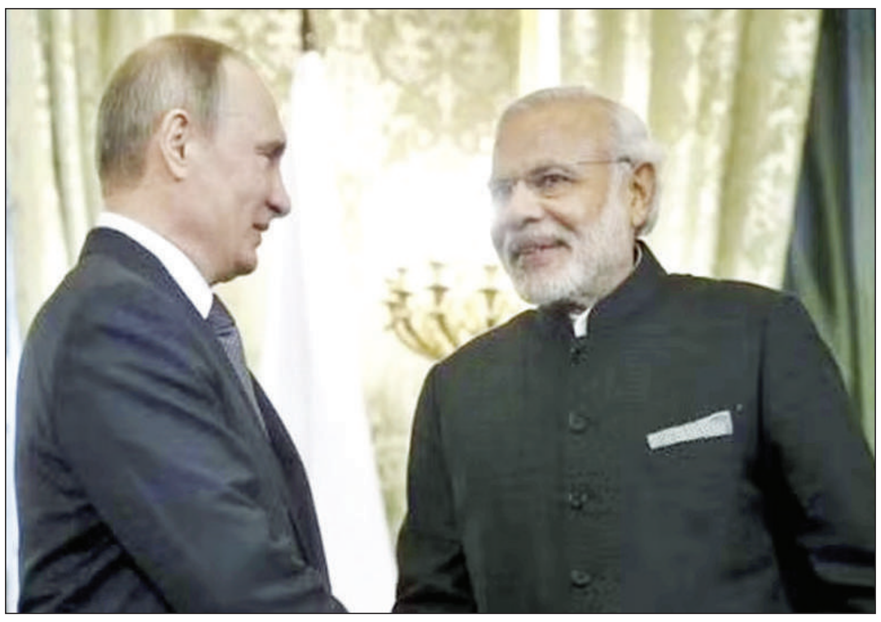

रूसी मीडिया का दावा : अगले महीने रूस का दौरा करेंगे पीएम मोदी, राष्ट्रपति पुतिन के साथ होगी बैठक

मॉस्को, 25 जून। (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी मॉस्को दौरे की भारत और रूस योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी। आरआईए के मुताबिक, एक राजनयिक सूत्र ने संकेत दिया कि पीएम मोदी जुलाई में रूस का दौरा करने वाले हैं। क्रेमलिन ने इससे पहले मार्च में घोषणा की थी कि मोदी को रूस आने का निमंत्रण मिला है। सूत्र ने इस बात की भी पुष्टि की कि पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक बैठक होने वाली है।

पुतिन ने राष्ट्रपति तो मोदी ने पीएम के रूप में ली शपथ

पुतिन ने इस साल मई में लगातार पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। जबकि मोदी ने नौ जून को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति ने एक बयान में आम चुनाव में भाजपा की जीत पर पीएम मोदी को बधाई दी थी।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पहला दौरा होगा

अगर प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा होती है तो यह 2019 के बाद से और यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद बाद उनकी पहली रूस यात्रा होगी। राष्ट्रपति पुतिन आखिरी बार वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए 2021 में नई दिल्ली आए थे। बीते दो वर्षों से यह वार्षिक सम्मेलन आयोजित नहीं किया गया है। पीएम मोदी आखिरी बार 16 सितंबर 2022 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर पुतिन से मिले थे। तब उन्होंने यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने की सलाह दी थी।

भारत ने नहीं की रूस की सार्वजनिक आलोचना

अमेरिका और अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते रणनीतिक और सुरक्षा संबंधों के बावजूद भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रम की सार्वजनिक रूप से आलोचना नहीं की है। भारत ने अमेरिका के शुरुआती दबाव के बावजूद रूसी कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी थी। इसके साथ ही भारत ने कहा था कि घरेलू उर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए इस तरह का कदम उठाना जरूरत है। हालांकि, भारत ने यूक्रेन युद्ध में शत्रुता को खत्म करने और स्थायी समाधान ढूंढने के लिए बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने की बार-बार पैरोकारी की है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंकाई नौसेना ने चलाया अभियान, 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, एक श्रीलंकाई नाविक की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के जलक्षेत्र में कथित रूप से मछली पकड़ने वाले एक ट्रॉलर को जब्त करने के लिए द्वीप राष्ट्र के अधिकारियों ने अभियान शुरू किया था। जिसमें 10 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया, वहीं इस दौरान एक श्रीलंकाई नौसैनिक नाविक की मौत हो गई। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा है। जिसमें श्रीलंकाई नौसेना के जवान कभी-कभी पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी करते रहते हैं। अवैध रूप से श्रीलंका के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के पर मछुआरों की नावों को भी जब्त कर ली जाती है। इनमें से अधिकांश घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं, जो तमिलनाडु को श्रीलंका के उत्तरी सिरे से अलग करने वाली पानी की एक संकरी पट्टी है, जो दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने का एक समृद्ध क्षेत्र है। हाल ही में श्रीलंका की नौसेना ने 18 मछुआरों को गिरफ्तार किया था। साथ ही उनकी नौका भी जब्त कर ली थी। उसके बाद द्वीप राष्ट्र के अधिकारियों ने अभियान शुरू किया। जिसमें वे श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध मछली पकड़ने वाले एक ट्रॉलर को जब्त करना चाहते थे। मंगलवार को यह अभियान शुरू किया। नौसेना प्रवक्ता कैप्टन गयान विक्रमसूर्या ने बताया कि यह अभियान मंगलवार को उत्तरी जाफना में डेल्फ़्ट द्वीप के तट पर शुरू किया गया था। श्रीलंकाई नौसेना को सूचना मिली कि कुछ मछुआरों के साथ एक भारतीय श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहा है। उन्होंने बताया, "नौसेना ने श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे एक भारतीय ट्रॉलर और मछुआरों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया। हालांकि, अभियान के दौरान एक श्रीलंकाई नाविक को भारतीय ट्रॉलर में लोहे की छड़ से सीने में चोट लग गई और उसकी मौत हो गई।" इस अभियान में श्रीलंकाई नौसेना ने ट्रॉलर को जब्त कर लिया और उसमें सवार 10 भारतीयों को गिरफ्तार कर लिया।

निज्जर को संसद में सम्मान देने के विरोध में उतरे कनाडाई सांसद चरमपंथ बढ़ने की आशंका

ओटावा। कनाडा के एक सांसद ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में सांसदों द्वारा मौन रखने के फैसले की कड़ी आलोचना की है और इस मुद्दे पर अपनी ही सरकार को घेरा है। कनाडा की नेपियन सीट से सांसद भारतीय मूल के चंद्र आर्य ने कहा कि जांच में खुलासा हुआ है कि निज्जर का संबंध चरमपंथियों से था, ऐसे में उसकी याद में संसद में मौन रखने के सरकार के फैसले पर निराशा जाहिर की। कनाडाई मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, चंद्र आर्य ने कहा, 'जब संसद में किसी के सम्मान में मौन रखने का फैसला किया जाता है, तो यह बहुत ही खास होता है और कुछ महान कनाडाई लोगों के लिए ऐसा किया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन के अधिकांश समय में कनाडाई लोगों की बहुत सेवा की हो। निज्जर ऐसे लोगों में से नहीं हैं।' उन्होंने निज्जर की हत्या को विदेशी सरकार से जोड़ने के 'विश्वसनीय आरोपों' के बावजूद निज्जर को इतना सम्मान देने की आलोचना की। उल्लेखनीय है कि बीती 18 जून को कनाडा की संसद में सभी सांसदों ने निज्जर के लिए मौन रखा। निज्जर की एक साल पहले ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

कूटनीति में महिला दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र ने हंसा मेहता को दी श्रद्धांजलि

वॉशिंगटन। युक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कूटनीति में महिला दिवस के मौके पर

भारत की नारीवादी नेता और राजनयिक हंसा मेहता को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही मानवाधिकारों के सार्वभौमिक डिक्लेरेशन को आकार देने और उन्हें अधिक समावेशी बनाने में उनकी भूमिका की चर्चा की। हंसा मेहता को मानवता के पर्याय के रूप में पुरुषों के संदर्भ को मनुष्य से बदलने का श्रेय जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकारों के सार्वभौमिक डिक्लेरेशन (घोषणा) के अुच्छेद 1 में 'सभी पुरुष स्वतंत्र और समान पैदा होते हैं' के वाक्य की जगह 'सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान पैदा होते हैं' बलदने के लिए हंसा मेहता को जाना जाता है। यूएनजीए अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि 'हंसा मेहता ने इतिहास की बाधाओं को तोड़ा और बहुपक्षवाद को समृद्ध किया।' फ्रांसिस ने भावुक होकर सवाल उठाया कि 'क्या मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा आज वास्तव में सार्वभौमिक होती अगर हंसा मेहता ने इसकी शुरुआती पंक्ति में 'सभी पुरुषों' से बदलकर 'सभी मनुष्य' करने पर जोर नहीं दिया होता?'

चीन ने रचा इतिहास

चांद के सुदूर क्षेत्र से नमूने लेकर लौटा चांग ई-6 अंतरिक्ष

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दी बधाई

बीजिंग, 25 जून (एजेंसियां)।

चीन के चांग ई-6 अंतरिक्ष यान मंगलवार को धरती पर वापस आ गया। चांद के जिस क्षेत्र में अभी तक किसी देश ने कदम नहीं रखा, चीन के चांग ई-6 ने ऐसे क्षेत्र से नमूने एकत्र किए और धरती पर वापस आ गया। यह पहला ऐसा अंतरिक्ष यान है, जो चीन के सुदूर क्षेत्र से नमूने लेकर धरती पर वापस लौटा है।

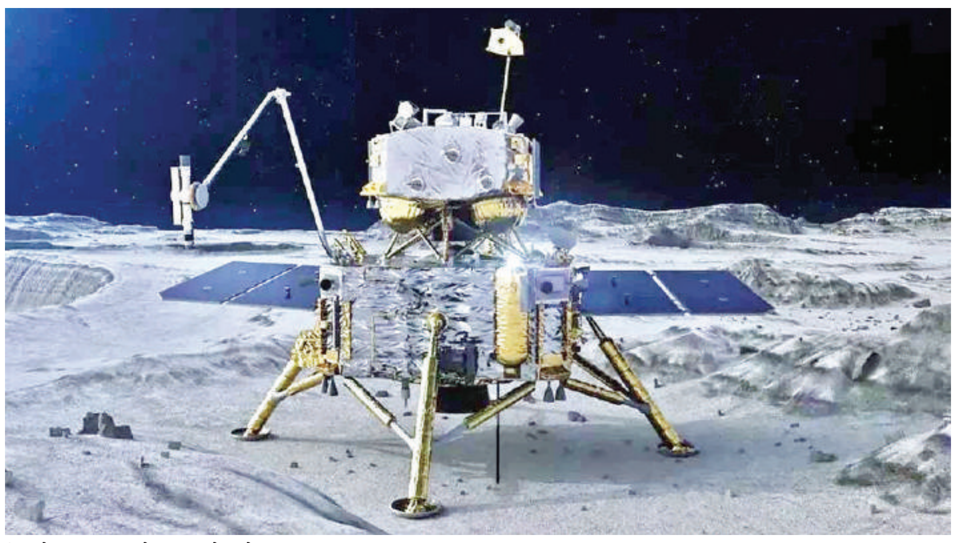

चीन के अंतरिक्ष अन्वेषण में ऐतिहासिक कार्यक्रम

चीन के अंतरिक्ष अन्वेषण में यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम साबित हुआ है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने बताया कि यह अभियान पूर्ण रूप से सफल रहा। आगे बताया गया है कि चांग ई-6 को उत्तरी चीन के सिजिवांग में उतारा गया। उधर चीन के प्रधानमंत्री शी जिनपिंग ने चांग ई-6 अभियान की सफलता पर खुशी जताई है। इसी के साथ चीन पहली बार चांद के सुदूर क्षेत्र में पहुंचा और वहां से नमूने एकत्र कर धरती पर ले आया।

चांद की धूल और चट्टानों पर शोध करेंगे वैज्ञानिक

चीन विश्व का एकमात्र देश है, जिसके द्वारा चांद के सुदूर क्षेत्र में कदम अपना अंतरिक्ष यान उतारा गया और वहां मौजूद धूल और चट्टानों के नमूने एकत्र किए। चांग ई-6 के पुनः प्रवेश वाले भाग (Reentry Module) को सिजिवांग से बीजिंग लाया गया है। सीएनएसए ने बताया कि बीजिंग में चांद से एकत्रित किए गए नमूनों को वैज्ञानिकों की टीम को सौंपा जाएगा। इसके बाद इन नमूनों पर शोध किया जाएगा। सीएनएसए ने आगे बताया कि चांग ई-6 चांद से करीब दो किलोग्राम धूल और चट्टानों के नमूने लेकर आया है। चीन के शोधकर्ताओं द्वारा इन नमूनों का परीक्षण किया जाएगा।

अहम जानकारियां मिलेंगी

चांग ई-6 को इस वर्ष 3 मई को चांद पर प्रक्षेपित किया गया था। यह अंतरिक्ष यान 2 जून को चांद के सुदूर क्षेत्र पहुंचा था। 4 जून को इसके द्वारा चांद की धूल और चट्टानों के नमूनों को एकत्रित करना शुरू किया। चीन के इस मिशन को पूरा होने में कुल 13 दिन लगे। चांग ई-6 इस मायने में भी खास है क्योंकि इसने चांद के उस हिस्से पर उतरा है, जो हमेशा पृथ्वी से दूर रहा है और यहां पर कभी भी सूर्य की किरणें नहीं पड़ी हैं। ऐसे में इस क्षेत्र के नमूनों से वैज्ञानिक तौर पर अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

चांद पर मानव मिशन भेजेगा

नमूनों के परीक्षण से इस बात का खुलासा हो सकता है कि चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है और यह अमेरिका और रूस से मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम सैन्य उद्देश्यों के लिए हो सकता है। चीन ने वर्ष 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजने का लक्ष्य तय किया है। अमेरिका भी चांद पर साल 2026 में फिर से मानव मिशन भेजने की योजना बना रहा है।

विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे ब्रिटिश जेल से रिहा

लंदन, 24 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका से समझौते में जासूसी और इराक युद्ध की जानकारी लीक करने की बात स्वीकारी

विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे को ब्रिटिश जेल से रिहा कर दिया गया। विकीलीक्स ने सोमवार शाम लंदन के स्टैनस्टेड हवाई अड्डे पर जूलियन असांजे के फ्लाइट में सवार होने का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। लंदन के समाचार पत्र द गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट में इस घटनाक्रम की विस्तार से चर्चा की है।

सोमवार रात जारी अदालती दस्तावेजों के अनुसार, 52 वर्षीय असांजे अमेरिकी अदालत में अपनी आजादी के बदले में सैन्य रहस्यों को उजागर करने का दोष स्वीकार करने के लिए सहमत हो गए हैं। अमेरिकी के मारियाना द्वीप समूह की अदालत में दायर किए गए दस्तावेज के अनुसार, असांजे राष्ट्रीय रक्षा जानकारी प्राप्त करने और प्रसारित करने की साजिश के एक भी मामले में दोषी ठहराए जाएंगे।

विकीलीक्स ने मंगलवार सुबह ब्रिटिश समयानुसार सूचित किया है कि 'जूलियन असांजे आजाद हैं' और उन्होंने ब्रिटेन छोड़ दिया है। उनके अमेरिकी क्षेत्र में स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह पहुंचने का अनुमान है। जूलियन असांजे पर जासूसी के 17 आरोप और लगभग 15 साल पहले उनकी वेबसाइट पर अमेरिकी दस्तावेजों के प्रकाशन को लेकर कंप्यूटर के दुरुपयोग का एक आरोप था।

ऑस्ट्रेलियाई मूल के असांजे ने सात साल तक लंदन में इक्वाडोर के दूतावास में शरण लेने के बाद पिछले पांच साल ब्रिटेन की जेल में बिताए। अमेरिकी अधिकारी चाहते थे कि असांजे को विकीलीक्स पर हजारों गोपनीय दस्तावेजों को प्रकाशित करके कथित तौर पर लोगों का जीवन खतरे में डालने के लिए मुकदमे का सामना करना पड़े, जबकि बचाव पक्ष के वकीलों ने दलील दी कि असांजे के खिलाफ मामला राजनीति से प्रेरित है।

असांजे को 62 महीने की जेल की सजा सुनाई जाएगी, जो ब्रिटेन की जेल में बिताई गई पांच साल की सजा के आधार पर पूरी मानी जाएगी। इसका मतलब है कि वह अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया लौट सकते हैं।

आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई के निर्देश

पाकिस्तान में लुप्तप्राय फारसी तेंदुआ का शिकार, सात आदिवासियों पर केस

इस्लामाबाद, 25 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के डेरा बुगती जिले में एक लुप्तप्राय फारसी तेंदुए का शिकार करने के आरोप में पुलिस ने सात आदिवासियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। डान समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जिले के जैन इलाके में आदिवासियों ने अपने मवेशियों की रक्षा के लिए तेंदुए को मार डाला।

डेरा बुगती के उपायुक्त इजाज खान ने कहा कि जिला प्रशासन ने वन्यजीव संरक्षण, संरक्षण, संरक्षण और प्रबंधन अधिनियम 2014 के तहत मामला दर्ज किया है और आदिवासियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने आदिवासियों को लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के बारे में शिक्षित करने के लिए वन्यजीव संगठनों द्वारा जागरुकता अभियान शुरू करने का भी आह्वान किया।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी घटना का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। वन्यजीव प्रेमी उमर वकास ने मारे गए तेंदुआ की पहचान फारसी तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस तुलियाना) के रूप में की है। इस प्रजाति के तेंदुओं का आश्रय बलूचिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र सहित ईरानी पठार में है । ये फारसी तेंदुए आमतौर पर 600 से 3,800 मीटर की ऊंचाई पर ऊबड़-खाबड़ खड्डों में रहते हैं। इनकी आबादी करीब 1100 है।

बांग्लादेश का कुख्यात जल्लाद शाहजहां भुइयां नहीं रहा

ढाका, 24 जून (एजेंसियां)।

बांग्लादेश का सबसे कुख्यात जल्लाद शाहजहां भुइयां 74 वर्ष की आयु में दुनिया को छोड़ गया। एक साल पहले ही उसे जेल से रिहा किया गया था। शाहजहां ने बांग्लादेश के सीरियल किलर, युद्ध अपराधों के दोषी विपक्षी नेताओं और तख्तापलट की साजिश रचने वालों को फांसी पर चढ़ा चुका है। जेल से रिहा होने के बाद शाहजहां ने 96 पन्नों की एक किताब भी लिखी। इसमें उसने जल्लाद के रूप में अपने अनुभव को साझा किया। यह किताब बांग्लादेश के सबसे बड़े पुस्तक मेले में बेस्ट सेलर रही। यह जानकारी बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून ने अपनी रिपोर्ट में दी।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बंगबंधु के छह हत्यारों सहित 26 दोषियों को फांसी देने वाले 74 वर्षीय जल्लाद शाहजहां भुइयां को 'जोलाड शाहजहां' के नाम से जाना जाता है। सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे राजधानी ढाका के शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। शेर-ए-बांग्ला नगर थाने के जांच अधिकारी सोजिब डे के अनुसार सीने में दर्द शुरू होने के बाद उसे सुबह करीब साढ़े तीन बजे इस अस्पताल में ले जाया गया था।

शाहजहां भुइयां का जन्म 26 मार्च 1950 को हुआ था। उनके एक भाई और तीन बहनें थीं। इनमें से दो की मृत्यु हो चुकी है। युवावस्था के दौरान लंबा समय जेल में बिताने के बाद वह अविवाहित रहे। हालांकि, अपनी रिहाई के बाद उसने एक युवा महिला से शादी की, लेकिन यह शादी टिक नहीं पाई। इस मामले पर उन्हें कानूनी जटिलताओं का भी सामना करना पड़ा। 31 साल से अधिक समय तक जेल में रहने के बाद शाहजहां को 18 जून, 2023 को रिहा किया गया था। शाहजहां को डकैती, हत्या और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन के दो मामलों में 42 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उसे पहली बार 17 दिसंबर 1991 को गिरफ्तार किया गया था।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, शाहजहां का जेल में कैदी नंबर 2589/ए था। उसने अपनी सजा कम करने के लिए जेल अधिकारियों के सामने जल्लाद बनने की इच्छा व्यक्त की थी। उसने नुरुल इस्लाम को गफरगांव में फांसी देकर जल्लाद के रूप में अपना जीवन शुरू किया। इसके बाद शाहजहां को मानिकगंज जिला जेल से ढाका सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। यहां उसे मुख्य जल्लाद का पद दिया गया।

जेल रिकार्ड के अनुसार, जल्लाद शाहजहां ने 26 व्यक्तियों को फांसी दी। इनमें बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के छह हत्यारे और चार युद्ध अपराधी, कुख्यात अपराधी इरशाद शिकदर, उग्रवादी नेता बंगला भाई और अताउर रहमान सनी, शर्मिन रीमा हत्याकांड के आरोपी खुकु और मोनिर शामिल थे।

हमला 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में मुस्लिम बहुल उत्तरी काकेशस में हुई भयावह हिंसा की याद दिलाता है

'दागिस्तान हमले ने रूस में आतंकवाद की आशंका को पुनर्जीवित किया'

मॉस्को, 25 जून (एजेंसियां)।

'दो दिन पहले हुए दागिस्तान हमले ने रूस में आतंकवाद की आशंका को पुनर्जीवित कर दिया है। यह हमला 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में मुस्लिम बहुल उत्तरी काकेशस में हुई तीव्र हिंसा की याद दिलाता है।' अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट में अमेलिया नीरेनबर्ग ने यह अभिमत व्यक्त किया है।

अमेलिया नीरेनबर्ग का मानना है कि 'यह हमला 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में मुस्लिम बहुल उत्तरी काकेशस में हुई भयावह हिंसा की याद दिलाता है। वह रक्तपात इस्लामी कट्टरवाद और संगठित अपराध के संयोजन के कारण हुआ था। 1999 में सत्ता में आने के बाद इसे दबाना रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए डींगें हांकने का मुख्य मुद्दा बन गया।'

उनका कहना है, 'उस विरासत को अब हिंसा के पुनरुत्थान से खतरा हो रहा है। मार्च में मॉस्को के पास एक कॉन्सर्ट हॉल में चार बंदूकधारियों ने 145 लोगों की हत्या कर दी थी। इस्लामिक स्टेट ने उस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

यूक्रेन में युद्ध के कारण उसकी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा तंत्र पर प्रभाव पड़ रहा

नीरेनबर्ग ने अपने विश्लेषण में कहा है, 'रविवार को हुए हमले ने उन बढ़ती चुनौतियों पर प्रकाश डाला है जिनका सामना रूस कर रहा है, क्योंकि यूक्रेन में युद्ध के कारण उसकी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा तंत्र पर प्रभाव पड़ रहा है।' उल्लेखनीय है कि दक्षिणी रूस के दागिस्तान क्षेत्र में रविवार को हुए समन्वित हमले में कम से कम 20 लोग मारे गए। यह 14 वर्ष में क्षेत्र में सबसे घातक हमला है। रूसी अधिकारियों ने हमले को आतंकवादी कृत्य के रूप में नामित किया है। बंदूकधारियों ने एक पुलिस स्टेशन के साथ आराधनालय और चर्चों को भी निशाना बनाया। मृतकों में से 15 पुलिस अधिकारी और पादरी है। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने पांच हमलावरों को मार गिराया। इस घटना के बाद, इस क्षेत्र में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को शोक दिवस घोषित किया गया है।

Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 26 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-177

विपक्ष के अड़ियल रवैये से लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा ध्वस्त

आज चुनाव के जरिए चुने जाएंगे लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। विपक्ष के अड़ियल रवैये के कारण जैसी उम्मीद थी, वैसा ही हुआ। अब 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष का फैसला 26 जून को चुनाव के जरिए होगा। विपक्ष लोकसभा उपाध्यक्ष का पद लेने की जिद कर रहा था, जिसे सत्ता पक्ष ने इन्कार कर दिया। इस पर विपक्ष में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना भी उम्मीदवार खड़ा कर दिया। सत्ता पक्ष यानी एनडीए की तरफ से निवर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ही उम्मीदवार घोषित किए गए

ओम बिरला सत्ता पक्ष और के सुरेश विपक्ष के प्रत्याशी घोषित

हैं। विपक्षी गठबंधन ने कांग्रेस सांसद के सुरेश को अपना उम्मीदवार बनाया है। दोनों उम्मीदवारों ने अपना अपना नामांकन दाखिल कर दिया है।

सहमति बनाने पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में बातचीत चल रही थी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और द्रमुक नेता टीआर बालू लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए राजग उम्मीदवार का समर्थन करने से इन्कार करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय से बाहर आ गए।

▶10पर

कांग्रेस के एकतरफा निर्णय से टीएमसी सख्त नाराज

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के लिए कांग्रेस की तरफ से प्रत्याशी उतारे जाने को कांग्रेस का एकतरफा फैसला बताया है। टीएमसी ने कहा कि यह फैसला कांग्रेस का है विपक्षी गठबंधन का नहीं है, क्योंकि लोकसभा अध्यक्ष पद का प्रत्याशी तय करने को लेकर टीएमसी से कोई राय मशविरा नहीं किया गया। ▶10पर

• लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 में लोकसभा के अध्यक्ष के चुनाव का जिक्र किया गया है। अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की भूमिका के लिए दो सदस्यों को चुनने का अधिकार है, जब भी ये पद खाली होते हैं। लोकसभा अध्यक्ष के पद का हमारे संसदीय लोकतंत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान है। अध्यक्ष उस सदन की गरिमा और शक्ति का प्रतीक है जिसकी वह अध्यक्षता करता है। पद और वरीयता के संबंध में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, अपने-अपने राज्यों के राज्यपाल और पूर्व राष्ट्रपति, उप प्रधानमंत्री के बाद छठे स्थान पर भारत के मुख्य न्यायाधीश के साथ लोकसभा अध्यक्ष का पद आता है।

एक बार जब लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव की तिथि राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित हो जाती है और लोकसभा सचिवालय द्वारा अधिसूचित हो जाती है, तो कोई भी सदस्य महासचिव को संबोधित करते हुए लिखित रूप में प्रस्ताव दे सकता है कि किसी अन्य सदस्य को सदन का अध्यक्ष चुना जाए। ▶10पर

• लोकसभा अध्यक्षों की रही है समृद्ध परंपरा

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।
भारत में लोकसभा अध्यक्षों की समृद्ध परंपरा रही है। गणेश वासुदेव मावलंकर लोकसभा के पहले अध्यक्ष थे। कांग्रेस के लोकसभा सांसद मावलंकर का कार्यकाल मई 1952 से फरवरी 1956 तक था। एम. अनंतशयनम अय्यंगार देश के दूसरे लोकसभा अध्यक्ष बने। उन्होंने लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष जीवी मावलंकर के आकस्मिक निधन के बाद अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण किया था। कांग्रेस पार्टी के सांसद अय्यंगार के दो कार्यकाल रहे, जिसमें पहला मार्च 1956 से मई 1957 तक और दूसरा मई 1957 से अप्रैल 1962 तक रहा। सरदार हुकम सिंह अप्रैल 1962 से मार्च 1967 के बीच लोकसभा के तीसरे अध्यक्ष थे। वर्ष 1962 के आम चुनावों में हुकुम सिंह को कांग्रेस के टिकट पर पटियाला सीट से चुना गया था। डॉ. नीलम संजीव रेड्डी ने लोकसभा के चौथे अध्यक्ष के रूप में काम किया। रेड्डी के भी दो कार्यकाल रहे, जिसमें पहला मार्च 1967 से जुलाई 1669 तक और दूसरा मार्च 1977 से जुलाई 1977 तक रहा। ▶10पर

केरल को धर्म के आधार पर बांटने का कुचक्र शुरू

मुस्लिमों ने उठाई अलग मालाबार स्टेट की मांग

संविधान विरोधी मांग पर विजयन सरकार साधे है मौन

केरल का नाम केरलम करने में ही लगे हुए हैं विजयन

तिरुअनंतपुरम, 25 जून (एजेंसियां)।
केरल सरकार राज्य का नाम बदल कर केरलम करने की तैयारी में लगी है, लेकिन केरल के मुसलमानों ने केरल को काट कर अलग मालाबार स्टेट बनाने की मांग तेज कर दी है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन धर्म के नाम पर अलग राज्य बनाने की संविधान विरोधी मांग पर सख्त कार्रवाई करने के बजाय केरल का नाम बदलकर केरलम करने में ही मस्त हैं। राज्य में सुन्नी युवाजन संगम के नेता मुस्तफा मुंडुपारा ने एक अलग मालाबार राज्य की मांग की है। मुस्तफा ने मालाबार के स्कूलों में सीटों की कमी पर आयोजित एक प्रदर्शन में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दक्षिणी केरल और मालाबार के लोग समान टैक्स देते हैं तो फिर उन्हें एक जैसी सुविधाएं मिलनी चाहिए।

मुस्तफा ने अपने बयान में कहा, जब हम ऐसा अन्याय दक्षिणी केरल और मालाबार में देखते हैं और फिर अगर किसी हिस्से से अलग मालाबार राज्य की मांग आती है तो हम उन्हें दोष नहीं दे सकते। मालाबार के लोग और दक्षिणी केरल के लोग समान कर दे रहे हैं। हमें भी समान सुविधाएं मिलनी ही चाहिए। इस मांग को अलगाववाद कहने का कोई मतलब नहीं है। अगर मालाबार एक राज्य बन ही जाए तो देश में क्या होगा।

मुस्तफा मुंडुपरा के भाषण के बाद अब तक इस पर कोई एक्शन नहीं लिए जाने पर केरल के भाजपा प्रमुख के सुरेंद्र मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और विपक्ष के नेता सतीशन पर बरसे। उन्होंने कहा कि जिन्हें लगता है कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर बैन लगाने से केरल में कट्टरपंथी ताकतें खत्म हो गई हैं, वह गलत हैं। अलग राज्य की मांग एक दुस्साहस है और इस मुद्दे पर पिनराई विजयन और सतीशन की चुप्पी ये बताती है कि राज्य में कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां घुटनों पर हैं। वोट के लिए वो बेशर्मी से राष्ट्रीय अखंडता से समझौता कर रही हैं। मालूम हो कि पहली बार नहीं है जब मालाबार को केरल से अलग करने की बातें उठी हों, इससे पहले समस्त केरल सुन्नी स्टूडेंट फेडरेशन ने ऐसी मांग साल 2021 में उठाई थी। एसकेएसएसएफ के मुखपत्र सत्यधारा के संपादक अनवर सादिक फैसी द्वारा केरल से मालाबार क्षेत्र के मुस्लिम बहुल इलाकों को अलग करके एक नया राज्य मालाबार बनाने की मांग की थी। ▶10पर

तेलंगाना समेत कई राज्यों में अध्यक्ष उपाध्यक्ष दोनों कांग्रेस के

फिर किस नैतिकता से कांग्रेस मांग रही उपाध्यक्षी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष को लेकर विपक्ष की तरफ से प्रत्याशी की घोषणा के बाद भाजपा ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को कांग्रेस को आपातकाल पर घेरते हुए उस पर जबरदस्त हमले बोले। नड्डा ने लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में एनडीए के खिलाफ उम्मीदवार उतारने के लिए विपक्ष की निंदा की।

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में कांग्रेस ने एनडीए के ओम बिरला के खिलाफ अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता के. सुरेश को उम्मीदवार बनाया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 1975 में लगाए गए आपातकाल की 49वीं बरसी के मौके पर भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नड्डा ने लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के मुद्दे पर कांग्रेस पर पाखंड और दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मुख्य विपक्षी दल की

कांग्रेस की अराजकता पर जताई गई गहरी आपत्ति

मानसिकता में लोकतंत्र के लिए कोई जगह नहीं है।

नड्डा ने सवाल किया, आज तक कभी भी लोकसभा के अध्यक्ष का चुनाव सशर्त हुआ है? विपक्ष कह रहा है कि उपाध्यक्ष तय करो तब हम अध्यक्ष को समर्थन देंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यह बात वह लोग कह रहे हैं जिन्होंने अपने शासन वाले राज्यों में खुद इसका पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में तेलंगाना में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों अपने बनाए हैं। कनार्टक में भी कांग्रेस का ही अध्यक्ष और उपाध्यक्ष है। ममता बनर्जी लोकतंत्र की बात करती हैं लेकिन पश्चिम बंगाल में भी टीएमसी का ही अध्यक्ष और उपाध्यक्ष है। तमिलनाडु में इनका ही अध्यक्ष और इनका ही उपाध्यक्ष है। केरल में वामपंथी दलों का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष है।

उन्होंने कहा, हाथी के दांत दिखाने के कुछ और और खाने के कुछ और हैं। ये ऐसे लोग हैं जो पाखंड करते हैं और दोहरे मापदंड में जीते हैं। इनके मन में आज भी वही आपातकाल वाली सोच है। मेरी मानो नहीं तो हम आपके साथ जो व्यवहार करेंगे वह तो करेंगे। नड्डा ने कहा कि यह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी जिसने 25 जून, 1975 को आपातकाल लगाकर देश के लोकतंत्र का गला घोंट दिया था और विरोध करने वालों पर बड़े पैमाने पर अत्याचार किए थे। ▶10पर

संविधान के छद्म प्रेमी कांग्रेसियों को दिखाया आपातकाल का आईना

आपातकाल की 50वीं बरसी पर देशभर में मना 'ब्लैक डे'

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। देशभर में 25 जून को आपातकाल की 50वीं बरसी मनाई गई। भारतीय जनता पार्टी ने इस दिन को पूरे देश में काला दिवस के तौर पर मनाया। इसे लेकर पार्टी दफ्तरों के बाहर पोस्टर भी लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश को कांग्रेस को पुरानी नीतियां याद दिलाईं। पीएम मोदी ने उन लोगों को भी याद किया जिन्हें इमरजेंसी का विरोध करने की भारी कीमत चुकानी पड़ी थी।

पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन उन सभी महान पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया। इमरजेंसी के काले दिन हमें याद दिलाते हैं कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने बुनियादी स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया था और भारत के संविधान को कुचल दिया था, जिसका हर भारतीय सम्मान करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हर लोकतांत्रिक सिद्धांत को दरकिनार कर देश को जेलखाना बना

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की मानसिकता आज भी वही है : मोदी

दिया था। जो भी कांग्रेस से असहमति जताता था उसे प्रताड़ित किया जाता था। पीएम मोदी ने बताया कि उस समय सामाजिक रूप से इस तरह की नीतियां लागू की गईं, जिससे सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जा सके। पीएम मोदी ने कहा, जिन लोगों ने इमरजेंसी लगाई, उनकी हमारे संविधान के प्रति नकली प्यार जताने का कोई अधिकार नहीं है। ये लोग वही हैं, जिन्होंने अनगिनत मौकों पर अनुच्छेद 356 लागू किया। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए विधेयक लाया गया, संघवाद को नष्ट किया गया और संविधान के हर पहलू का उल्लंघन किया। पीएम मोदी कहते हैं, जिस मानसिकता की वजह से आपातकाल लगाया गया था, वह आज भी उसी पार्टी में जिंदा है। जिसने इसे लगाया था, वे अपनी प्रतीकात्मकता के जरिए संविधान के प्रति अपने तिरस्कार को छिपाते हैं, लेकिन भारत के लोगों ने उनकी इन हरकतों को देखा है और यही वजह है कि उनको बार-बार खारिज किया है।

उल्लेखनीय है कि आपातकाल को लेकर भाजपा द्वारा एक वीडियो भी साझा किया गया है, जिसमें दिखाया गया है कि पचास साल पहले जैसे कांग्रेस के हालात थे, वैसे ही हाल आज भी कांग्रेस के हैं। इसमें बताया गया है कि इंदिरा गांधी ने 50 साल पहले सत्ता में बने रहने के लिए आपातकाल लागू किया था। ▶10पर

ओवैसी ने लगाया जय फिलिस्तीन का नारा

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।

हैदराबाद से लोकसभा सांसद और एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में शपथ लेने के दौरान फिलिस्तीन जिंदाबाद के नारे लगाए। भाजपा ने इसका तगड़ा विरोध किया। ओवैसी के नारे को लोकसभा की प्रोसीडिंग से हटा दिया गया।

लोकसभा के विशेष सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण चल रहा था। हैदराबाद से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के बाद जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। ओवैसी से मीडिया से कहा, हमने ऐसा कुछ नहीं कहा है। मैंने फिलिस्तीन की आवाम के नारे को बुलंद किया है।

राज्यसभा में सत्ता पक्ष का साथ नहीं देगा बीजद

भाजपा को मुश्किल में डालेगा पटनायक का फैसला
कई महत्वपूर्ण मामलों में पड़ेगी मदद की जरूरत

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हारने के बाद ओड़ीशा के बीजू जनता दल (बीजद) ने राज्यसभा में भाजपा को समर्थन नहीं करने का निर्णय लिया है। बीजद नेता नवीन पटनायक से इस फैसले से राज्यसभा में भाजपा का एक बड़ा सहारा छिन गया है। 17वीं लोकसभा के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण बिल राज्यसभा से पास कराने में मदद करने वाले बीजू जनता दल (बीजेडी) ने साफ कर दिया है कि अब वह राज्यसभा में भाजपा/एनडीए का साथ नहीं देगा।

कई साल बाद भाजपा के हाथों ओड़ीशा में सत्ता गंवाने वाली बीजेडी के अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा है कि उनका दल राज्यसभा में केंद्र सरकार का विरोध करेगा। पिछली बार राज्यसभा में एनडीए का साथ देने वाली वाईएसआर कांग्रेस पहले कह चुकी है कि वह न तो इंडी के साथ है और न एनडीए के साथ।

245 सांसदों वाली राज्यसभा में किसी विधेयक को पास कराने के लिए 123 सासंदों का समर्थन होना जरूरी है। एनडीए के पास अभी राज्यसभा में 106 सांसद हैं। दस सीटों पर चुनाव होना है। इनमें से छह भाजपा जीत सकती है। इसके बाद भी उसके सांसदों की संख्या 112 ही पहुंचेगी। बीजेडी के राज्यसभा में 9 और वाईएसआर कांग्रेस के 11 सांसद हैं। 10 खाली सीटों के अलावा 5 सीटें ऐसी हैं, जिन पर सांसदों को मनोनीत किया जाना है।

बीते वर्षों में वाईएसआर कांग्रेस और बीजेडी, दोनों ने ही कुछ मुद्दों पर मोदी सरकार को समर्थन दिया तो कुछ मुद्दों पर विरोध भी किया है। लेकिन दोनों के समर्थन से भाजपा कई अहम विधेयकों को संसद के दोनों सदनों से पास करवाने में कामयाब रही है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के मामले में वाईएसआर कांग्रेस और बीजेडी ने मोदी सरकार का समर्थन किया था। जबकि तीन तलाक कानून के मुद्दे पर मोदी सरकार को बीजेडी का समर्थन मिला था हालांकि तब वाईएसआर कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। 2021 में मोदी सरकार के द्वारा लाए गए कृषि कानून को वाईएसआर कांग्रेस समर्थन दिया था लेकिन तब बीजेडी ने इसका विरोध किया था। ▶10पर

राज्यसभा में एनडीए गठबंधन के सांसद

राजनीतिक दल	सांसदों की संख्या
भाजपा	90
जेडीयू	04
एनसीपी	02
शिवसेना	01
आरएलडी	01
यूएनपी (लिबरल)	01
एनपीपी	01
आरपीआई (अठावले)	01
पट्टाली मक्कल काची	01
टीएमसी (मूपनार)	01
असम गण परिषद	01
मिज़ो नेशनल फ्रंट	01
जेडीएस	01

राज्यसभा में विपक्षी दलों के सांसद

राजनीतिक दल	सांसदों की संख्या
कांग्रेस	26
वाईएसआर कांग्रेस	11
बीजेडी	09
टीएमसी	13
आम आदमी पार्टी	10
डीएमके	10
बीआरएस	05
सीपीएम	05
आरजेडी	05
एआईएडीएमके	04
सपा	04
जेडीयू	04
झारखंड मुक्ति मोर्चा	03
सीपीआई	02

हाईकोर्ट में केजरीवाल की जमानत अर्जी खारिज

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट से अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक की मांग वाली याचिका पर कोर्ट ने फैसला सुनाया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अभी जेल में ही रहना पड़ेगा। हाईकोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देने से इन्कार कर दिया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को दोषपूर्ण बताते हुए कहा था कि केजरीवाल को राहत नहीं मिलनी चाहिए। केजरीवाल को निचली अदालत ने 20 जून को जमानत दी थी। 21 जून को प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री को जमानत दिए जाने को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। ▶10पर

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काम पूरा होने पर आप रिलैक्स महसूस करेंगे. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिवलिंग पर जल अर्पित करें, रिश्ते मजबूत होंगे.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कारोबार में व्यस्तता रहेगी. कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. अविवाहित लोगों को रोमांस के अवसर मिल सकते हैं. यात्रा के भी योग हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपका आत्मविश्वास और साहस चरम पर रहेगा. राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है. आज आप अपने परिवार के साथ आनंद और मौज-मस्ती युक्त समय बिताएंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत हो सकता है. अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. ऑफिस के कुछ खास काम निपटाने में आप सफल हो सकते हैं.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज माता-पिता अपने बच्चों के साथ कहीं पिकनिक मनाने जा सकते हैं. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान-पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. अपने गुरु को कुछ उपहार दें, आपकी सभी परेशानियां दूर होंगी.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

कारोबार बढ़ेगा. अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता है. दिन थकान भरा रहेगा. आराम करें नहीं तो परेशानी हो सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप अपना स्वयं का व्यवसाय कर रहे हैं तो साझेदारी में प्रवेश करने का यह एक अच्छा समय है जो भविष्य में लाभकारी होगा. अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. आप खुश और शांत रहेंगे.विवाह योग्य संतान का रिश्ता पक्का हो सकता है.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. विदेशी संस्थान से छात्रवृत्ति या प्रवेश संबंधी खबर की प्रतीक्षा कर रहे छात्रों को अच्छी खबर मिलेगी. सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. शाम को जीवनसाथी के साथ मूवी का प्लान बनायेंगे. इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. गणेश जी की आरती करें, लाभ के अवसर प्राप्त होंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नए सौदे आज न करें तो ही अच्छा है. पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद-विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा. सिर और पेट दर्द हो सकता है. भोजन में सावधानी रखें.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यद्यपि आपकी माँ की स्वास्थ्य-स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चे भी अच्छे स्वास्थ्य में नहीं हो सकते हैं. किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं जो आपको खुश करेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन-देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय है. मित्रों की सलाह महत्वपूर्ण साबित होगी.

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 26 जून 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 08:57 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा दोपहर 01:05 तक
योग : विष्कुंभ प्रातः 01:05 तक
करण : कौलव प्रातः 10:05 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चीते जैसी शक्ल, बिल्ली जैसा शरीर... बीकानेर में दिखा अनोखा जीव

बीकानेर,25 जून (एजेंसियां)। लूणकरणसर के धीरेरां में खेत पर नजर आए बड़े से वन्यजीव को देखकर लोग हैरत में है। कोई इसे पैंथर बता रहा है तो कोई चीता। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल हो रहे वीडियो के बाद क्षेत्र के ग्रामीण आशंकित और दहशत में हैं। लूणकरणसर के ग्रामीण इलाकों में वायरल हो रहे वीडियो को लेकर मुख्य वन संरक्षक शरथ बाबू ने बताया कि वीडियो में दिख रहा ये वन्यजीव 'कैराकल कैट' है। 'कैराकल कैट' आमतौर पर झाड़ियों वाले इलाकों में रहवास करती हैं। ये अक्सर रात को ही शिकार करने निकलती है। इसलिए ये हमें आसानी से नजर नहीं आती।

देश में चीते के बाद 'कैराकल कैट' विलुप्ति की कगार पर है। 'कैराकल कैट' का कई सालों बाद राजस्थान के रेगिस्तान में दीदार हुआ है। इसकी तस्वीरें सामने आने के बाद वन विभाग भी हैरान है, क्योंकि लंबे समय बाद 'कैराकल कैट' बीकानेर के रेगिस्तान में देखी गई है।

भारत में करीब 50 के आस पास 'कैराकल कैट'

संयुक्त राष्ट्र के भूमि संरक्षण के सर्वोच्च सम्मान 'लैंड फॉर लाइफ अवॉर्ड' से सम्मानित पर्यावरणविद्ध प्रोफ़ेसर श्यामसुंदर ज्याणी ने तस्वीरें अपने फोन में कैद की हैं। ये दुर्लभ प्रजाति की बिल्ली

वनसंरक्षक ने 'कैराकल कैट' बताया नाम

देश में महज़ अब कुछ ही संख्या में बची हैं। भारतीय वन्य जीव संस्थान के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में करीब 50 के आस पास 'कैराकल कैट' ही बची हैं। 1952 में चीतों के लुप्त होने के बाद ये दूसरी बिल्ली है जो भारत में विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी है। प्रकृति के संरक्षण के लिए संकटग्रस्त प्रजातियों की लाल सूची में शामिल कर रखा है। इससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि इस बिल्ली का बीकानेर के रेगिस्तानी इलाकों में दिखाना बड़ी उपलब्धि है।

तलाश में जुटी वन विभाग टीमें

इस 'कैराकल कैट' के दिखने के बाद वन विभाग की टीमें इसकी तलाश में जुट गई हैं, ताकि मालूम किया जा सके कि इस इलाक़े में ये इकलौती बिल्ली है या और भी बिल्लियां मौजूद हैं।

अविश्वसनीय उपलब्धि का पल

प्रोफेसर ज्याणी के अनुसार पारिवारिक वानिकी मुहिम के लिए यह अविश्वसनीय उपलब्धि का पल है। मुख्य वन संरक्षक शरथ बाबू ने बताया कि जिले के लूणकरणसर में केराकल कैट देखी गई है। यह लुप्त प्रायः प्रजाति है। ऐसे में इसका लूणकरणसर क्षेत्र में देखा जाना किसी चमत्कार से कम नहीं। ऐसे में इस लुप्त प्रायः हो रही प्रजाति के बीकानेर के लूणकरणसर क्षेत्र में देखें जाने पर पर्यावरण प्रेमियों ने प्रसन्नता जताई है।

इसके लेकर तेलंगाना के पीसीसीएफ मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक मोहन परज़ाई, भारत के पूर्व पर्यावरण मंत्री और पर्यावरण संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष जयराम रमेश, केंद्रीय शिक्षा मंत्री जयंत चौधरी और यूएनपीपीडी ने ट्विट किए हैं।

मानसून से पहले सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का शिलान्यास

नहीं होगी जलभराव की समस्या : दीया कुमारी

जयपुर,25 जून (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी मंगलवार को 36.88 करोड़ की लागत से बन रहे सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट शिलान्यास किया। दीया कुमारी ने कहा कि मानसून में जल-भराव की समस्या से सभी लोग बरसों से परेशान थे, परन्तु आज इस ड्रेनेज प्रोजेक्ट अब इस समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल पाएगी।

उन्होंने कहा कि विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास के कई बड़े प्रोजेक्ट, रेलवे ओवर ब्रिज, बालिका कॉलेज और सैटेलाइट अस्पताल आ रहे हैं। अन्य जनसमस्याओं की निराकरण के लिए मैं जल्द ही इलाके में साप्ताहिक जनसुनवाई शुरू करने जा रही हूं। सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा होने से भवानी निकेतन, ढेहर के बालाजी, अल्का सिनेमा, 1 नंबर सन एण्ड मून, मुरलीपुरा एवं विद्याधर नगर आदि क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही वार्ड नं 4 में दो करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से सर्वोदय कॉलोनी से लालाराम नगर बढारना में जल निकास ड्रेनेज का निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के सतत प्रयासों के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण ने इसके लिए 26.52 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी कर दिए गए हैं। सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट के पहले चरण में 16.09 करोड़ की लागत से सीकर रोड के पूर्वी तरफ तथा 20.53 करोड़ की लागत से सड़क की पश्चिमी दिशा में नाले का निर्माण किया जाएगा। दूसरे चरण में वीकेआई से सेन्ट्रल स्पाईन होते हुए बड़ी-खेड़ा और मुरलीपुरा में 19.21 करोड़ की लागत से नालों का निर्माण करवाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तीसरे चरण में 13.29 करोड़ की लागत से बाईपास रोड और खेतान अस्पताल के पीछे नाले का निर्माण करवाया जाएगा।

आबूरोड में तेज हवाओं के साथ बारिश ने दिलाई गर्मी से राहत

पार्क के समीप कार पर गिरा नीम का पेड़

सिरोही,25 जून (एजेंसियां)। आबूरोड में बीते कई दिनों से पड़ रही लगातार तेज गर्मी और उमस के वातावरण के बाद मंगलवार अपराह्न साढ़े तीन बजे बाद मौसम में एकाएक बदलाव देखने को मिला। तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

बारिश और तेज हवाओं के दौरान शहर के शांतिकुंज और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के बाहर लगे नीम के पेड़ का एक हिस्सा वहां खड़ी कार पर गिर गया। बारिश के बाद लोगों को गर्मी और उमस के वातावरण से हल्की से राहत मिली। हालांकि, हवाओं का दौर शुरू होते ही शहर में बिजली आपूर्ति बंद हो गई। शहर में हर बार मामूली बारिश एवं हवाएं चलते ही बिजली बंद हो जाने से लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आदिवासी बहुल भाखर अंचल में भी जोरदार बारिश हुई है। बारिश से भाखर बत्तीसा नदी का पानी का बहाव चालू हो गया है। इससे लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे लोगों के चेहरे खिल गए हैं।

18वीं लोकसभा में जालौर सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी ने ली शपथ

संसद की सीढ़ी को झुक कर किया प्रणाम

सिरोही,25 जून (एजेंसियां)। जालौर सिरोही से राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र कांग्रेस से वैभव गहलोत को दो लाख वोटों से हराकर लोकसभा पहुंचे नवनिर्वाचित सांसद लुंबाराम चौधरी ने मंगलवार को लोकसभा में सांसद के रूप में शपथ ली और पूरे समर्पण के साथ लोगों की सेवा में काम करने का वादा किया।

भाजपा संभाग सह मीडिया प्रभारी चिराग रावल ने बताया कि चौधरी ने शपथ से पहले सीढ़ी पर झुककर प्रणाम किया। इसके बाद निवनिर्वाचित सांसदों को प्रोटेम स्पीकर ने लोकसभा सदस्यों के रूप में शपथ दिलाई।

सोमवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के प्रथम सत्र की शुरुआत के बाद नवनिर्वाचित सांसदों ने पद की शपथ ली। चौधरी ने बताया कि एक सांसद के रूप में अपने निर्वाचन क्षेत्र जालौर सिरोही सांचौर के लोगों की सेवा करने का जो अवसर मिला है, उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाउंगा।

शपथ लेने के बाद चौधरी ने भारत माता की जय के नारे लगाए। चौधरी राजनीति में आने से पहले एक किसान थे। चौधरी वार्ड पंच से चुनाव जीतकर आज सांसद तक पहुंचे हैं। पूर्व में किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष, भाजपा मंडल अध्यक्ष, दो बार जिला अध्यक्ष एवम संगठन में विभिन्न दायित्व पर निर्वहन कर चुके हैं। चौधरी अभी सिरोही जिला परिषद के वार्ड नंबर 18 से जिला परिषद सदस्य चुने गए थे एवम 18 नंबर लोकसभा सीट व 18वीं लोकसभा में सांसद चुने गए। चौधरी ने बताया कि मैंने संसद भवन में 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। मुझे लोगों की सेवा करने का जो अवसर मिला है, उसे मैं पूरी निष्ठा से पूरा करुगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हम सभी एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए दिन-रात एक करके काम करेंगे।

गुजरात की कंपनी का कैश लेकर लौट रहे कर्मी पर चाकू तानकर लूटे 26 लाख

जीटी रोड पर हुई वारदात

पानीपत,25 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में जीटी रोड पर नांगलखेड़ी गांव के पास गुजरात की कंपनी के कर्मी से कार सवार दो बदमाशों ने 26 लाख रुपये लूट लिए। कर्मी गोहाना व रोहतक से कंपनी की पेमेंट लेकर पानीपत लौटा था। वह सिवाह गांव स्थित बस स्टैंड से अपने सेक्टर 12 स्थित कमरे पर लौट रहा था। उसने सिवाह बस स्टैंड से ई- रिक्शा में बैठा था। बदमाशों ने रॉन्ग साइड आकर कार अड़ाकर ई- रिक्शा को रुकवाया और कर्मी को थप्पड़ मारकर उस पर चाकू तान दिया। बदमाश उससे 26 लाख रुपये से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। कर्मी ने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सेक्टर 29 थाना पुलिस, सीआईए वन, सीआई टू व सीआईए थ्री की टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस ने पीड़ित से पूछताछ की जीटी रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। बदमाशों का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। पुलिस ने मामले में फिलहाल अज्ञात पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की विभिन्न पहलूओं पर जांच कर रही है।

गुजरात के पाटन जिले के गांव भदरड़ा निवासी जयेश कुमार ने बताया कि वह सेक्टर 12 में किराए पर रहता है। पानीपत का मुकेश व गोविंद गुजरात की कंपनी के कैश कलेक्शन अधिकारी हैं। गुजरात की कंपनी हरियाणा में माल का निर्यात करती है। वह कंपनी की पेमेंट का कैश एकत्रित करता है। वह मंगलवार सुबह कैश एकत्रित करने के लिए रोहतक व गोहाना गया था। वह वहां से उद्यमियों से 26 लाख रुपये की पेमेंट लेकर सुबह पौने 11 बजे पानीपत के सिवाह स्थित बस स्टैंड पर उतरा था। उसने सारी पेमेंट अपने बैग में डाली थी। उसने बस स्टैंड से ई- रिक्शा ली। वह ई-रिक्शा में अपने सेक्टर 12 स्थित कमरे पर जा रहा था। जब वह जीटी रोड पर नांगलखेड़ी गांव के पास पहुंचा तो सामने से एक एक्सयूवी कार आई। कार चालक ने ई- रिक्शा के सामने कार अड़ा दी। इसमें से दो युवक उतरे। इन युवकों ने उसको थप्पड़ मारे। एक युवक ने उस पर चाकू तान दिया और उससे बैग छीन लिया। यह कार सवार रॉन्ग साइड से सिवाह गांव की ओर फरार हो गए। इसके बाद उसने इस वारदात की सूचना पुलिस को दी। अब सीआईए की टीमें जयेश से भी गहनता से पूछताछ कर रही है।

बदमाशों को जयेश के बारे में जानकारी थी

जिस प्रकार से जयेश के साथ लूटपाट की वारदात हुई है उससे यह प्रतीत हो रहा है कि बदमाशों को जयेश के बारे में सारी जानकारी दी थी। जयेश किस टाइम किस वाहन में बस स्टैंड से आ रहा है। यह भी जानकारी बदमाशों को दी थी। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

बाइक चोर गैंग का खुलासा, पुलिस ने दो चोरों के साथ तीन खरीदार पकड़े

टोंक,25 जून (एजेंसियां)। टोंक शहर में पार्क और चौराहे अब बाइक चोरों के निशाने पर आ गए हैं। अगर आप भी अपनी बाइक को यहां खड़ी कर जा रहे हैं तो सावधान हो जाइए। टोंक सीओ सिटी राजेश विद्यार्थी ने मंगलवार को बाइक चोर गैंग का खुलासा किया और दो बाइक चोरों के साथ तीन बाइक खरीददार भी दबोचे। सीओ सिटी राजेश विद्यार्थी ने बताया कि कोतवाली थाना इलाके में बीते दिनों हुई बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर बाइक चोर, जिनमें मेहंदवास थाना इलाके के सोनवाल निवासी नवल सैनी और कोतवाली इलाके निवासी हफीज को गिरफ्तार किया है। वहीं, चोरी की बाइक को खरीदने के आरोप में मेहंदवास के मोरडा निवासी विकास बैरवा, बूंदी जिले के लाखेरी निवासी सादिक और कोतवाली इलाके निवासी दानिश को गिरफ्तार किया।

सभी पांचों आरोपियों को अलग-अलग ठिकानों से गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, जिसके बाद 12 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। इस पूरी वारदात में एक बात सामने आई कि इन सभी आरोपियों ने नेहरू पार्क, किदवई पार्क और हेमू सर्किल इलाके को अपना निशाना बनाया। यहां लोगों की भीड़भाड़ का फायदा उठाकर बाइकें चोरी कीं और फिर इन्हें कौड़ियों के दाम बेचकर अपने शौक पूरे किए। इस पूरी वारदात में कोतवाली थाना इलाके के कांस्टेबल रूकमकेश का विशेष योगदान रहा।

झांसवा रोड पर ट्रक ने कार को मारी टक्कर

दादी-पोते की मौत, तीन घायल

झज्जर,25 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर में मंगलवार को सुधराना से झांसवा रोड पर ट्रक ने कार को साइड से टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार दादी और पोते की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। हादसे में मृतक 16 साल के मन और उसकी दादी 66 वर्षीय विद्या की मौत हुई है। हादसे में मृतक मन का पिता, माता और एक पड़ोसी महिला घायल हुई है।

जगन्नाथ जी का एकांतवास शुरू

जानें कब निकलेगी रथ यात्रा ?

जगन्नाथ रथ यात्रा में श्रीकृष्ण के स्वरूप भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ रथ पर सावर होकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। प्रजा का हाल जानते हैं और गुंडीचा मंदिर में अपने मौसी के घर जाते हैं ।

जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 7 जुलाई 2024 को शुरू होगी और इसकी समाप्ति 16 जुलाई 2024 को होगी। रथ यात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि से शुरू होकर दशमी तिथि तक चलती है।

भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को जगन्नाथ पुरी में आरंभ होती है और इसका समापन दशमी तिथि को होता है। यात्रा से पहले कई परंपराएं निभाई जाती है। इसकी शुरुआत सहस्त्रस्नान से होती है

यात्रा से पहले ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र को पानी में सुंगधित फूल, चंदन, केसर,कसतूरी, औषधियां मिलाई जाती है और फिर 108 घड़ों से इन्हें स्नान कराया जाता है।

भगवान जिस रथ पर निकलते हैं उन्हें नीम की पवित्र और परिपक्व लकड़ियों से बनाये जाते है। इन रथों के निर्माण में किसी भी प्रकार के कील या कांटे या अन्य किसी धातु का प्रयोग नहीं होता है।

रथ बनाने में दो महीने का समय लगता है। रथ बनाने वाले कारीगर एक ही समय भोजन करते हैं। लकड़ी में सोने की कुल्हाड़ी से कट लगाने का काम महाराणा द्वारा किया जाता है।

रथ यात्रा के लिए 3 रथ बनाए जाते हैं। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र अलग-अलग रथ पर सवार होते हैं। कहा जाता है कि इन रथों को 884 पेड़ों की लकड़ियों की मदद से बनाया जाता है। सबसे खास बात दें कि इन रथों को बनाने के लिए किसी भी धातु और कील का प्रयोग नहीं किया जाता है। भगवान जगन्नाथ के रथ में 16 पहिये होते हैं। रथ को शंखचूड़ रस्सी से खींचा जाता है। पद्म पुराण के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने एक बार नगर देखने की इच्छा जताई। ऐसे में भगवान जगन्नाथ ने उनको रथ पर बैठाकर नगर का भ्रमण कराया। यात्रा के दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह 7 दिन तक रुके। धार्मिक मान्यता है कि तभी से हर वर्ष भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाती है।

भगवान जगन्नाथ के भक्त को काल भैरव ने क्यों डराया, जानें ये पौराणिक कहानी

पौराणिक कथा के अनुसार रथ यात्रा के दिन जगन्नाथ जी एक राजा की तरह पांडी विजय करते हुए धीरे-धीरे रथ पर सवार हो गए। उनके साथ बलराम जी और सुभद्रा मैया भी अपने अपने रथ पर सवार हो गए। चारों ओर भक्त जय जगन्नाथ, जय जगन्नाथ के जयकारे लगा रहे थे। अनेक प्रकार के वाद्य यंत्र बज रहे थे। लोगों की भीड़ चरम सीमा पर थी। एक के बाद एक जगन्नाथ जी, बलराम जी और सुभद्रा मैया के रथ गतिमान होते हुए गुंडीजा मंदिर की ओर प्रस्थान कर रहे थे। सभी लोग उसी रथ यात्रा में उनके साथ चलने लगे और पीछे छूट गया। शांत और सुमसान मानो वो भी जगन्नाथ जी के विरह में उदास हो, सिंह द्वार और उके साथ एक और व्यक्ति थे जो इस रथ यात्रा से उदास थे। वो व्यक्ति थे इंद्र स्वामी। इंद्र स्वामी जगन्नाथ जी के एक महान भक्त थे। प्रतिदिन जगन्नाथ जी के दर्शन करने मंदिर में आते और इसके साथ ही अपने ध्यान अवस्था में भी उनके प्रत्यक्षदर्शन करते थे। जब वे जगन्नाथ जी को रथ यात्रा के समय गुंडीश मंदिर जाते हुए देखते तो बड़े उदास हो जाते। एक तो पहले ही जगन्नाथ जी 15 दिन के लिए बीमार पड़ जाते हैं और उनके दर्शन नहीं होते। ऊपर से 9 दिन और वे गुंडीचा मंदिर चले जाते हैं। ये सब देखकर इंद्र स्वामी का मन बड़ा उदास हो जाता था।

एक दिन रथ यात्रा शुरू होने के बाद दुखी मन से वे सिंह द्वार के पास खड़े थे। जगन्नाथ जी, बलराम जी और सुभद्रा मैया के रथ गुंडीचा मंदिर के लिए निकल पड़े थे। सम्पूर्ण श्री मंदिर खाली था, क्योंकि सभी भक्त गण भी जगन्नाथ जी के साथ गए हुए थे। लेकिन इंद्र स्वामी को इस बात का विश्वास नहीं हो रहा था उन्होंने मन में ही सोचा कि ऐसे कैसे भगवान अपनी रत्नवेदी छोड़कर जा सकते है। भगवान तो पुराणों में भी कहते हैं की चाहे प्रलय आजाये या फिर ये मंदिर नष्ट हो जाये, फिर भी मैं ये स्थान छोड़कर कभी नहीं जाऊंगा। तो फिर वे नीलाचर धाम छोड़कर कैसे जा सकते हैं? नहीं नहीं, भगवान नहीं गए होंगे, ये तो सिर्फ इन सब भक्तों की भूल होगी, भगवान नहीं जा सकते ऐसे वास्तव में ये सब तो सिर्फ उनके विग्रह को उठाकर रथ में लेकर जा रहे हैं। बाकी सत्य तो यही है कि जगन्नाथ जी यहीं पर हैं, इसी रत्न विधि पर जगन्नाथ जी विराजमान हैं।

इस प्रकार सोचते हुए वे वापस अपने आश्रम में आ गए। आश्रम में आकर वे ध्यान मग्न हो गए और रत्न वेदी पर विराजमान जगन्नाथ जी के दर्शन करने का प्रयास करने लगे। अब देखिए प्रतिदिन जब भी इंद्र स्वामी जगन्नाथ जी के दर्शन करने के लिए ध्यान अवस्था में बैठते तो उन्हें रत्न वेदी पर विराजमान जगन्नाथ जी, बलराम जी और सुभद्रा मैया के दर्शन होते थे। लेकिन आश्चर्य की बात यह हुई कि आज ध्यान अवस्था में भी उन्हें रत्न बेदी पर जगन्नाथजी के दर्शन नहीं हो पाए। ये देखकर भी बड़े उदास हो गए और उसी क्षण से द्वार से होते हुए मंदिर के अंदर चले गए। जब उन्होंने खाली रत्न वेदी को देखा तो फिर से उनका मन दुखी हो गया।

जगन्नाथ को याद करते हुए वह रत्न वेदी की परिक्रमा करने लगे और उसी क्षण एक बड़ी सी काली परछाई उनके सिर पर मंडराने लगी। उसके लम्बे काले हाथ और पैर थे। उसके बड़े बड़े नाखून और लाल आंखें अत्यंत भयावह थी। उसके सफेद बाल जमीन को छू रहे थे और जीवा कई गुनी लंबी थी। इस भयंकर स्वरूप को देखकर इंद्र स्वामी घबरा गए। आखिर उन्होंने जगन्नाथ जी को याद किया और हिम्मत एकत्रित करके उस काली विशाल परछाई को पूछा कौन हो तुम तुम्हे शर्म नहीं आती ऐसे यहां जगन्नाथ जी के स्थान पर तुम उनके भक्त को डरा रहे हो, चलो हटो हटो यहां से मुझे भगवान की प्रदिक्षना करने दो।इंद्र स्वामी की बात सुनकर वो काली परछाई वाला स्वरूप ज़ोर ज़ोर से हंसने लगा। उसने कहा- अरे मुर्ख, मुझे आदेश देने वाले तुम कौन होते हो? मैं इस स्थान पर रक्षक हूं और मेरा नाम है भैरव। भगवान की अनुपस्थिति में मैं ही इस स्थान की रक्षा करता हूं। इस समय जगन्नाथ जी यहां नहीं हैं इसलिए इस समय तुम उनकी रत्न बेदी की प्रदिक्षना नहीं कर सकते अगर तुम उनके दर्शन करना चाहते हो तो गुंडीचा मंदिर जाओ यहां नहीं चलो जाओ आप यहां से।

भैरव की बात सुनकर इंद्र स्वामी निसहाय होकर वापस अपने आश्रम में लौट आए। आज उनका मन अत्यंत उदास था। उनके मन में बार बार यही प्रश्न उठ रहा था क्या सच में भगवान जगन्नाथ अपने नीलाचल धाम छोड़कर अदब मंडप में चले गए है? तो क्या सच में जगन्नाथजी 9 दिन के लिए अपनी रत्न बेदी छोड़ कर गुंडीचा मंदिर में ही होते हैं या फिर दोनों जगह पर रहते हैं और आखिर गुंडीचा मंदिर में ये अदब दर्शन देने के पीछे क्या रहस्य है? क्या इसके पीछे भी जगन्नाथजी की कोई लीला छुपी हुई है?

इस बार 29 दिनों का ही होगा सावन माह
पांच सोमवार को रखे जाएंगे व्रत, जानें तिथि

सनातन धर्म में सावन माह को पवित्र माना गया है। यह माह भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है। साथ ही शिवालयों में अनुष्ठान भी किए जाते हैं।

सावन के प्रत्येक सोमवार को महादेव का रुद्राभिषेक और जलाभिषेक करने से सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। यही वह महीना है, जब कावड़ यात्रा निकाली जाती है और श्रद्धालु पवित्र नदियों के जल से शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

कब शुरू होगा सावन माह

पंचांग के अनुसार 21 जुलाई को आषाढ़ माह खत्म होने जा रहा है। इसके बाद 22 जुलाई से सावन माह की शुरुआत होगी। वहीं, 19 अगस्त सावन की पूर्णिमा के साथ यह माह समाप्त हो जाएगा। ऐसे में इस बार सावन 29 दिन का ही रहेगा।

सावन में इस बार पांच सावन सोमवार के व्रत रखे जाएंगे।

पहला सावन सोमवार	22 जुलाई
दूसरा सावन सोमवार	29 जुलाई
तीसरा सावन सोमवार	5 अगस्त
चौथा सावन सोमवार	12 अगस्त
पांचवा सावन सोमवार	19 अगस्त

चार मंगला गौरी व्रत रखे जाएंगे

सावन माह में प्रत्येक मंगलवार को मंगला गौरी व्रत भी रखा जाता है। यह व्रत माता पार्वती को समर्पित है। सुहागिन महिला पति की लंबी आयु और संतान प्राप्ति के लिए, तो वहीं कुंवारी युवतियां अच्छे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती है। इस बार चार मंगला गौरी के व्रत रखे जाएंगे।

पहला मंगला गौरी व्रत	23 जुलाई
दूसरा मंगला गौरी व्रत	30 जुलाई
चौथा मंगला गौरी व्रत	6 अगस्त
चौथा मंगला गौरी व्रत	13 अगस्त

रुद्राक्ष की माला धारण करने के बाद इन बातों का जरूर रखें ध्यान
जानें क्या है नियम

सनातन धर्म में रुद्राक्ष को विशेष स्थान प्राप्त है। इसे भगवान शिव के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव के आंसुओं के रुद्राक्ष का निर्माण हुआ था। मान्यता है कि रुद्राक्ष की माला धारण करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। हालांकि, रुद्राक्ष धारण करने के कई नियम भी है, यहां इसके बारे में बताते हैं।

इन्हें नहीं धारण करना चाहिए रुद्राक्ष

गर्भवती स्त्री- ज्योतिष के अनुसार गर्भवती महिला को रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। अगर रुद्राक्ष की माला पहले से पहन रखी है तो, गर्भवती होने के बाद इसे उतार देना चाहिए। बच्चे के जन्म बाद दोबारा रूद्राक्ष धारण कर सकते हैं।

तामसिक भोजन करने वाले व्यक्ति- ऐसे व्यक्ति तो तामसिक भोजन, यानी शराब और मांस का सेवन करते हैं, उन्हें रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि इससे रुद्राक्ष अपवित्र हो जाता है, जिससे भविष्य में अशुभ परिणाम मिलते हैं।

सोने के दौरान-सोते समय भी रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। यदि आप सोने

के दौरान तकिए के नीचे रुद्राक्ष रखकर सोते हैं, तो इससे बुरे सपने नहीं आते।

ये हैं नियम

रुद्राक्ष धारण करने से पहले इसके मूल मंत्र का 9 बार जाप करें।

रुद्राक्ष धारण के बाद मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।

शमशान घाट जाने से पूर्व रुद्राक्ष को उतारकर रख देना चाहिए

रुद्राक्ष उतारने के बाद इसे पवित्र स्थान पर ही रखना चाहिए।

रुद्राक्ष की माला का धागा लाल अथवा पीले रंग का होना चाहिए।

महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान रुद्राक्ष पहनने से बचना चाहिए।

अपनी रुद्राक्ष माला को किसी अन्य व्यक्ति को नहीं देना चाहिए।

घर के मंदिर में नहीं रखनी चाहिए शनिदेव की मूर्ति, जानिए क्या है कारण

हर घर के मंदिर में अलग-अलग देवी-देवताओं की मूर्तियां रखी होती हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि घर के मंदिर में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखनी चाहिए। इन मूर्तियों के रखे होने से नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं कि घर के मंदिर में किन देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखना चाहिए।

शनिदेव की मूर्ति

हिंदू धर्म में शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। शनिदेव की पूजा की जाती है, लेकिन घर के मंदिर में उनकी तस्वीर या मूर्ति रखना वर्जित होता है। उन्हें एक उग्र देव माना जाता है। इसलिए शनिदेव की पूजा घर की बजाय किसी मंदिर में जाकर करना शुभ मना होता है।

मां काली की मूर्ति

शनिदेव की तरह ही घर के मंदिर में मां काली की मूर्ति और तस्वीर रखना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इन्हें भी उग्र देवताओं में शामिल किया जाता है। इनकी पूजा घर में नहीं करनी चाहिए। मां काली की पूजा के नियम भी बहुत कठिन हैं और घर पर ऐसा करना उचित नहीं माना जाता है।

नटराज की मूर्ति

कई लोगों के घर में नटराज की मूर्ति रखी होती है, लेकिन नटराज असल में भगवान शिव का रौद्र रूप माने जाते हैं। ऐसे में घर के मंदिर में नटराज की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में कलह बनी रहती है।

भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति

देवी-देवताओं की मूर्तियां भी विभिन्न मुद्राओं में पाई जाती हैं। लेकिन ध्यान रखें कि घर में हमेशा भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की बैठी हुई मूर्ति ही लानी चाहिए। मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां खड़ी या किसी अन्य स्थिति में रखना शुभ नहीं माना जाता है।

शर्माजी की बेटी का ट्रेलर हुआ रिलीज

प्राइम वीडियो की आगामी फिल्म शर्मा जी की बेटी का ट्रेलर आज जारी हो गया है। यह फिल्म इसी महीने इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन ताहिरा कश्यप ने किया है। यह निर्देशन में उनका डेब्यू है। आज जारी हुए ट्रेलर में भारत के मध्यमवर्गीय परिवारों की महिलाओं की कहानी दिखाई गई है। यह कहानी दिखाई गई है शर्मा वुमंस-ज्योति शर्मा, किरण शर्मा और तन्वी शर्मा के जरिए। प्राइम वीडियो के सोशल मीडिया हैंडल से ट्रेलर जारी किया गया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, आपस में जुड़ी हुईं पांच जिंदगियां, पांच मजबूत महिलाएं, पांच खूबसूरत कहानियां, जो नियति से बंधी हुई हैं। यह फिल्म 28 जून को रिलीज होगी। फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर मुख्य भूमिकाओं में हैं। साथ ही वंशिका तपारिया, अरिस्ता मेहता, शारिब हाशमी और परवीन भी हैं।फिल्म का ट्रेलर देखकर यह कहा जा सकता है कि यह आम महिलाओं की कहानी को बड़े खूबसूरत अंदाज में कहने वाली फिल्म है। परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों के बीच अपने लिए जगह ढूंढने वाली महिलाओं को यह कुछ अपनी-अपनी सी कहानी लगेगी। फिल्म में साक्षी तंवर ज्योति शर्मा के रोल में हैं। दिव्या दत्ता किरण शर्मा और तन्वी शर्मा की भूमिका में सैयामी खेर हैं।ट्रेलर देखते हुए लग रहा है कि फिल्म में कॉमेडी भी भरपूर देखने को मिलेगी। ज्योति तंवर (साक्षी) एक ऐसी महिला के रोल में हैं, जो खुद एक शिक्षिका हैं। परिवार की जिम्मेदारी हैं, लेकिन अपनी ही बेटी उन्हें नजरअंदाज करती है। किरण (दिव्या दत्ता) को जिंदगी में रंग पसंद हैं। पति के साथ घूमना-फिरना चाहती है, एकांत चाहती है, लेकिन पति दो टूक कह देता है कि अब जुड़ाव महसूस नहीं होता। तीसरी शर्मा महिला की कहानी है तन्वी (सैयामी) की, जो क्रिकेट खेलती है। जिंदगी की जद्दोजहद में अपने सपनों को पूरा कर रही है और चुनौतियों से दो-चार होती है।

साक्षी, दिव्या और सैयमी का दिखा मजेदार अंदाज

पति मजहर सईद के साथ काम करके खुश हैं मौली गांगुली

एक्ट्रेस मौली गांगुली ने शो जननी : एआई की कहानी में पति मजहर सईद के साथ काम करने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि लगभग दो दशकों के बाद फिर से साथ काम करना एक ताजगी भरा अनुभव है।शो में इरा शर्मा की भूमिका निभाने वाली मौली ने अपने पिछले सहयोगों के बारे में बात करते हुए कहा, लगभग दो दशक बाद फिर से साथ काम करना ताजगी भरा अनुभव है। कहीं किसी रोज में हम एक दूसरे के अपोजिट नहीं थे, इसलिए यह अनुभव बिल्कुल नया और रोमांचक है।इस बार वह पर्दे पर एक ऐसे जोड़े की भूमिका निभा रहे हैं जो उनके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में एक अनोखी गतिशीलता जोड़ देगा।मौली ने इस अनुभव के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह वास्तव में इसका आनंद ले रही हैं। पर्दे के पीछे और पर्दे पर दोनों की केमिस्ट्री ने उनके किरदारों में प्रामाणिकता जोड़ दी है, जिससे यह शो दर्शकों के लिए और भी अधिक आकर्षक बन गया है।जीवनसाथी के साथ काम करना एक अनोखा अनुभव हो सकता है और मौली और मजहर के लिए यह किसी आनंद से कम नहीं है।साक्षी, आठवां वचन और लागी तुझसे लगन में अपने काम के लिए मशहूर मौली ने कहा, यह वाकई में सुकून देने वाला है क्योंकि साथ आना, साथ में घर जाना और साथ में समय बिताना बहुत मजेदार है। वरना हम लोग आम तौर पर एक-दूसरे की सेट की कहानियां शेयर करते थे।इससे पहले वह डांस रियलिटी शो नच बलिए 4 में नजर आए थे। इसमें उनकी मजबूत साझेदारी और केमिस्ट्री को दिखाया गया था। यह जोड़ा 2010 में शादी के बंधन में बंधा था।इस शो में मजहर ने विराट शर्मा की भूमिका निभाई है। इसके अलावा इसमें प्राप्ति शुक्ला, नितिन गुलेरिया, सुमित कौल, प्रियांक ततारिया और आशिका भाटिया भी हैं।एमएजे प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, जननी : एआई की कहानी दंगल टीवी पर प्रसारित हो रहा है।मौली इससे पहले बाल शिव-महादेव की अनदेखी गाथा, जमाई राजा, शक्ति-अस्तित्व के एहसास की, आसमान से आगे और मानो या ना मानो 2 जैसे टेलीविजन शो में नजर आ चुकी हैं।

महाराज में सरप्राइज फैक्टर कहलाना मेरे लिए खुशी की बात: शरवरी

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म महाराज में एक्टर जुनैद खान के साथ काम कर रहीं एक्ट्रेस शरवरी ने कहा कि वह अपने आप को सरप्राइज फैक्टर मानकर खुश हैं।फिल्म में अतिथि भूमिका निभाने वाली शरवरी ने कहा, मैं यह पढ़कर बहुत रोमांचित हूं कि लोग मुझे महाराज का एक बड़ा सरप्राइज फैक्टर कह रहे हैं।एक कलाकार के तौर पर मैं अपनी हर भूमिका और फिल्?म के जरिए दर्शकों पर एक खास प्रभाव डालना चाहती हूं, इसलिए मैं किसी फिल्म में सरप्राइज फैक्टर होने के लिए सभी तारीफों को खुशी और विनम्रता से स्वीकार करूंगी।एक्ट्रेस ने कहा, इस बात का मतलब यह है कि मेरे प्रदर्शन ने एक बड़ा प्रभाव छोड़ा है। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करती हूं। मैं अपनी हर फिल्?म को कुछ बड़ा और बेहतर करने के तौर पर देखती हूं।शरवरी बेहद खुश हैं। एक ही महीने में मुंज्या और महाराज रिलीज हुई है।एक्ट्रेस ने कहा, पेशेवर तौर पर यह महीना मेरे लिए बहुत बढिय़ा रहा है। अपने करियर की दूसरी ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या मिलना वाकई में ही एक अद्भुत एहसास है। दिलचस्प बात यह है कि लोगों को फिर से लगा कि मैं फिल्म का सरप्राइज फैक्टर हूं और यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।आगे कहा, इसके अलावा महाराज के लिए मुझे जो प्यार मिल रहा है, वह भी एक अविश्वसनीय एहसास है। किसी भी फिल्म में सरप्राइज फैक्टर कहलाना एक बहुत बड़ी तारीफ है।शरवरी अगली बार मशहूर फिल्म निर्माता निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म वेदा में नजर आएंगी। उन्हें आदित्य चोपड़ा की स्पाई वर्स में आलिया भट्ट के साथ भी कास्ट किया गया है।शरवरी ने कहा कि वह अपने हर किरदार में कुछ अलग लाने के लिए बहुत मेहनत करती हैं और उनके लिए मान्यताएं बहुत फायदेमंद हैं।उन्होंने कहा, यह मुझे और अधिक मेहनत करने तथा हर बार स्क्रीन पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।महाराज एक पीरियड ड्रामा है, जो स्वतंत्रता-पूर्व भारत पर आधारित है और इसमें एक महाराज की कहानी दिखाई गई है।यह फिल्म एक निडर पत्रकार और समाज सुधारक करसनदास मुलजी के ऐतिहासिक मामले के इर्द-गिर्द घूमती है, जो वल्लभाचार्य संप्रदाय की शक्तिशाली धार्मिक स्थापना के खिलाफ खड़े हुए थे।

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म ककुड़ा ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होगी रिलीज, पहला वीडियो आया सामने

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछली बार निर्देशक संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में दिखी थीं और इसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई।अब दर्शक सोनाक्षी की आगामी फिल्म ककुड़ा का इंतजार कर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान आदित्य सरपोतदर ने संभाली है।ताजा खबर यह है कि ककुड़ा सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देने वाली है। अभी तक इस फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।ककुड़ा का पहला वीडियो सामने आ गया है, जो हॉरर और सस्पेंस से भरपूर है। निर्माताओं ने लिखा, ककुड़ा के आने का वक्त हो गया है...दरवाजा खोलना मत भूलना क्योंकि अब हर मर्द खतरे में है...।सोनाक्षी के अलावा रितेश देशमुख और साकिब सलीम भी इस फिल्म में नजर आएंगे।ककुड़ा की कहानी गांव में एक अजीब अभिशाप के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें सोनाक्षी, रितेश और साकिब की तिकड़ी का सामना एक चुनौतीपूर्ण भूत से होता है।ककुड़ा के निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने कहा, एक फिल्म निर्माता और हॉरर-कॉमेडी शैली के प्रशंसक के रूप में, मुझे डर और हंसी के बीच संतुलन साधना अच्छा लगता है. दर्शकों को डराना और खुश करना एक चुनौतीपूर्ण काम है, लेकिन ककुड़ा के साथ, मैं आश्वस्त हूं. हमने एक बार फिर सही तालमेल बिठाया है. मैं प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करने को लेकर रोमांचित हूं, जिनमें रितेश देशमुख, सोनाक्षी सिन्हा, साकिब सलीम और आसिफ खान शामिल हैं, जिन्होंने कहानी में हास्य और भावनाओं को शानदार तरीके से जोड़ा है. उनकी कॉमिक टाइमिंग और तरीका उन्होंने वास्तविक भावनाओं को चित्रित किया है, जिससे एक निर्देशक के रूप में मेरा काम बहुत आसान हो गया है. साथ में, हमने एक अनूठी और आकर्षक कहानी तैयार की है, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगी और ककुड़ा के हर मोड़ का बेसब्री से इंतजार करेगी।

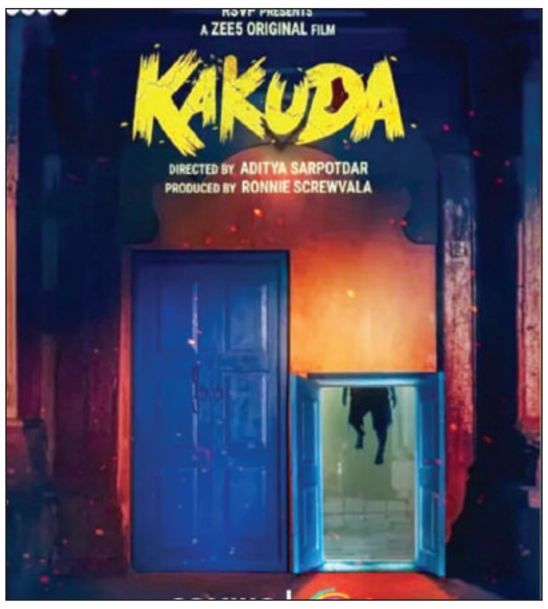

श्रद्धा दास का लेडी बॉस लुक फैंस को कर रहा इंप्रैस

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस श्रद्धा दास अपने हॉट लुक से फैंस को अपनी ओर अट्रेक्ट करने में कोई भी कसर नहीं छोड़ती हैं। वो आए दिन अपने फोटोज से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने इंस्टाग्रम पर अुपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर कर के इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है।एक्ट्रेस श्रद्धा दास अपनी हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर लोगों को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंटरनेट पर शेयर करती हैं तो अक्सर लोगों के बीच बवाल मच जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद ही स्टनिंग फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने ब्लू कलर की कोट-पैंट पहनी हुई है, जिसमें वो क्लासी नजर आ रही हैं।बालों को ओपन कर के और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस हर बार अपने लुक से फैंस के बीच कहर बरपाती रहती हैं। उनकी स्टनिंग अवतार अक्सर फैंस के होश उड़ा देता है।गले में सिंपल सा नेकलेस, आखों में काजल और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस अपने हर लुक से फैंस के बीच बवाल मचाती रहती हैं,चाहे वो इंडियन लुक हो या फिर वेस्टर्न लुक उनका हर एक लुक फैंस के बीच छा जाता है।

पेपर लीक रोकथाम अध्यादेश को योगी कैबिनेट ने दी मंजूरी

पेपर लीक किया तो आजीवन कारावास, एक करोड़ का जुर्माना

कैबिनेट बैठक में 43 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में परीक्षाओं को पारदर्शी और शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए योगी सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक की रोकथाम के लिए अध्यादेश को मंजूरी प्रदान की गई है। इस अध्यादेश के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सजा के कड़े प्राविधान सम्मिलित किए गए हैं, जिनमें 2 साल से लेकर आजीवन कारावास तक का दंड और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने को शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पहले भी पेपर लीक जैसे मामलों पर कड़े कदम उठा चुकी है और अब इस अध्यादेश को इसी क्रम में एक और बड़ा कदम माना जा रहा है।

लोकभवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने मंजूर किए गए प्रस्तावों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट के समक्ष कुल 44 प्रस्ताव रखे गए थे, जिसमें 43 को कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान की है। अनुमोदित प्रस्तावों में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक रोकथाम अध्यादेश 2024 भी शामिल रहा। वित्त मंत्री ने बताया कि पेपर लीक के संबंध में मंत्रिपरिषद के द्वारा अध्यादेश के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया है, जिसमें यदि कोई संस्था या उससे जुड़े लोग पकड़े जाएंगे तो उन्हें 2 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास की सजा और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि अध्यादेश के तहत लोकसेवा आयोग, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड, उत्तर प्रदेश बोर्ड, विश्वविद्यालय, प्राधिकरण या निकाय या उनके द्वारा नामित संस्था भी इसमें सम्मिलित हैं। यह अध्यादेश किसी प्रकार की भर्ती परीक्षाओं, नियमितीकरण या पदोन्नती करने वाली परीक्षाएं, डिग्री-डिप्लोमा, प्रमाण पत्रों या शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाओं पर भी लागू होगा। इसके अंतर्गत फर्जी प्रश्नपत्र बांटना, फर्जी सेवायोजन वेबसाइट बनाना इत्यादि दंडनीय अपराध बनाए गए हैं। अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन पर अध्यादेश के अंतर्गत दोषियों को 2 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा, जबकि एक करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि यदि परीक्षा प्रभावित होती है तो उस पर आने वाले वित्तीय भार को सॉल्वर गिरोह से वसूलने तथा परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली संस्था तथा सेवा प्रदाताओं को सदैव के लिए ब्लैक लिस्ट करने का भी प्रावधान किया गया है। अधिनियम में अपराध की दशा में संपत्ति की कुर्की भी प्राविधानित की गई है। इसके तहत समस्त अपराध संज्ञेय, गैर जमानती एवं सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय एवं अशमनीय बनाए गए हैं। जमानत के संबंध में भी कठोर प्राविधान किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में विधानसभा का सत्र न होने के कारण बिल के स्थान पर अध्यादेश का प्रस्ताव किया गया है। मंत्रिपरिषद के द्वारा प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद अध्यादेश की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा और इसके बाद इसे लागू किया जाएगा।

तीन विकास प्राधिकरणों का किया गया सीमा विस्तार

योगी सरकार ने वाराणसी, बरेली और मुरादाबाद विकास प्राधिकरणों के विस्तार के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है। इसके तहत इन विकास प्राधिकरणों में कई राजस्व गांवों को सम्मिलित किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि तीन प्राधिकरणों के सीमा विस्तार का भी निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत वाराणसी विकास प्राधिकरण में 215 राजस्व गांव सम्मिलित किए गए हैं। वहीं बरेली विकास प्राधिकरण में भी 35 राजस्व गांव शामिल किए गए हैं। इसी तरह मुरादाबाद विकास प्राधिकरण में 71 राजस्व गांवों को सम्मिलित किया गया है।

अयोध्या में मंदिर संग्रहालय बनाएगा टाटा संस

प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अयोध्या में टाटा संस अपने सीएसआर फंड से भारतीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण कराएगा। इस प्रस्ताव को भी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से टाटा संस कुल 750 करोड़ रुपए खर्च करेगा। यह संग्रहालय विश्वस्तरीय होगा। उन्होंने बताया कि टाटा संस द्वारा एक प्रस्ताव भारत सरकार के माध्यम से प्राप्त हुआ था,जिसमें सीएसआर फंड से 650 करोड़ की लागत से वो एक विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय बनाने का कार्य करेंगे। 650 करोड़ के साथ-साथ साइड के डेवलपमेंट में 100 करोड़ रुपए खर्च करेंगे। कुल मिलाकर 750 करोड़ रुपए से भारतीय मंदिर संग्रहालय के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। इस मंदिर संग्रहालय के निर्माण का कार्य टाटा संस करेगा जबकि जमीन पर्यटन विभाग द्वारा एक रुपए की लीज पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह लीज 90+90 वर्ष के लिए होगी।

सीएम टूरिज्म फेलोशिप प्रोग्राम को मिली मंजूरी

योगी कैबिनेट ने मुख्यमंत्री टूरिज्म फेलोशिप कार्यक्रम के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है। इसके तहत पर्यटन विभाग शोधार्थियों का चयन करेगा जो प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस क्षेत्र में हो रहे निवेश को गति प्रदान करेंगे। साथ ही निवेशकों को आ रही समस्याओं को निस्तारित कराने में भी भूमिका निभाएंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ये शोधार्थी पर्यटन विभाग से जुड़ी योजनाओं के पर्यवेक्षण, अनुश्रवण एवं पारिस्थितिकीय स्थलों के सर्वांगीण विकास, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का मूल्यांकन, मेले व महोत्सव की योजनाओं को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह शोधार्थी जिला पर्यटन और संस्कृति परिषद और विशेषकर पर्यटन निदेशालय के संरक्षण में अपना योगदान करके निवेशकों और पर्यटकों के अनुरूप माहौल बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। फिलहाल 25 शोधार्थियों का चयन किया जाएगा। इन्हें मानदेय के रूप में कुल 40 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे, जिसमें पारिश्रमिक के रूप में 30 हजार रुपए और क्षेत्र भ्रमण के लिए 10 हजार रुपए मिलेंगे। साथ ही उन्हें एक टैबलेट भी प्रदान किया जाएगा।

डिफेंस कॉरिडोर को मिली पर्यावरण की एनओसी

अलीगढ़, 25 जून (एजेंसियां)। डिफेंस कॉरिडोर अलीगढ़ नोड को पर्यावरण का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलने की खबर पर निवेशक खुश हैं। उनका कहना है कि शासन स्तर से सामूहिक रूप से कॉरिडोर की एनओसी निवेशकों के हित का कदम है। अब किसी एक यूनिट के लिए अलग से एनओसी नहीं लेनी होगी। इसी तरह सरकार अब सामूहिक स्तर पर कॉरिडोर की सुरक्षा के संबंध में प्लान बना रही है। सुरक्षा के लिए अलग से यूनिट बनाने की की तैयारी है। यह भी एक बड़ा कदम होगा।

अलीगढ़-पलवल हाईवे पर अंडला में डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। जिसमें अब तक दो यूनिट शुरू हो चुकी हैं, तीसरी यूनिट तैयार हो रही है। निर्माण कार्य जारी हैं। इसमें अब तक पर्यावरण के लिए निवेशक को अपनी यूनिट लगाने से पहले अलग से एनओसी लेनी होनी थी। अब शासन स्तर से पूरे कॉरिडोर के लिए एनओसी ले ली गई है। कॉरिडोर में निवेशक शहर के प्रमुख निर्यातक धनजीत वाड्रा कहते हैं कि यह निवेशकों के हित में अच्छा प्रयास है। सुरक्षा के संबंध में भी पहल की जा रही है। इससे कारोबार तेजी से बढ़ेगा।

संविधान को लेकर बसपा प्रमुख मायावती का बड़ा आरोप

संविधान की दुहाई देने वालों ने कई संशोधन किए

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। देश में इस वक्त एक नया मुद्दा छाया हुआ है, वह है संविधान। लोकसभा चुनाव के दौरान से अब तक विपक्षी इंडी गठबंधन भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाती रही है। वहीं भाजपा ने इंडी गठबंधन के इन आरोपों को एक साजिश करार दिया है और कहा कि वो ऐसे मुद्दे लाकर देश की जनता को भ्रमित करना चाहती है। जबकि पीएम मोदी खुद कह चुके हैं कि जब तक हम जिंदा हैं, तब तक संविधान से कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता है।

अब पक्ष-विपक्ष के इन्हीं आरोप-प्रत्यारोपों के बीच मंगलवार को बसपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने संविधान मुद्दे को लेकर दोनों गुटों पर निशाना साधा है। केंद्रीय संसद में विपक्ष द्वारा संविधान की कॉपी दिखाई जाने के मामले में बसपा चीफ ने कहा, ये सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे लग रहे हैं और इन दोनों ने मिलकर इस संविधान को जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी संविधान बना दिया।

मायावती ने आरोप लगाया कि सत्ता और विपक्ष की दोनों की अंदरूनी मिलीभगत है। दोनों ही सत्ता विपक्ष की अंदरूनी मिलीभगत से जबरदस्ती संविधान बचाने का नाटक किया जा रहा। अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए ये दोनों ही भारतीय संविधान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं ये कतई उचित नहीं है। बसपा प्रमुख ने कहा कि इन दोनों ने अंदर-अंदर मिलकर संविधान में इतने संशोधन कर दिए कि अब ये समतामूलक, धर्म निरपेक्ष नहीं, बल्कि पूंजीवादी, जातिवादी और सांप्रदायिक संविधान बनकर रह गया। ये दोनों ही आरक्षण को समाप्त करना चाहते हैं और एससी, एसटी, आदिवासी को संविधान का लाभ नहीं देना चाहते है।

2735 कृषि फीडर के जरिए किसानों को मिल रही 10 घंटे मुफ्त बिजली

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। अन्नदाता किसान सीएम योगी की प्राथमिकता में हैं। किसानों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन व उन्हें लागू करने पर उनका विशेष जोर रहता है। मार्च में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुई कैबिनेट मीटिंग में ट्यूबवेल से सिंचाई व कृषि कार्यों के लिए मुफ्त बिजली के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। वहीं बजट में भी योगी सरकार की ओर से मुफ्त सिंचाई के लिए 1100 करोड़ रुपए बजट की व्यवस्था की गई थी। इसे देखते हुए अप्रैल से किसानों को मुफ्त सिंचाई की सुविधा मिलने लगी है। योगी सरकार की ओर से कृषि कार्यों के लिए 2735 फीडर से 10 घंटे निःशुल्क बिजली दी जा रही है। जल्द ही कृषि फीडरों की संख्या 5 हजार से पार पहुंच जाएगी। गौरतलब है कि 14.21 लाख ट्यूबवेल धारक किसानों को फ्री बिजली दी जाती है।

उत्तर प्रदेश में कुल 23226 विद्युत फीडर हैं। इसमें से 5433 से अधिक फीडर को कृषि कार्यों के लिए पृथक किया जाना प्रस्तावित है। इसमें से 2735 फीडर ऐसे हैं, जिन्हें कृषि कार्यों के लिए अलग किया जा चुका है और इनके माध्यम से सिंचाई व अन्य कृषि कार्यों के लिए किसानों को 10 घंटे निशुल्क विद्युत आपूर्ति दी जा रही है। शेष 20491 फीडरों को बिना अलग किए फीडरों से 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

भीषण गर्मी में भी यूपी में 24 घंटे ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई। सभी 75 जनपदों में समान रूप से बिजली देकर नागरिकों को सुविधाओं से पूर्ण रखा गया। वहीं आमजन को बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने के अतिरिक्त कृषि कार्यों के लिए किसानों को भी योगी सरकार की तरफ से 10 घंटे बिजली दी जा रही है।

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप भीषण गर्मी के बावजूद पूरे प्रदेश में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इसी क्रम में अन्नदाता किसानों की बेहतरी के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई इस योजना को भी प्राथमिकता के आधार पर संचालित किया जा रहा है। अनवरत मॉनिटरिंग के माध्यम से किसानों को सिंचाई समेत अन्य कृषि कार्यों के लिए 10 घंटे निःशुल्क विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा रही है। प्रदेश सरकार की तरफ से कृषि फीडरों के लिए तय लक्ष्य को निर्धारित समय में पूर्ण कर लिया जाएगा।

इमरजेंसी से संविधान नष्ट करने वाली कांग्रेस का चरित्र नहीं बदला: योगी

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान लगाई गई इमरजेंसी के 50वें वर्ष में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर जमकर प्रहार किया। अपने सरकारी आवास पर प्रेस वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज जब 50 वर्ष के उपरांत हम इमरजेंसी की उन यादों को स्मरण करते हैं तो स्वाभाविक रूप से कांग्रेस में चेहरे बदले होंगे, लेकिन उसका चरित्र और उसके हाव भाव आज भी वही है जो 1975 में था। उस समय कांग्रेस का एक बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। कैसे उन्होंने संविधान की मूल आत्मा कही जाने वाली प्रिएंबल (प्रस्तावना) में संशोधन करके उसकी आत्मा को नष्ट करने का प्रयास किया था। कैसे कांग्रेस ने उस समय देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। कैसे न्यायालय के अधिकारों को कांग्रेस ने उस समय बंधक बनाकर रख दिया था। और आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही नेतृत्व बदला हो, चेहरा बदला हो, लेकिन उसका चरित्र वही है।

सीएम योगी ने कहा कि 50 वर्ष पूर्व आज के ही दिन देर रात्रि एक काला अध्याय लिखा गया था, जब कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने भारत के संविधान का गला घोंटते हुए लोकतंत्र को पूरी तरह समाप्त करने की साजिश रची थी। 25 जून 1975 को रात के अंधेरे में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने कैसे भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास किया था। उस समय अटल बिहारी वाजपेई, मोरारजी देसाई, जय प्रकाश नारायण, लाल कृष्ण आडवाणी समेत विपक्ष के सभी नेताओं को जेल में बंद करके लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह तानाशाही पूर्ण रवैया आज या 1975 में ही नहीं, बल्कि आजादी के तत्काल बाद भी देखने को मिला था, जब संविधान को अंगीकार करने के मात्र दो वर्ष के अंदर ही उसने संविधान संशोधन करके धारा 370 को उसमें जबरन डालकर देश की अखंडता को चुनौती देने का प्रयास किया था। इसके उपरांत भी उसने समय-समय पर, कभी मीडिया को प्रतिबंधित करके, कभी अन्य तरीके से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लोकतंत्र के सभी स्तंभों को कमजोर करने का प्रयास किया था। 25 जून 1975 उसकी पराकाष्ठा के रूप में देश और दुनिया ने देखा है।

सीएम योगी ने कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग आज लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, लेकिन भारत के बाहर जाकर भारत के लोकतंत्र को कटघरे में खड़ा करते हैं और भारत की चुनाव प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगाते हैं। ये लोग भारत के बाहर जाकर भारत को और उसके लोकतंत्र को कोसते हैं। यही नहीं, भारत के अंदर भी हर चुनाव की प्रक्रिया में बाधा पैदा करके ईवीएम पर अपनी अकर्मण्यता का दोष थोपने का प्रयास करते हैं। 1975 में संविधान को नष्ट करने का प्रयास करने वाली कांग्रेस आज भी उसी रास्ते पर चल रही है। जहां भी कांग्रेस नेतृत्व की सरकारें हैं, उनका रवैया, उनकी कार्यप्रणाली और उनके कृत्य इस बात के उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

सीएम योगी ने कांग्रेस के सहयोगी दलों को भी कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि 1975 में देश के लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए जिन लोगों ने जेल की यातनाओं को सहा था, जिन लोगों ने उस कालखंड में लोकतंत्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, आश्चर्य होता है कि उनकी वर्तमान पीढ़ी उसी कांग्रेस की गोद में बैठकर देश को फिर से कांग्रेस की तानाशाही, लोकतंत्र विरोधी और संविधान विरोधी नीतियों की ओर धकेलने का कुत्सित प्रयास कर रही है। कांग्रेस के सहयोगी, चाहे वो बंगाल की टीएमसी हो, केरल, तमिलनाडु के सहयोगी हों या कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकारें जहां कार्य कर रही हैं, उनकी कार्यपद्धति को आप देखें तो पाएंगे कि ये लोग जनता को गुमराह करके संविधान के नाम पर संसद की कार्यवाही को बाधित करने का कार्य कर रहे हैं।

एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से लैस होगा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए कृत संकल्प योगी सरकार प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लिए एक ओर जहां प्रदेश में निवेश लाने की प्रक्रियाओं पर जोर दे रही है, वहीं प्रदेश के एक्सप्रेस-वे को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने की प्रक्रिया पर काम कर रही है। एक्सप्रेस-वे को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने से एक ओर यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में इजाफा हो रहा है वहीं प्रदेश में लॉजिस्टिक्स संबंधी मूवमेंट को भी सुरक्षित निगरानी उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में सुधार हुआ है। इस क्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन अनुसार विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी और इसे क्रियान्वित करते हुए अब बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) से लैस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने इस प्रक्रिया को क्रियान्वित करते हुए रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन (आरएफक्यू) व रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम से आवेदन मांगे हैं।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को आईटीएमएस इनेबल्ड बनाने के लिए जो कार्य योजना तैयार की गई है उसके अनुसार बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर ट्रैफिक मैनेजमेंट कमांड सेंटर की स्थापना होगी। इसके जरिए ट्रैफिक मॉनिटरिंग व मैनेजमेंट प्रक्रिया को बल मिलेगा। ट्रैफिक मैनेजमेंट कंट्रोल (टीएमसी) यूनिट को 360 टेराबाइट रिकॉर्डिंग सर्वर स्टोरेज से युक्त किया जाएगा। बैकअप रिकॉर्डिंग के लिए भी 240 टेराबाइट की रिकॉर्डिंग स्टोरेज सर्वर युक्त होगा।

टीएमसी यूनिट को फैसिलिटी मॉनिटरिंग सिस्टम कंट्रोलर, ग्राफिक डिस्प्ले, इंटरनेट व एसएमएस सर्वर, फाइबर चैनल होस्ट व यूएसबी जॉयस्टिक कंट्रोल्ड पीटीजेड कैमरों से युक्त किया जाएगा। इमरजेंसी टेलिफोन हेल्पलाइन कंसोल, स्टाफ के लिए आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट स्कैनर मशीन, सर्ज प्रोटेक्शन डिवाइस, लाइटनिंग प्रोटेक्शन यूनिट, एडवांस्ड ड्राइवर एडवायजरी सिस्टम, जीपीएस ट्रैकर समेत 890 कैमरों के संचालन के लिए वीएएमस लाइसेंस से युक्त किया जाएगा।

मौजूदा प्रक्रिया में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को एटीएमएस इनेबल्ड बनाने के लिए अलग-अलग 50 लोकेशन पर 150 वीआईडीएस इनेबल्ड कैमरे इंस्टॉल किए जाएंगे। यह कैमरे विशिष्ट होंगे और सोलर एनर्जी पावर्ड होने के साथ ही सिंगल चार्ज में 96 घंटे तक की ऑपरेशनल टाइमिंग होगी। योजना के अंतर्गत सीसीटीवी कंट्रोलर युक्त पीटीजेड कैमरों को बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर इंस्टॉल किया जाएगा।

मोशन डिटेक्शन सर्विलांस कैमरे व व्हीकल स्पीड डिटेक्शन सिस्टम को बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ इंस्टॉल किया जाएगा। इससे, ओवरस्पीडिंग करने वाली गाड़ियों के विषय में अलर्ट जारी हो सकेगा और कंट्रोल रूम द्वारा इसे तुरंत ट्रैक किया जा सकेगा। इस क्रम में, 90 मीटर रेंज के स्पीड डिटेक्शन रडार भी प्रभावी सिद्ध होंगे जिनकी इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया भी साथ ही में पूर्ण की जाएगी तथा डिजिटल ट्रांसमिशन सिस्टम को भी क्रियान्वित किया जाएगा।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को एटीएमएस युक्त बनाने के लिए यूपीडा ने रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन (आरएफक्यू) व रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम से आवेदन मांगे हैं। इस प्रक्रिया के जरिए नियुक्त होने वाली एजेंसी द्वारा ही इन सभी कार्यों को यूपीडा के अधिकारियों की देखरेख में पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यूपीडा द्वारा 5 वर्षों की कार्यावधि के लिए कार्य आवंटित होगा और चयनित एजेंसी को इन सभी इक्विपमेंट्स की प्रोक्योरमेंट, इंस्टॉलेशन, ऑपरेशन व मेन्टीनेन्स से संबंधित कार्यों को पूर्ण करना होगा। इसके अतिरिक्त यूपीडा स्टाफ को इसके संचालन के लिए ट्रेनिंग भी उपलब्ध करायी जाएगी। इस क्रम में, टेक्निकल स्टाफ व कंट्रोल रूम ऑपरेशन स्टाफ की नियुक्ति का कार्य भी एजेंसी द्वारा पूर्ण किया जाएगा।

पेरिस 2024: ओलंपिक में ड्रेसाज स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे अग्रवाल

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।

भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने आगामी पेरिस ओलंपिक में ड्रेसाज स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए अनुष अग्रवाल का चयन किया है।

ईएफआई ने उनके हालिया प्रदर्शन के गहन मूल्यांकन के आधार पर श्रुति वोरा के ऊपर उनका चयन किया, जहां अनुष ने बेहतर औसत का प्रदर्शन किया।

यह ओलंपिक में ड्रेसेज इवेंट में भारत की पहली प्रविष्टि होगी क्योंकि पिछले संस्करणों में ज्यादातर राइडर्स केवल इवेंटिंग श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करते थे।

अग्रवाल पिछले साल क्वालिफिकेशन अवधि शुरू होने के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने चार बार न्यूनतम पात्रता हासिल की है, जबकि अनुभवी श्रुति वोरा ने इस महीने आवश्यक दो एमईआर अर्जित किए हैं।

मूल्यांकन में जब दावेदारों का औसत निकाला गया तो अनुष विजेता बने। उनका औसत स्कोर 67.695 प्रतिशत था, जो श्रुति के 67.163 प्रतिशत से बेहतर था।

फेडरेशन द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, पेरिस खेलों की योग्यता के लिए पात्र होने के लिए सवार-घोड़े के संयोजन को 1 जनवरी, 2023 से 24 जून, 2024 के बीच दो बार न्यूनतम 67 प्रतिशत प्राप्त करना आवश्यक है। ईएफआई चयन मानदंडों के अनुसार, यदि एक से अधिक एथलीट पात्र हैं तो पिछले एक वर्ष में सर्वश्रेष्ठ चार स्पर्धाओं में से ग्रैंड प्रिक्स में उच्चतम औसत वाले एथलीट को भाग लेने के लिए चुना जाएगा। केवल एफईआई स्तर की प्रतियोगिताओं और उससे अधिक के स्कोर गिने जाते हैं। ये स्कोर 2023 से 2024 तक एमईआर इवेंट्स की सूची में शो में हासिल करने होंगे। श्रुति (घोड़े मैग्नेनिमस के साथ) ने चेक गणराज्य में ब्रनो ग्रैंड प्रिक्स में दूसरे स्थान पर रहते हुए वर्ष का अपना दूसरा एमईआर अर्जित किया था, जहां उन्होंने ड्रेसाज स्पर्धा में 68.174 अंक प्राप्त किए थे, जिससे वह ओलंपिक योग्यता के लिए पात्र बन गईं।

श्रुति ने इस महीने की शुरुआत में अपना पहला एमईआर अर्जित किया था, जब वह स्लोवेनिया के लिपिका में आयोजित थ्री-स्टार ग्रैंड प्रिक्स इवेंट ड्रेसेज वर्ल्ड कप में 67.761 अंकों के साथ जीतने वाली पहली भारतीय राइडर बनी थीं। उनके अन्य दो जीपी प्रदर्शनों में 66.543 और 66.174 अंक थे, जो एमईआर स्तर से नीचे थे।

अनुष अग्रवाल ने चार बार - 67.936 (विस्बेडेन, मई 2024), 68.261 (मेचेलन में दिसंबर 2023), 67.152 (फ्रैंकफर्ट में दिसंबर 2023) और 67.804 (व्रोकला में अक्टूबर 2023) एमईआर हासिल किया।

यह निर्णय कार्यकारी परिषद द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया और अध्यक्ष ने इस निर्णय पर अपनी मुहर लगाई।

फवाद मिर्जा ने 2020 टोक्यो खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उनसे पहले इम्तियाज अनीस ने 2000 सिडनी खेलों में भाग लिया था जबकि इंद्रजीत लांबा ने 1996 अटलांटा खेलों में भाग लिया था। जितेंद्रजीत सिंह अहलूवालिया, हुसैन सिंह, मोहम्मद खान और दरिया सिंह सभी ने 1980 मास्को खेलों में भाग लिया था।

न्यूज ब्रीफ

ईस्ट बंगाल क्लब ने जॉर्डन के डिफेंडर हिजाजी माहेर के साथ अनुबंध दो साल और बढ़ाया

कोलकाता। जॉर्डन के डिफेंडर हिजाजी माहेर ने ईस्ट बंगाल फ्रेंड्स क्लब के साथ दो साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। इंडियन सुपर लीग क्लब ने मंगलवार को इसकी घोषणा की है। 26 वर्षीय माहेर को 2023 में क्लब ने अपने साथ जोड़ा था और तब से वह टीम के डिफेंसिव सेटअप में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस साल की शुरुआत में क्लब ने इंडियन सुपर कप जीतने के बाद उन्हें सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुना था। उन्होंने टूर्नामेंट में दो गोल भी किए। कोलकाता स्थित टीम में शामिल होने के बाद से माहेर ने 22 मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें दूसरे सबसे ज्यादा क्लीयरेंस (99), दूसरे सबसे ज्यादा हेड क्लीयरेंस (58) और दूसरे सबसे ज्यादा ब्लॉक (22) शामिल हैं। पिछले सीजन में मुंबई सिटी एफसी के खिलाफ़ आईएसएल मैच के दौरान 14 क्लीयरेंस दर्ज करने के उनके प्रयास ने सभी का ध्यान खींचा। जॉर्डन के इस खिलाड़ी ने क्लब के एक बयान में कहा कि ईस्ट बंगाल मेरे दिल में एक ख़ास जगह रखता है। मैंने इस बेहतरीन क्लब के साथ कई ख़ास पल बिताए हैं और मैं महसूस कर सकता हूं कि प्रशंसक मुझसे कितना प्यार करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे मुझे हर खेल के लिए बहुत ऊर्जा देते हैं और मैं हमेशा बदले में उन्हें खुश करने की कोशिश करता हूं। कलिंगा सुपर कप जॉर्डन के बाहर मेरी पहली ट्रॉफी थी। हम अगले सीजन में और भी बड़ी ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं। मैं कोच कार्ल्स और इमामी ईस्ट बंगाल प्रबंधन को मेरी क्षमताओं पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं कोलकाता लौटने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं। माहेर की सेवाओं को बनाए रखने पर टिप्पणी करते हुए मुख्य कोच कार्ल्स कुआड्राट ने कहा कि हिजाज़ी हमारे रक्षात्मक प्रणाली में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने क्लीयरेंस, एरियल ड्यूल्स और इंटरसेप्शन में अविश्वसनीय संख्या हासिल की है।

पेरिस 2024: जूडोका तूलिका मान ने भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ (आईजेएफ) द्वारा मंगलवार को प्रकाशित नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, तूलिका मान ने जूडो में भारत के लिए पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। बर्मिंघम में 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली 25 वर्षीय भारतीय जूडोका ने महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग में महाद्वीपीय कोटा हासिल किया। 22 जून 2022 से 23 जून 2024 तक की योग्यता अवधि के दौरान 1345 रैंकिंग अंक हासिल करने वाली तूलिका मान भारत के लिए महाद्वीपीय कोटा हासिल करने के लिए स्टैंडिंग में 36वें स्थान पर रहीं। पेरिस 2024 ओलंपिक में 14 जूडो भार श्रेणियों में से प्रत्येक के लिए, आईजेएफ की ओलंपिक रैंकिंग के अनुसार 17 सर्वोच्च रैंक वाले एथलीटों (प्रत्येक देश के लिए एक) ने कोटा प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, सभी भार श्रेणियों में अधिकतम 100 महाद्वीपीय कोटा उपलब्ध थे, जिसमें प्रत्येक देश सभी भार वर्गों और लिंगों में केवल एक महाद्वीपीय कोटा सुरक्षित करने के लिए पात्र था। राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) के पास ओलंपिक खेलों में अपने-अपने देशों के प्रतिनिधित्व के लिए विशेष अधिकार है और पेरिस खेलों में एथलीटों की भागीदारी उनके एनओसी द्वारा पेरिस 2024 में अपने प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्हें चुनने पर निर्भर करती है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रोहित शर्मा

ग्रोस आइलेट। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अग्रणी रन-स्कोरर बन गए हैं, साथ ही उन्होंने इस प्रारूप में बतौर कप्तान सर्वाधिक जीत दर्ज करने के अपने समकक्ष पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रोहित ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर 8 मुकाबले के दौरान हासिल की। रोहित ने मैच में 41 गेंदों पर 7 चौके और 8 छक्के की बदौलत 92 रनों की तूफानी पारी खेली। 157 मैचों में, अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने 32.03 की औसत और 140.75 की स्ट्राइक रेट से 4,165 रन बनाए हैं। बाबर 123 मैचों में 41.03 की औसत से 4,145 रन बनाकर दूसरे स्थान पर खिसक गए। जबकि कोहली 123 मैचों में 48.84 की औसत से 4,103 रन बनाकर तीसरे स्थान पर खिसक गए। इसके अलावा इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रनों से हराने के बाद रोहित ने बतौर कप्तान अपनी 48वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत हासिल की। बाबर ने भी 85 मैचों में टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में पाकिस्तान के कप्तान के रूप में 48 जीत दर्ज की है। मैच की बात करें तो इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। विराट कोहली (00) के जल्दी आउट होने के बाद रोहित शर्मा (41 गेंद, 92 रन, 7 चौके, 8 छक्के) ने तूफानी पारी खेली, उन्हें सूर्य कुमार यादव (16 गेंद 31 रन, 3 चौके, 2 छक्के), शिवम दुबे (22 गेंद, 28 रन, 2 चौके 1 छक्का) और हार्दिक पांड्या (17 गेंद 27 रन 1 चौका, 2 छक्का) का अच्छा साथ मिला और भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रनों का बड़ा स्कोर बनाया।

आईजीएफ द्वारा जारी अंतिम सूची के अनुसार, भारतीय गोल्फ स्टार प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक, दीक्षा डागर ने पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) द्वारा जारी योग्य महिलाओं की अंतिम सूची के अनुसार, भारतीय गोल्फ स्टार अदिति अशोक और दीक्षा डागर पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।

पिछले हफ़्ते केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप के बाद अंतिम रूप से तैयार की गई आईजीएफ की ओलंपिक योग्यता सूची में 60 महिलाएँ शामिल हैं। ओडब्ल्यूजीआर में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए पात्र हैं, जिसमें एक देश से अधिकतम चार गोल्फर शामिल हो सकते हैं।

अदिति दुनिया की 60वें नंबर की खिलाड़ी हैं और दीक्षा दुनिया की 167वें नंबर की खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्होंने क्रमशः 24वें और 40वें नंबर की ओलंपिक रैंक के साथ कट बनाया है।

दोनों महिलाएँ शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर (पुरुष वर्ग) के साथ मिलकर चार सदस्यीय भारतीय टीम बनाती हैं ।पेरिस खेलों के लिए पुरुषों (1-4 अगस्त) और महिलाओं (7-10 अगस्त) की गोल्फ स्पर्धाएँ सेंट-क्वेंटिन-एन-यवेलिन्स में ले गोल्फ नेशनल में आयोजित की जाएँगी।

अदिति के लिए यह ओलंपिक में तीसरी उपस्थिति होगी, जो किसी भारतीय के लिए सबसे अधिक है, दीक्षा दूसरी बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। शर्मा और भुल्लर पहली बार ग्रीष्मकालीन खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में, अदिति चौथे

सथान पर रही थीं, जो ग्रीषमकालीन खेलों में किसी भारतीय गोलफर द्वारा हासिल किया गया सवरश्रेषठ परिणाम था। दीकषा 50वें सथान पर रहीं थीं।

श्रीमंत झा ने पैरा आर्म रेसलिंग में विदेशों में लहराया परचम

रायपुर। दोनों हाथों में केवल 4 उंगलियाँ होने के बावजूद भिलाई के श्रीमंत ने इस कमी को अपने लक्ष्य की राह का रोड़ा नहीं बनने दिया। राष्ट्रीय एव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पैरा आर्म रेसलिंग में नई ऊंचाईयां प्राप्त की। पैरा आर्म रेसलिंग में छत्तीसगढ़ की ओर से भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी श्रीमंत झा ने आज मंगलवार को खेल मंत्री टंक राम वर्मा से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान खेल मंत्री ने देश-विदेश में उनके द्वारा पैरा आर्म रेसलिंग में शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने उन्हें इस खेल में और निखार लाने के लिए विदेशों में प्रशिक्षण की व्यवस्था करने में आवश्यक सहयोग दिलाने के लिए आश्वस्त किया। वर्तमान में श्रीमंत एक प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने आर्म-रेसलिंग में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक हासिल किये हैं। पांच विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले श्रीमंत झा का अगला लक्ष्य पैरा ओलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश के लिए पदक जीतना है।

बंगाल प्रो टी 20 लीग

महिला सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स टीम ने जीत के साथ ली लीग से विदाई

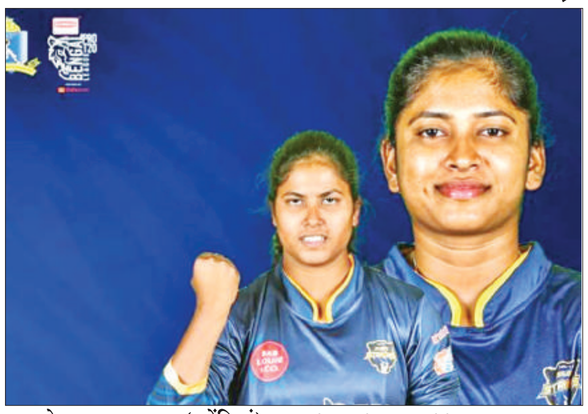

कोलकाता, 25 जून (एजेंसियां)।

सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स महिला टीम ने साल्ट लेक के जादवपुर विश्वविद्यालय मैदान में खेले गए अपने आखिरी मैच में स्मैशर्स मालदा पर शानदार जीत के साथ अपने बंगाल प्रो टी20 लीग अभियान का समापन किया।

प्रियंका बाला की अगवाई में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने स्मैशर्स मालदा के खिलाफ 2 रन से इस मैच को अपने नाम किया। हालांकि अपने पिछले कई मुकाबलों में सिलीगुड़ी जीत का स्वाद चखते चखते रह गई।

टीम के प्रदर्शन पर सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के मालिक ऋषभ भाटिया ने कहा, "हार और जीत सिक्के के दो पहलू हैं, किसी एक को जीतना होता है, लेकिन हमारी महिला टीम ने जिस दृढ़ संकल्प और जोश के साथ सभी मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की उस पर मुझे बहुत गर्व है। टीम ने कई करीबी मुकाबले खेले और अपने अंतिम मुकाबले में रोमांचक जीत भी हासिल की यह उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और मैं उम्मीद करता हूं कि अगली बार हम एक नई ऊर्जा के साथ ट्रॉफी को अपने नाम करेंगे।'

आखिरी मैच में प्रीति मंडल, समयिता अधिकारी और प्रियंका बाला के महत्वपूर्ण योगदान की बदौलत सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 128 का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्मैशर्स मालदा ने काफी करीबी मुकाबला खेला, लेकिन पियाली घोष के 48 रन के बावजूद भी उन्हें 2 रन से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की पुरुष टीम ने भी लीग में जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया। जिसमें कप्तान ऋत्विक रॉय चौधरी, तेज गेंदबाज आकाश दीप और बल्लेबाज तरुण गोदारा जैसे खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अरिवा स्पोर्ट्स की देखरेख में हो रही बंगाल प्रो टी20 लीग की नींव आईपीएल की तर्ज पर रखी गई है। जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, अलीपुरद्वार और कलिम्पोंग का प्रतिनिधित्व कर रही थी।

लिटन खड़े देखते रहे, अफगानिस्तान ने आठ रन से मार लिया मैदान

किंग्सटाउन, 25 जून (एजेंसियां)।

टी-20 विश्वकप के सुपर आठ ग्रुप एक में बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास नाबाद (54) खड़े देखते रहे और राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान टीम के गेंदबाजों ने इतिहास रचते हुए आठ रन से वर्षा बाधित मुकाबले को जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान और नवीन उल हक ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए चार-चार विकेट चटकाते हुए बंगलादेश को 17.5 ओवर में 105 रन पर ढ़ेरकर मुकाबला जीतकर ऑस्ट्रेलिया को भी विश्वकप से बाहर कर दिया है। बंगलादेश के लिटन कुमार दास एक छोर थामे खड़े रहे लेकिन किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया। उन्होंने 49 गेंदों में पांच चौके और एक

छक्के की मदद से नबाद (54) रनों की पारी खेली। मैच के बीच में बारिश होने के कारण डकवर्थ लुईस नियम के तहत बंगलादेश का एक ओर घटाकर 19 ओवर में संशोधित लक्ष्य दिया गया था।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। रहमतउल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 59 रन जोड़। 11वें ओवर में रिशाद हुसैन ने इब्राहिम जदरान (18) को आउट कर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अजमतउल्लाह उमरजई भी (10) बनाकर पवेलियन लौट गये। गुलबदीन नईब (4) और मोहम्मद नबी एक रन बनाकर आउट हुये। रहमतउल्लाह गुरबाज ने सर्वाधिक (43) रन बनाये। कप्तान राशिद खान 10 गेंदों में (19) और रहमत करीम (7)रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 115 रनों का स्कोर खड़ा किया। बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने तीन विकेट लिये। तस्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

116 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 23 रन पर अपने तीन विकेट गवां दिये।

तंजिद हसन (शून्य), कप्तान नजमुल शांतो (5) और शाकिब अल हसन (शून्य) पर आउट हुये। सौम्य सरकार (10), मौ. तोहीद हृदोय (14), महमुदउल्लाह (6) और रिशाद हुसैन (0) को राशिद खान ने अपना शिकार बनाया। लिटन कुमार दास ने सर्वाधिक नाबाद (54) रन बनाये। बंगलादेश के नौ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

नवीन उल हक ने पहले तस्किन अहमद बोल्ड और फिर मुस्तफिजुर रहमान को पगबाधा आउटकर बंगलादेश की पारी को 17.4 ओवर में 105 रन पर समेट दिया। अफगानिस्तान की ओर से राशिद खान और नवीन उल हक ने चार-चार बल्लेबाजों को आउट किया। फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब को एक- एक विकेट मिला।

सेमीफाइनल में पहुंचना सपने जैसे : राशिद

किंग्सटाउन, 25 जून (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने कहा कि एक टीम के तौर पर हमारे लिये टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचना किसी सपने जैसा है।

बंगलादेश को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद संवाददाता सम्मेलन में राशिद ने कहा, एक टीम के तौर पर हमारे लिए सेमीफाइनल में पहुंचना किसी सपने जैसा है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि हमने टूर्नामेंट की शुरुआत किस तरह से की थी।

जब हमने न्यूजीलैंड को हराया तो हमें भरोसा हुआ। इसलिए यह अविश्वसनीय है। मेरे पास अपनी भावनाओं को बयां करने के लिए कोई शब्द नहीं हैं। निश्चित रूप से घर पर हर कोई इसके लिए बहुत खुश है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सेमीफाइनल में

हमें पहुंचाने वाले एकमात्र व्यक्ति ब्रायन लारा थे। स्वागत समारोह में मैंने उनसे कहा कि हम आपको निराश नहीं करेंगे। हम साबित करेंगे कि आप सही हैं। उन्होंने कहा, हमारे दिमाग में, हमें लगा कि इस विकेट पर 130-135 का स्कोर अच्छा था, लेकिन हम 15-20 रन पीछे रह गए। लेकिन हमने पहले जो कुछ मैच देखे थे, उनमें 115 का स्कोर इस विकेट पर सबसे अच्छा स्कोर था। इसलिए यह सब मानसिकता पर निर्भर करता था। हम जानते थे कि वे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 12 ओवर में लक्ष्य का पीछा करने के लिए हम पर कड़ी मेहनत करेंगे और यही वह चीज थी जिसका हम फायदा उठा सकते थे।

उन्होंने कहा, अगर हम स्टंप्स में गेंदबाजी करते, तो हमारे पास उन्हें आउट करने का मौका होता। हमें कुछ अतिरिक्त करने की जरूरत नहीं थी। हम अपनी योजना को लेकर बहुत स्पष्ट थे। शतप्रतिशत प्रयास करना हमेशा आपके हाथ में होता है।

बारिश, बूंदाबांदी आपके हाथ में नहीं है। और हमें अपने देश के लोगों की खुशी के लिए, देश को गौरवान्वित करने के लिए खुद को आगे बढ़ाना था।

हमने इसी पर चर्चा की और सभी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये ऐसे खेल हैं जहां आप कभी नहीं जानते कि क्या हो सकता है।

एक बाउंड्री खाने के बाद ऐसा लगा कि खेल खत्म हो गया है। अचानक आपने एक विकेट लिया और आप खेल में वापस आ गए। इसलिए गलती की गुंजाइश बहुत कम है। लेकिन हाँ, हमें भरोसा था कि ये विकेट हाई-स्कोरिंग विकेट नहीं हैं।

जब तक हमने आसान रन नहीं दिए या आसान गेंदें नहीं फेंकी और विकेट लिए हम खेल में थे। सौभाग्य से, ऐसा हुआ।

संपादकीय

क्या एनटीए 'महाघोटाला' है?

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और नीट के तहत परीक्षाओं की जो पवित्रता भंग की गई है, लाखों युवाओं के करियर और भविष्य अधर में लटके हैं, ये मुद्दे यहीं तक सीमित नहीं हैं। एनटीए एक भ्रष्टाचारी और कदाचारी नेटवर्क की सांठगांठ का 'महाघोटाला' है। पृष्ठभूमि में परीक्षा-माफिया सक्रिय है। सिर्फ पेपरलीक और सॉल्वर गैंग की ही साजिशें नहीं हैं, बल्कि 'बड़ी मछलियां' भी हैं, जिनके बच्चों के लिए नीट परीक्षा से कुछ दिन पहले भी एनटीए की ऑनलाइन खिडक़ी खोली गई थी, ताकि वे परीक्षा के लिए अपने पंजीकरण करा सकें। उस दौर में 24,000 से अधिक पंजीकरण कराए गए। इसकी भी जांच होनी चाहिए कि फरवरी और मार्च में एनटीए की खिडक़ी खोली गई थी, तब इन लोगों ने पंजीकरण क्यों नहीं कराया? नीट की डॉक्टरी प्रवेश परीक्षा की धांधलियां सामने आ रही हैं। सवाल है कि जो माता-पिता अपने बच्चे की परीक्षा पास कराने के लिए 40 लाख रुपए प्रश्न-पत्र के लिए खर्च कर सकते हैं, क्या वे देश में 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' पैदा करना चाहते हैं? यह घोर दंडनीय अपराध है। नीट प्रकरण के अलावा, यूजीसी नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य घोर अनिश्चित हो गए हैं। यह कोई सामान्य बात नहीं है। आखिर वे युवा कब तक परीक्षाएं देते रहेंगे? उम्र भी फिसल रही है, लिहाजा नौकरी की भी अनिवार्यता है। इन बर्बादियों का सवाल और आरोप एनटीए पर ही क्यों है? यह केंद्र सरकार को भी सोचना चाहिए और एनटीए को खंगालना चाहिए। एनटीए की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आउटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांगें की जा रही हैं। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा है। परीक्षा-प्रणाली और उसके ईमानदार, पेशेवर तंत्र को आईएएस लॉबी के हवाले करना कोई सार्थक समाधान नहीं है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है। बेशक उसमें महाविशेषज्ञ किस्म के महाबौद्धिक चेहरे शामिल हैं, लेकिन वे एनटीए की तकनीक, परीक्षा-प्रविधि और अंतर्विरोधों के समाधान नहीं दे सकते। यह उनकी विशेषज्ञता से बिल्कुल अलग क्षेत्र है। समिति को दो माह का समय दिया गया है। सर्वोच्च अदालत में भी एनटीए, नीट परीक्षा के मामले विचाराधीन हैं, जिनकी सुनवाई 8 जुलाई को है। सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज कर पेपरलीक और उनके पीछे के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। सीबीआई जांच का निष्कर्ष क्या होगा और कब आएगा, वह भी अनिश्चित है। केंद्र सरकार ने एक कानून भी लागू किया है। बेहद गंभीर सवाल है कि अनिश्चितताओं के इस दौर में युवा छात्रों का क्या होगा? नीट के अभ्यर्थी भी विभाजित हैं। क्या सफल युवाओं को उनके मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाएंगे या नीट परीक्षा का परिणाम ही रद्द कर दिया जाएगा और परीक्षा दोबारा होगी? यदि समिति और अदालत के अलग-अलग निर्णय सामने आते हैं, तो फिर युवा अभ्यर्थी क्या करेंगे? जो परीक्षा में सफल रहे हैं, क्या वे डॉक्टरी की पढ़ाई शुरू नहीं कर सकेंगे, यह बहुत अहम सवाल है। एनटीए के अस्तित्व और आंतरिक सुधारों के अलावा, कई और सवाल पैदा हो गए हैं। निश्चित तौर पर यह मोदी सरकार के लिए गंभीर चुनौती है। यह राजनीतिक विवाद भी बन गया है और प्रतिपक्षी नेता शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। बहरहाल विशेष समिति का काम नौकरशाही किस्म का नहीं होना चाहिए, क्योंकि उससे व्यवस्था को छिद्रों से मुक्त नहीं किया जा सकेगा।

नीट प्रकरण के अलावा, यूजीसी नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य घोर अनिश्चित हो गए हैं। यह कोई सामान्य बात नहीं है। आखिर वे युवा कब तक परीक्षाएं देते रहेंगे? उम्र भी फिसल रही है, लिहाजा नौकरी की भी अनिवार्यता है। इन बर्बादियों का सवाल और आरोप एनटीए पर ही क्यों है? यह केंद्र सरकार को भी सोचना चाहिए और एनटीए को खंगालना चाहिए। एनटीए की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आउटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांगें की जा रही हैं। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा है। परीक्षा-प्रणाली और उसके ईमानदार, पेशेवर तंत्र को आईएएस लॉबी के हवाले करना कोई सार्थक समाधान नहीं है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है।

अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी

कांग्रेस की हालत सुधरी, लेकिन इतिहास रचने से रह गई

उमेश चतुर्वेदी

स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है? 1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी।

सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों की तुलना में देखें तो अठारहवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत बड़ी कही जा सकती है। इस पर कांग्रेस नेताओं का इतराना स्वाभाविक भी है। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है? 1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी। ह्यूम ने यह भी शायद ही सोचा होगा कि अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी। पहले तिलक और बाद में गांधी का स्पर्श पाकर कांग्रेस ने जैसे अपना चोला बदल लिया। इसका फल उसे आजादी के बाद मिला और तीस सालों तक लगातार वह शासन में रही। उसे पहली बार 1977 में झटका लगा। लेकिन वह जल्द ही वापसी करने में कामयाब रही। ऐसे ही अल्पकालिक झटके उसे, 1989 और 1996 में भी लगे। 1998 में लगे झटके के ठीक अगले साल वह वापसी करती दिखी, लेकिन उसी साल हुए चुनावों के बाद पांच साल के लिए बाहर हो गई। कांग्रेस के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब उसे लगातार पांच साल के लिए सत्ता से बाहर रहना पड़ा। 2004 में अल्पमत से ही सही उसने वापसी की और दस साल तक गठबंधन का सरकार चलाया। लेकिन 2014 के चुनावों में उसकी ऐतिहासिक हार हुई और वह महज 44 सीटों पर सिमट गई। देश पर सबसे ज्यादा वक्त शासन करने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष तक का पद नहीं मिला और यही स्थिति 2019 में भी रही, बेशक आठ सीटें बढ़ गईं। दिलचस्प यह है कि गांधी-नेहरू परिवार के चश्म-ए-चिराग के हाथों में पूरी कमान थी। इससे पार्टी में निराशा फैलना स्वाभाविक था, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से चरम अभिव्यक्ति मिली। पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें

कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है। कांग्रेस से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलेगा कि बुरे से बुरे दिनों में भी पार्टी सौ से ज्यादा संसदीय सीटें कब्जाती रही। 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनाव ऐसे रहे, जिनमें कांग्रेस दो सौ का आंकड़ा नहीं छू पाई, लेकिन सौ से नीचे भी नहीं गई। 1996 में 140 और 1998 में 141 सीटों पर ही सिमट गया था। पार्टी 1999 और 2004 के आम चुनावों में भी दो सौ की सीट संख्या को पार नहीं कर पाई। उसे क्रमशः 114 और 145 सीटें मिलीं। यह बात और है कि 2004 में बीजेपी उससे छह सीटें कम जीत सकी, इसलिए पार्टी को सरकार बनाने का मौका मिल गया। लेकिन अगले आम चुनाव में पार्टी ने ठीकठाक उछाल मारा और 206 सीटों पर पहुंच गई। तब से तीन चुनाव हो चुके हैं और वह सौ का आंकड़ा तक नहीं छू पाई है। चुनावी अभियान में जुबानी जंग होती रही है। लेकिन चुनाव बीतते ही उसे भुला दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की अकड़ देखिए। पार्टी अपने से करीब ढाई गुनी ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी को नैतिक रूप से हारी हुई पार्टी बता रही है। जयराम रमेश कह चुके हैं कि पार्टी नैतिक और राजनीतिक रूप से चुनाव हार चुकी है। पार्टी की जुबानी खराश चुनाव बाद भी दूर होती नजर नहीं आ रही। नई सरकारें बनने के बाद विपक्ष की ओर से भी औपचारिक शुभकामना संदेश देने का चलन रहा है। लेकिन कांग्रेस की ओर से शुभकामनाएं तक नहीं भेजी गई हैं। विपक्षी दलों की ओर से शपथ समारोह में शामिल होने की परंपरा रही है। लेकिन कांग्रेस का आला नेतृत्व इससे दूर रहा। इससे संदेश यह गया कि पार्टी नेतृत्व अकड़ में है। सोशल मीडिया के दौर ने सामाजिक परिदृश्य को दो हिस्सों में साफ बांट दिया है। तटस्थता की अवधारणा कमजोर हुई है। सोशल मीडिया मंच पर वही सफल है, जो या तो पक्ष में है या विपक्ष में। दोनों पक्ष अपने-अपने तरीके से अपने लिए तर्क और कुतर्क गढ़ते रहते हैं। उनके समर्थकों को इससे लेना-देना नहीं कि तर्क है या कुतर्क है। इसी तरह राजनीति भी साफ खांचे में बंट गई है। राजनीति भी कुतर्क को तर्क के मुलम्मे में लपेटकर अपने उन्मादी समर्थकों को और ज्यादा उन्मादी बना रही है। कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष के लिए कड़वापन इसी प्रवृत्ति का विस्तार लगता है। यह बात और है कि लोकतंत्र में उन्मादी वैचारिकता और सोच की कोई जगह नहीं होती। कांग्रेस के पूरे चुनाव अभियान में भाषायी स्तर नीचे उतरता ही दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल सूत्र और सांप्रदायिकता की बात की तो उसकी खूब आलोचना हुई। मीडिया के एक हिस्से और विपक्ष ने उस पर खूब सवाल उठाया। लेकिन उसी दौरान राहुल गांधी की भाषा मर्यादा के दायरे से लगातार बाहर जाती दिखी। लेकिन उस पर सवाल नहीं उठा। तब राहुल कहा करते थे कि लिख कर रख लो, मोदी इस बार गया। राहुल यह भी कहते थे कि बीजेपी 180 से आगे नहीं बढ़ेगी। बीजेपी का जो हुआ, वह सामने है। लेकिन राहुल के इस बयान से साफ लग रहा था कि वे बीजेपी को हराने की बजाय उसकी सीटें घटाने के लिए लड़ रहे हैं। तकरीबन समूचे विपक्ष का रवैया भी ऐसा ही रहा। विपक्ष की चुनावी रणनीति और अभियान देखकर ऐसा लगता रहा कि विपक्ष मोदी को हराने नहीं, उनकी ताकत घटाने की लड़ाई लड़ रहा है। सबकी कोशिश यही लग रही थी कि किसी भी तरह से बीजेपी को बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने से रोका जाए। कहना न होगा कि विपक्ष अपने इस उद्देश्य में सफल रहा। अगर कांग्रेस का चुनावी लक्ष्य यही था तो उसका खुश होना स्वाभाविक है। निश्चित रूप से वह बीजेपी की सीटें घटाने की लड़ाई में कामयाब रही है।

दृष्टि कोण

स्टार्टअप्स की घर वापसी

हाल ही में, ऐसी खबरें आई हैं कि कई भारतीय स्टार्टअप्स, जो पहले विदेशों में फ्लिप कर गए थे, अब भारत लौट रहे हैं, जिसे हम रिवर्स फ्लिपिंग कहते हैं। किसी भारतीय कंपनी के फ्लिपिंग का मतलब है एक ऐसा लेन-देन जिसमें प्रमोटर किसी विदेशी क्षेत्राधिकार में अपनी कंपनी को पंजीकृत करता है, जिसे फिर भारत में स्टार्टअप कंपनी की होल्डिंग कंपनी बना दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय स्टार्टअप का अंतिम स्वामित्व विदेशी क्षेत्राधिकार में चला जाता है। इसलिए रिवर्स फ्लिपिंग का मतलब है कि स्टार्टअप्स जिन्होंने अपनी मालिकाना कंपनियों को विदेशी क्षेत्राधिकार में शामिल किया था, वे स्वामित्व को वापस भारत ला रहे हैं। हम इसे घर वापसी कह सकते हैं। यह वाकई एक अच्छी खबर है। जिन महत्वपूर्ण स्टार्टअप्स ने वापस फ्लिप किया है, उनमें फोनपे और ग्रो शामिल हैं। इनके अलावा, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट ने भी अपनी मूल इकाई को सिंगापुर से फिर से भारत में लाने के लिए बातचीत शुरू की है। जेप्टो और रेजर पे भी वापस फ्लिप करने की कोशिश कर रहे हैं। पाइन लैब्स को भी सिंगापुर स्थित इकाई के विलय के लिए सिंगापुर कोर्ट से मंजूरी मिल चुकी है। फ्लिप करने वालों के पसंदीदा गंतव्य सिंगापुर, मॉरीशस, केमैन आइलैंड और यूनाइटेड किंगडम थे। जबकि भारतीय स्टार्टअप फ्लिपिंग के माध्यम से भारत के विनियामक दायरे से बाहर हो गए थे, उन्होंने अब एक व्यावसायिक रणनीति के रूप में रिवर्स फ्लिपिंग के माध्यम से भारतीय विनियामक ढांचे के तहत आना चुना है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव है, जिसके कारणों और प्रभावों को समझने की

आवश्यकता है। गौरतलब है कि फ्लिप करने वाले स्टार्टअप वो हैं जिनके प्रमोटर भारत से हैं और उन्होंने भारतीय संसाधनों और सरकारी सहायता से अपना कारोबार खड़ा किया। भारतीय स्टार्टअप क्यों फ्लिप कर गए : फ्लिप करने का पहला कारण यह है कि वे भारतीय नियामक प्रणाली, भारतीय कर कानूनों और भारतीय अधिकारियों की जांच से बचना चाहते थे। दूसरा कारण यह है कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निवेशक उन कंपनियों को विदेश में फ्लिप करने के लिए मजबूर करते हैं जहां वे अपना पैसा लगाते हैं। ज्यादातर, वे इन स्टार्टअप में निवेश करने से पहले इसे एक पूर्व शर्त के रूप में रखते हैं और चाहते हैं कि इन स्टार्टअप का डेटा और बौद्धिक संपदा विदेश में हो। तीसरा, अमेरिका, सिंगापुर जैसे कई देशों ने स्टार्टअप और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई अनुकूल नीतियां बनाई हैं, जैसे कि कॉर्पोरेट टैक्स की कम दर, स्थिर जीएसटी, शून्य पूंजीगत लाभ कर दर, दोहरे कर से बचाव संधियां आदि। चौथा, ये स्टार्टअप अपने शेयरों को विदेश में सूचीबद्ध करना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अभिनव विचारों को बेहतर मूल्यांकन मिलता है। स्पेशल पर्पस एक्विजिशन कंपनी (एसपीएसी) एक ऐसा मॉडल है जिसने कई स्टार्टअप को अपनी होलेंडिग कंपनियों को अमेरिका में सूचीबद्ध करने के लिए आकर्षित किया है। अंतिम कारण है कि, कराधान के मामले में भारतीय घरेलू निवेशकों के लिए समान अवसर की कमी थी, जिसके कारण विदेशी निवेशकों ने भारतीय निवेशकों की तुलना में ज्यादा लाभ उठाया। फ्लिपिंग के क्या हैं नुकसान : भारत से कंपनियों के फ्लिपिंग का पहला और सबसे बड़ा नुकसान संपत्ति और आय पैदा करने वाली संपत्ति का है। जब कोई भारतीय कंपनी विदेशी क्षेत्राधिकार में शामिल किसी कंपनी की सहायक कंपनी बन जाती है, या दूसरे शब्दों में, एक विदेशी कंपनी बन जाती है, तो सरकार न केवल पूंजीगत लाभ कर राजस्व का अवसर खो देती है, बल्कि स्टॉक एक्सचेंजों पर कंपनी की लिसटिंग से संभावित पूंजी निर्माण से भी वंचित हो जाती है। दूसरा, देश की बौद्धिक संपदा विदेशी देशों को हस्तांतरित हो जाती है और डेटा पर अधिकार भी विदेशियों को मिल जाता है।

कुछ अलग

लीदतंत्र...

आजादी के अमृत काल में लोकतंत्र कब लीकतंत्र हुआ, पता ही नहीं चला। जब तक होश आई, तब तक लीकेज की वजह से यत्र तत्र सर्वत्र इतनी लीद फैल चुकी थी कि उसे लीदतंत्र कहना ही बेहतर लगा। पर इतनी सड़ान्ध के बावजूद हम सांस ले रहे हैं और केवल सांस ही नहीं ले रहे हैं, लीद करने वालों पर बलिहारी हुए जा रहे हैं। भारत के वर्तमान में हर बुरे के लिए जिम्मेदार नेहरू लोकतंत्र को स्थापित करने और उसके मूल्यों के संवर्धन और संरक्षण में व्यस्त रहे। लिहाजा उन्हें लीद करने का समय नहीं मिला। बाबा नागार्जुन की इंदु ने आपातकाल के अढाई साल में जो लीद फैलाई थी, वह उसके पहाड़ सरीखे कामों को माटी के छोटे टीले में बदल गई। उसके बाद की सरकारों ने काम भी किया, लीद भी फैलाई। लेकिन जो मजा आजकल लीद करने और फैलाने में आ रहा है, उसने तमाम पिछली सरकारों को बौना बना दिया है। यह देश में फैल रही नई लीद का ही परिणाम है कि जब लगभग हर हफ्ते कश्मीर में उग्रवादी हमले और पेपर लीक हो रहे हैं, तो विश्व गुरू रोड शो करने और हवाखोरी के मजे लेते हुए नीरो को शर्मिन्दा कर रहे हैं। गोधरा की लीद की सड़ान्ध आज भी देश में उसी तरह व्याप्त है, जैसे चमन में खिले गुलाबों की सुगन्ध अपने आप चारों दिशाओं में फैल जाती है। कथित लौह पुरुष गोधरा की लीद में ऐसे डूबे कि मार्गदर्शक मंडल में जाकर ही उबरे। मामा जी के मध्यप्रदेश का व्यापम घोटाला पूरे देश में फैल चुका है। परीक्षाओं के पेपर लीक होने और उससे निपटने के लिए अगर सरकार चाहे तो मेरे पास एक बहुमूल्य सुझाव है। चूंकि दैव कृपा से अब मामा जी दिल्ली दरबार की शोभा बढ़ा रहे हैं, सरकार उन्हें देश भर में लीक हो रहे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के घोटाले निपटाने का अतिरिक्त कार्यभार सौंप सकती है। सरकार चाहे तो नया मंत्रालय भी खोल सकती है। उन्हें मध्य प्रदेश के व्यापम घोटाले से निपटने का बेहतर अनुभव है। पेपर लीक मामलों में शामिल कडियों को जोडऩे की बजाय उन्हें तोडऩा ज्यादा सुरक्षित रहता है। व्यापम में लीक से जुड़े पैंतीस-चालीस आदमियों का राम नाम सत्य करने से अगर मध्य प्रदेश सरकार अपनी नाक बचा सकती है, तो मामा जी के अनुभव का फायदा उठाकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी केन्द्र सरकार की लम्बी सी नाक क्यों नहीं बचा सकती है। नीट पेपर लीक मामले में जो लीद एनटीए और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने की है, उसके लिए सत्ताधारी दल के लोग कांग्रेस को दोषी ठहरा रहे हैं। लेकिन सत्ताधारी दल की लीद यहां तक ही नहीं रुकी। उसके तीन वेदों को जानने वाले नकचढ़े प्रवक्ता विपक्ष में बैठी कांग्रेस से सवाल कर रहे हैं कि उसने अभी तक अपने मेनिफेस्टो में किए वायदों के मुताबिक लोगों को राहत देना क्यों शुरू नहीं किया है। शिक्षा के क्षेत्र में फैली लीद का पता नई केन्द्रीय महिला और बाल विकास राज्य मंत्री द्वारा दीवार पर लिखे गए, 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' कार्यक्रम का नारा लिखने से चलता है। हो सकता है कि इस राज्यमंत्री ने भी एंटायर टैन प्लस टू की परीक्षा पास की होगी। तभी बेटी अब बेढी और पढ़ाओ, पडाओ हो चुका है। लेकिन शिक्षा ही क्यों, यह हर क्षेत्र में फेरी गई लीद का परिणाम है कि संवैधानिक संस्थाओं में चारों तरफ लीद की सड़ान्ध घर कर गई है। न किसी को संविधान की फिक्र है और न परम्पराओं की। बिना किसी औपचारिकता को पूर्ण किए राष्ट्रपति प्रधानमंत्री को शपथ दिलवा सकती हैं। न्यायाधीश लीद करने वालों के कहने पर किसी को जमानत देने से इंकार कर सकते हैं। ईवीएम की लीद पर सवाल करने पर मुख्य चुनाव आयुक्त किसी ट्रक पर लिखी गई घटिया शायरी की तर्ज पर तुकबंदी कर सकते हैं। कुछ दिन पहले बने पुल या उनके रैम्प इस तरह दरक सकते हैं, मानो उनमें सीमेन्ट नहीं लीद डाली गई हो।

देश दुनिया से

लोकतंत्र को खत्म करने का कुत्सित प्रयास

गरीबी हटाओ के खोखले नारों से 1971 के लोकसभा चुनाव में विजयी रहने के बाद, देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण गुजरात में चिमनभाई पटेल की सरकार के विरुद्ध युवाओं द्वारा छेड़े गए ''नवनिर्माण आन्दोलन'' से सत्ताधारी दल व व्यवस्था की चूलें हिल गई थी, जिसके परिणामस्वरूप विधानसभा के चुनाव कांग्रेस हार गई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के लोकसभा चुनाव के समय की गई अनियमितताओं तथा चुनाव जीतने के लिए अपनाए गए भ्रष्ट तरीकों के कारण समाजवादी नेता श्री राजनारायण जी द्वारा दायर चुनाव याचिका को स्वीकार कर श्रीमती इंदिरा गांधी को छह वर्ष के लिए चुनाव लडऩे से अयोग्य करार दे दिया गया था।

जब सारा देश आपातकाल के नाम पर लोकतन्त्र की नृशंस हत्या कर गुलामी की जंजीरों में जकड़ा जा रहा था। गरीबी हटाओ के खोखले नारों से 1971 के लोकसभा चुनाव में विजयी रहने के बाद, देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण गुजरात में चिमनभाई पटेल की सरकार के विरुद्ध युवाओं द्वारा छेड़े गए ''नवनिर्माण आन्दोलन'' से सत्ताधारी दल व व्यवस्था की चूलें हिल गई थी, जिसके परिणामस्वरूप विधानसभा के चुनाव कांग्रेस हार गई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के लोकसभा चुनाव के समय की गई अनियमितताओं तथा चुनाव जीतने के लिए अपनाए गए भ्रष्ट तरीकों के कारण समाजवादी नेता श्री राजनारायण जी द्वारा दायर चुनाव याचिका को स्वीकार कर श्रीमती इंदिरा गांधी को छह वर्ष के लिए चुनाव लडऩे से अयोग्य करार दे दिया गया था। गुजरात के नवनिर्माण आन्दोलन की तर्ज पर बिहार में अब्दुल गफ्फार की सरकार के विरुद्ध छात्र युवा आंदोलन चल रहा था, जिसका नेतृत्व लोकनायक जयप्रकाश नारायण को सौंपा गया तथा आंदोलन सारे देश में समग्र क्रांति आन्दोलन के रूप में फैल गया। इन सभी घटनाओं के कारण श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में लोकतंत्र का गला घोंट कर जनता को मौलिक अधिकारों से वंचित कर दिया। राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं को मीसा में जेल के सींखचों के पीछे डाल दिया गया। कचहरियों को किसी सुनवाई का अधिकार नहीं था। ''न अपील, न वकील, न दलील'', इमरजेंसी का मूल मंत्र था। आजादी की लड़ाई के समय अंग्रेजों द्वारा रौलेट एक्ट जैसे कानून बनाए गए थे। उनसे ज्यादा अलोकतांत्रिक, फासीवादी कानून बना कर प्रेस का गला घोंटा गया। अखबार में छपने वाला एक-एक शब्द सरकारी अधिकारी की मंजूरी के बिना छप नहीं सकता था। कांग्रेस के बाबू जगजीवन राम तथा श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा जैसे नेताओं की जुबान भी बंद कर दी गई थी। कांग्रेस के युवा तुर्क नेताओं श्री चंद्रशेखर, श्री मोहनधारिया तथा श्री कृष्णकांत जैसे नेताओं, जनसंघ के श्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्री लालकृष्ण आडवाणी, स्वतंत्र पार्टी, समाजवादी पार्टी, लोकदल तथा सीपीआई (एम.) के नेताओं को भी बंदी बना लिया गया था। हजारों-लाखों लोकतंत्र चाहने वाले व 19 महीने जेल के सींखचों के पीछे रहे तथा लाखों कार्यकर्ताओं को पुलिस के अत्याचार का शिकार होना पड़ा। परिवार नियोजन के नाम पर जबरन नसबंदी की गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने का झूठा प्रचार करने वाले नेताओं की दादी तथा उनकी पार्टी कांग्रेस ने 42वां संविधान संशोधन पारित कर डा. अम्बेडकर द्वारा बनाए संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। न्यायपालिका तक का मुंह बंद करने का प्रयास किया, जिसके परिणामस्वरूप सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठतम न्यायधीशों ने पद त्याग दिया। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष देवकांत बरुआ द्वारा ''इंदिरा इज इण्डिया और इण्डिया इज इंदिरा'' जैसे नारे लगाए गए। लोकनायक जय प्रकाश नारायण सरीखे वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानियों पर अपनी कुर्सी को बचाने की चाह में अमानुषिक अत्याचार किए गए। आपातकाल कांग्रेस और नेहरु-गांधी परिवार की तानाशाही प्रवृत्ति का जीवन्त उदाहरण है। लोकतंत्र बहाली की लड़ाई में हजारों-लाखों लोग स्वर्गसिधार गए, अपंग हो गए तथा व्यावसायिक दृष्टि से समाप्त हो गए। आपातकाल के 21 महीने कांग्रेस तथा गांधी-नेहरु परिवार की तानाशाही प्रवृत्ति का जीता जागता उदाहरण है। संविधान बदलने की झूठी बात करने वाली पार्टी और परिवार ने संविधान की आत्मा कही जाने वाली 'प्रस्तावना' (प्रींबल) तक को नहीं छोड़ा। उसमें भी आपातकाल में किए गए 42वें संविधान संशोधन द्वारा नए शब्द जोड़े गए। जनता के मौलिक अधिकार समाप्त कर दिए गए थे। निर्धन आदिवासी तथा दलित समुदाय में युवाओं की जबरन नसबन्दी की गई। दिल्ली के तुर्कमैन क्षेत्र से लगभग सात लाख गरीब लोगों को बेघर कर दिया गया था। कांग्रेस की तानाशाही प्रवृत्ति का परिणाम है कि विरोधी दलों की राज्य सरकारों को अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत भंग कर दिया गया। लोकतंत्र भारतवासियों की नस-नस में व्याप्त है। अमानुषिक अत्याचारों के बावजूद 1977 में पहला अवसर मिलते ही श्रीमती इंदिरा गांधी और श्री संजय गांधी को रायबरेली तथा अमेठी सहित अटक से कटक तक कांग्रेस का सफाया कर दिया। लाखों लोकतंत्र प्रहरियों ने संघर्ष करके देश को पुनः बाबा साहेब अम्बेडकर जी के संविधान को बहाल करने में सफलता प्राप्त की और देश आज भी दुनिया का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र है तथा विश्वगुरु बनने और विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है। भारतीय इतिहास में इमरजेंसी एक काला अध्याय है। इसने लोकतंत्र को खत्म कर दिया था, लेकिन जागरूक जनता ने प्रजातंत्र को बहाल कराया और यह आज भी फल-फूल रहा है।

आप का नजरिया

उपचुनावों की जद में

किस कद्र सिरहन पैदा करते हैं उपचुनाव, हर सुर्खी का इंतखाब अब इंतकाम है। तीन निर्दलीयों के उपचुनाव का भय यह कि अगर तसल्ली न हुई तो फिर नए शेर अखाड़े में आएंगे। लोकतंत्र के न्यायाधीश अलग होते हैं, मतदान की किफायत में कहां दलील होती है। हिमाचल का मतदाता कहां चाहता था कि पहले छह और अब तीन उपचुनावों की लू में साथ निभाए, लेकिन बरसात की उम्मीद में लोकतंत्र का खेत तो बचाना है। कौन आएगा, कौन पिछड़ जाएगा, इससे कहीं दूर चुनावी मंतव्य की शेखियां फलक पर हैं और लगता है दो प्रमुख दलों के हाशियों के बीच मतदाता रगड़ खा रहा है। कोई छह सीपीएस मामले में एक और उपचुनाव की धमकी दे रहा है, तो कोई नौ विधायकों की लंबित याचिका पर उपचुनाव की घुडक़ी दे रहा है। हमने पहले ही इन्हीं कालमों में सचेत किया है कि हिमाचल अब राजनीतिक अस्थिरता के मुहाने पर खड़ा है। एक दो और गलत कदम हमें अस्थिर राजनीति की गिरफ्त में ऐसा फंसा देंगे कि फिर सिर्फ चुनाव, उपचुनाव या विधायकों के आसन बदलेंगे। इससे पहले स्थानीय निकायों तक ही यह खेल जारी था, लेकिन अब न चुनाव के मुद्दे और न ही मकसद बचा। यह विपक्ष और सत्ता के चरित्र की बात नहीं, बल्कि समाज की असमर्थता भी है। समाज अपने भीतर का जो पक्ष सियासी नेतृत्व को सौंप रहा है, उससे और क्या उम्मीद की जाए। ऐसे में चुनाव का प्रचार, प्रकार, प्रकरण, प्रपंच और परिस्थितियां भयभीत तो करेंगी ही और अगर जिस भाषा में अगले उपचुनावों की आशंका को उकेरा जा रहा है, उसे ध्यान में रखकर मतदान किया जाए, तो शायद ही कोई जीतेगा। यह मुकाबला भाषा का है, तो सियासत का अहंकार समाज में होने के अर्थ बदल रहा है। लोकतांत्रिक आस्था और जवाबदेही बदल रहा है। हर बार गोल पोस्ट बदल रहा है। क्या वाकई नौ विधायक अब खेत जाएंगे या संविधान की पोथी में इस व्यवहार की कोई परिणति नहीं। क्या छह मुख्य संसदीय सचिवों की कुर्सी और सीट जाएगी या वक्त पर चढ़ी संशय की आकाश बेल सूख जाएगी। क्या अब मतदाता यह गिनना शुरू करे कि अगले पंद्रह विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव की जद में आ जाएंगे। मतदाता लोकतांत्रिक राहत और विश्वास में अपना और राज्य का भविष्य देखता है। कसूर छह जमा तीन उपचुनावों में धकेले गए घटनाक्रम का भी कम नहीं। अब तो कहां से शुरू और कहां खत्म करें से भी आगे निकल कर भी अगर सियासी गुरूर आगामी 'उपचुनावों' के धनुष वाण लिए खड़ा है, तो हिमाचल के राजनीतिक पतन से कोई नहीं बचा सकता। आश्चर्य यह कि हर चुनाव और उपचुनाव की बागडोर ऐसे माहौल में तैयार होती है, जहां विद्वेष, नफरत और चारित्रिक गिरावट का कूड़ेदान फैसला करता है। आखिर कब हम 'युवा हिमाचल' को संबोधित करेंगे। उन लोगों का सम्मान करेंगे जो राष्ट्रीय फलक पर उपलब्धियों का सेहरा पहनते हैं। देश में आज भी प्रतिष्ठित डाक्टर, इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल और सर्विस क्षेत्र में हिमाचली युवा नाम कमा रहे हैं, लेकिन उनसे अलग राजनीतिक और चुनाव की दुनिया बेरोजगार युवाओं को प्रचार से सहला रही है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

सरकार ने 96,238 करोड़ की 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि 10,500 मेगाहर्ट्ज से अधिक मोबाइल सेवा रेडियो तरंगों के लिए 96,238 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की स्पेक्ट्रम नीलामी सुबह 10 बजे शुरू होगी। 2010 में ऑनलाइन बोली प्रक्रिया के माध्यम से रेडियो तरंगों की बिक्री की प्रक्रिया शुरू होने के बाद से यह 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी है।

बयान में कहा गया है, 'सरकार आज सुबह 10 बजे दूरसंचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू कर रही है।' पिछली स्पेक्ट्रम नीलामी अगस्त 2022 में हुई थी, जिसमें पहली बार 5G सेवाओं के लिए रेडियो तरंगें शामिल की गई थीं। बयान में कहा गया है, 'मौजूदा दूरसंचार सेवाओं को बढ़ाने और सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए सरकार मंगलवार, 25 जून 2024 को स्पेक्ट्रम नीलामी करेगी। यह सभी नागरिकों को सस्ती, अत्याधुनिक उच्च गुणवत्ता वाली दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।'

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू कर दी है और 8 मार्च को आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी कर दिया गया है। संचार मंत्रालय ने घोषणा की है कि आगामी नीलामी में निम्नलिखित स्पेक्ट्रम बैंडों के लिए बोली लगाई जाएगी - 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज। विभिन्न बैंडों में नीलाम किए जाने वाले स्पेक्ट्रम की कुल मात्रा 10,522.35 मेगाहर्ट्ज है, जिसका मूल्य आरक्षित मूल्य पर 96,238.45 करोड़ रुपये है।

3300 मेगाहर्ट्ज बैंड और 26 मेगाहर्ट्ज बैंड को 5जी सेवाओं के लिए उपयुक्त बैंड के रूप में देखा जा रहा है। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए 3,000 करोड़ रुपये की सबसे अधिक बयाना राशि जमा की है, जो कंपनी को अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगाने की क्षमता प्रदान करती है। दूरसंचार विभाग द्वारा जारी पूर्व-योग्य बोलीदाता विवरण के अनुसार, भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 300 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा कराई है। दूरसंचार उद्योग निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महानिदेशक एसपी कोचर ने कहा कि 5जी नीलामी से देश भर में 5जी सेवाओं को तेजी से क्रियान्वयन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे कवरेज बढ़ेगा और कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा।

कोचर ने कहा, 'डिजिटल डिवाइड को पाटकर, 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे देश के सबसे दूरदराज के क्षेत्रों में भी हाई-स्पीड इंटरनेट तक पहुंच हो, जिससे अधिक आर्थिक अवसर और सामाजिक उन्नति को बढ़ावा मिलेगा। यह नीलामी 'विकसित भारत' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है और हमें विश्वास है कि इन नीलामियों के परिणाम एक समृद्ध और डिजिटल रूप से सशक्त भारत के लिए एक मजबूत नींव रखेंगे।' टेलीकॉम विशेषज्ञ पराग कर के अनुसार, रिलायंस जियो ईएमडी के आधार पर कुल स्पेक्ट्रम मूल्य का 37.36 प्रतिशत, भारती 13.07 प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया 3.73 प्रतिशत बोली लगा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ खुला, निवेशक 27 जून तक कर सकेंगे निवेश

ABD Allied Blenders & Distillers

मुंबई। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार को निवेशकों के लिए खुल गया। खुदरा निवेशक इस आईपीओ के लिए 27 जून तक बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 1,500 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 267-281 रुपये तय किया है। ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी के आईपीओ में एक हजार करोड़ रुपये के ताजा शेयर और प्रवर्तकों द्वारा 500 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम से पहले एंकर निवेशकों से 449 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड को एबीडी के तौर पर जाना जाता है। ये भारतीय निर्मित विदेशी शराब कंपनी है, जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है। कंपनी के पोर्टफोलियो में व्हिस्की, ब्रांडी, रम और वोदका के 16 ब्रांडों के प्रोडक्ट शामिल है। इनमें ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की, स्टर्लिंग रिजर्व और ऑफिसर्स चॉइस ब्लू सहित अन्य प्रमुख ब्रांड शामिल हैं, जिसका दुनियाभर के 22 देशों में निर्यात होता है।

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल ने हाईकोर्ट का रुख किया, अंतरिम चिकित्सा जमानत बढ़ाने की अपील

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल ने खुद को दी गई दो महीने की अंतरिम चिकित्सा जमानत बढ़ाने के लिए बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। उच्च न्यायालय ने छह मई को उन्हें चिकित्सा आधार पर दो महीने की अंतरिम जमानत दी थी। गोयल (75) ने अब आवेदन दायर कर इस अवधि को बढ़ाने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि उनकी चिकित्सा स्थिति खराब बनी हुई है और उन्होंने 16 मई को कैंसर के कारण अपनी पत्नी को भी खो दिया है। न्यायमूर्ति मनीष पिताले की एकल पीठ के समक्ष मंगलवार को आवेदन सुनवाई के लिए आया था। अदालत ने फरवरी में उच्च न्यायालय द्वारा जारी एक परिपत्र का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि जिन आवेदनों पर पहले एक विशेष न्यायाधीश द्वारा विचार किया गया था और फैसला किया गया था, उन्हें उसी पीठ के समक्ष रखा जाएगा। न्यायमूर्ति पिटाले ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्री विभाग को गोयल के आवेदन को न्यायमूर्ति एन जे जमादार की एकल पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया। गोयल के वकील आबाद पोंडा और अमीत नाइक ने कहा कि वे बुधवार को न्यायमूर्ति जमादार के समक्ष याचिका का उल्लेख करेंगे। गोयल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सितंबर 2023 में केनरा बैंक द्वारा जेट एयरवेज को दिए गए 538.62 करोड़ रुपये के ऋण को वैध बनाने और ऋण निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उनकी पत्नी अनीता गोयल को नवंबर 2023 में गिरफ्तार किया गया था जब ईडी ने मामले में अपनी चार्जशीट दाखिल की थी।

कच्चा तेल 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य उछलकर 87 डॉलरऔर डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.05 डॉलर यानी 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 86.06 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.06 डॉलर यानी 0.07 फीसदी उछलकर 81.69 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये , डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आज चुनाव के...

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार ने उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देने की प्रतिबद्धता नहीं जताई। जबकि राजनाथ सिंह ने कहा कि विपक्ष अपनी जिद, दबाव और शर्तों पर चलना चाहता है। इसीलिए विपक्ष ने केवल अध्यक्ष पद को लेकर ही नहीं, इससे पहले प्रोटेम अध्यक्ष के पद को लेकर भी विवाद खड़ा किया था। जब भर्तृहरि महताब को प्रोटेम अध्यक्ष बनाया गया तो विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार ने के. सुरेश की वरिष्ठता को नजरअंदाज किया है।

बहरहाल, सर्वसम्मति से लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने की स्वस्थ परंपरा अस्वस्थ मिजाज के इंडी गठबंधन ने तोड़ दी। अब तक लोकसभा में अध्यक्ष सर्वसम्मति से ही चुना जाता रहा है। पिछली बार भी ऐसा ही हुआ था। इस बार दोनों ओर से उम्मीदवारों के नामांकन के साथ ही सर्वसम्मति से इस पद पर होने वाले चयन की 17 लोकसभा से जारी परंपरा टूट जाएगी।

विपक्ष के ऐसे रवैये पर सत्ता पक्ष ने कहा कि शर्तों और दबाव के आधार पर लोकतंत्र नहीं चल सकता है। केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता राजीव रंजन (ललन) सिंह ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष की स्थिति पर बात करने के लिए केसी वेणुगोपाल और टीआर बालू आए थे। उन्होंने रक्षा मंत्री से बात की। रक्षा मंत्री ने एनडीए की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष उम्मीदवार के बारे में जानकारी दी और समर्थन मांगा। वेणुगोपाल कह रहे थे कि उपाध्यक्ष का नाम स्वीकार किया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब चुनाव आएगा, तो हम मिल बैठकर चर्चा करेंगे लेकिन वे अपनी शर्त पर अड़े रहे। ललन सिंह ने कहा कि शर्तों के आधार पर वो लोकतंत्र चलाना चाहते हैं, दबाव की राजनीति करना चाहते है, लोकतंत्र में यह नहीं चलता है।

दूसरी तरफ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा, हमने पिछले कुछ वर्षों से देखा है कि अध्यक्ष सरकार की ओर से और उपाध्यक्ष विपक्ष की ओर से होते हैं। जब यूपीए सत्ता में थी, तो हमने 10 साल के लिए एनडीए को उपाध्यक्ष दिया था। लोकसभा में परंपरा यह है कि लोकसभा का उपाध्यक्ष विपक्ष को दिया जाता है। राजनाथ सिंह ने कल मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन किया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम आपके उम्मीदवार का समर्थन करने में प्रसन्न हैं, लेकिन हम उपाध्यक्ष का पद चाहते हैं, जिस पर राजनाथ सिंह ने उनसे कहा कि हम पीएम मोदी से सलाह लेंगे और फिर जवाब देंगे, लेकिन जवाब नहीं दिया गया।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता पीयूष गोयल ने कहा कि सुबह राजनाथ सिंह मल्लिकार्जुन खड़गे से चर्चा करना चाहते थे लेकिन वो व्यस्त थे, इसलिए उन्होंने कहा कि वेणुगोपाल आपसे बात करेंगे। लेकिन टीआर बालू और केसी वेणुगोपाल पुरानी मानसिकता पर उतारू हो गए। उनका कहना था कि पहले तय हो कि लोकसभा का उपाध्यक्ष कौन होगा और फिर अध्यक्ष के लिए समर्थन दिया जाएगा। गोयल ने कहा, हम इस तरह की राजनीति की निंदा करते हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि आज हमें अध्यक्ष पद के लिए प्रस्ताव पेश करना था। राजनाथ सिंह और अमित शाह ने विपक्ष के नेताओं से बातचीत की, लेकिन उन्होंने अध्यक्ष के लिए हमारे उम्मीदवार का समर्थन करने की शर्त रखी। जब उन्होंने उपाध्यक्ष पद का मुद्दा उठाया, तो राजनाथ सिंह ने कहा कि जब उपाध्यक्ष का फैसला हो जाएगा, तब वे फिर से चर्चा करेंगे। इसके बावजूद वे हमारे खिलाफ चुनाव लड़ने जा रहे हैं, हालांकि हमारे पास पूरा संख्या बल मौजूद है। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मैं विपक्ष के नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें और सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुनने के लिए समर्थन दें।

कांग्रेस के...

विपक्षी गठबंधन की सहयोगी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि दुर्भाग्य से यह एकतरफा लिया गया फैसला है। किसी ने भी इस बार में टीएमसी से राय नहीं ली और इस बारे में पार्टी की प्रमुख ममता बनर्जी ही कोई फैसला लेंगी।

लोकसभा अध्यक्ष के ...

लोकसभा में अध्यक्ष का चुनाव इसके सदस्यों में से सभा में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत द्वारा किया जाता है। अध्यक्ष के चुनाव के लिए कोई विशेष योग्यता निर्धारित नहीं की गई है और संविधान में मात्र यह अपेक्षित है कि वह सभा का सदस्य होना चाहिए। सामान्यतः सत्तारूढ़ दल के सदस्य को ही अध्यक्ष निर्वाचित किया जाता है। उम्मीदवार के संबंध में एक बार निर्णय ले लिए जाने पर आमतौर पर प्रधानमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री द्वारा उसके नाम का प्रस्ताव किया जाता है।

प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों का आवश्यकता के अनुसार, सभा में मत विभाजन द्वारा फैसला किया जाता है। यदि कोई प्रस्ताव स्वीकृत हो जाता है तो पीठासीन अधिकारी घोषणा करेगा कि प्रस्तावित सदस्य को सभा का अध्यक्ष चुन लिया गया है। नतीजा घोषित किए जाने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष को प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता द्वारा अध्यक्ष आसन तक ले जाया जाता है। इसके बाद सभा में सभी राजनैतिक दलों और समूहों के नेताओं द्वारा अध्यक्ष को बधाई दी जाती है और उसके जवाब में वह सभा में धन्यवाद भाषण देता है और इसके बाद नया अध्यक्ष अपना कार्यभार ग्रहण करता है।

भारत में लोकसभा अध्यक्ष सभा का संवैधानिक और औपचारिक प्रमुख होता है। वह सभा का प्रमुख प्रवक्ता होता है। लोकसभा की कार्यवाही के संचालन का उत्तरदायित्व अध्यक्ष पर ही होता है। लोकसभा अध्यक्ष को संसद के अपने कर्तव्यों के निर्वहन में आने वाली वास्तविक आवश्यकताओं और समस्याओं का समाधान करना पड़ता है। सदन का संचालन, प्रश्न और अभिलेख, ध्वनि मत, विभाजन, अविश्वास प्रस्ताव, मतदान और सदस्यों की अयोग्यता जैसे अहम मामले अध्यक्ष की शक्तियों में आते हैं।

लोकसभा अध्यक्षों की ...

रेड्डी पहली लोकसभा के लिए आंध्र प्रदेश के हिन्दुपुर सीट से निर्वाचित हुए थे। नीलम संजीव रेड्डी ऐसे एकमात्र अध्यक्ष हैं जिन्होंने अध्यक्ष पद का कार्यभार सम्भालने के बाद अपने दल से औपचारिक रूप से त्यागपत्र दे दिया था। अध्यक्ष पद पर चुने जाने के तुरन्त बाद उन्होंने कांग्रेस की अपनी 34 वर्ष पुरानी सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। उनका यह मानना था कि अध्यक्ष का संबंध सम्पूर्ण सभा से होता है, वह सभी सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है और इसलिए उसे किसी दल से जुड़ा नहीं होना चाहिए या यों कहें कि उसका संबंध सभी दलों से होना चाहिए। वह ऐसे एकमात्र लोकसभा अध्यक्ष भी थे जिन्हें सर्वसम्मति से राष्ट्रपति के रूप चुने जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। नीलम संजीव रेड्डी द्वारा राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने के लिए लोकसभा अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिए जाने पर डॉ. गुरदयाल सिंह ढिल्लों को अगस्त 1969 में सर्वसम्मति से लोकसभा अध्यक्ष चुना गया। जब ढिल्लों इस पद के लिए निर्वाचित हुए तो वे उस समय तक लोकसभा के जितने अध्यक्ष हुए थे उनमें से सबसे कम उम्र के अध्यक्ष थे। कांग्रेस नेता ढिल्लों ने दो बार लोकसभा अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। पहला कार्यकाल अगस्त 1969 से मार्च 1971 तक और दूसरा मार्च 1971 से दिसंबर 1975 तक रहा।

ढिल्लों द्वारा अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिए जाने के बाद रिक्त हुए पद पर जनवरी 1976 में बलिराम भगत को पांचवीं लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। कांग्रेस से आने वाले नेता का कार्यकाल मार्च 1977 को समाप्त हुआ था। छठी लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में कावदूर सदानन्द हेगड़े का चुनाव किया गया। केएस हेगड़े का कार्यकाल जुलाई 1977 से जनवरी 1980 तक रहा। यह भी दिलचस्प था कि हेगड़े 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर पहली बार निर्वाचित हुए और अपने प्रथम कार्यकाल के दौरान ही उन्हें लोकसभा अध्यक्ष का पद मिल गया। डॉ. बलराम जाखड़ ने सातवीं लोकसभा के लिए अपने सर्वप्रथम निर्वाचन के तुरंत बाद अध्यक्ष पद हासिल किया। उन्हें लगातार दो बार लोकसभा अध्यक्ष चुना गया। कांग्रेस से आने वाले जाखड़ का पहला कार्यकाल जनवरी 1980 से जनवरी 1985 तक और जनवरी 1985 से दिसंबर 1989 तक रहा।

ओडीशा से आने वाले जनता दल के नेता रवि राय को दिसम्बर 1989 में नौवीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया। हालांकि, रवि राय अध्यक्ष पद पर केवल करीब 15 महीने ही रहे। कांग्रेस नेता शिवराज विश्वनाथ पाटिल 10वीं लोक सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। पाटिल का कार्यकाल जुलाई 1991 से मई 1996 तक रहा। वर्षों की भारतीय संसदीय परंपरा से हटकर 11वीं लोकसभा ने विपक्ष के एक सदस्य पूर्णो अगितोक संगमा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया। उस वक्त भारत के 50 वर्षों के संसदीय इतिहास में वह ऐसे पहले सदस्य थे जिन्होंने विपक्ष में रहते हुए अध्यक्ष का पद संभाला। उस वक्त अध्यक्ष के रूप में पीए संगमा का कार्यकाल मार्च 1996 से मार्च 1998 तक था।

गन्ती मोहन चन्द्र बालायोगी को 12वीं लोक सभा का अध्यक्ष निर्वाचित होने और सर्वसम्मति से 13वीं लोक सभा के अध्यक्ष पुनः निर्वाचित होने का गौरव हासिल है। तेलुगू देशम पार्टी सांसद बालायोगी ने मार्च 1998 में देश के राजनीतिक इतिहास के अत्यंत नाजुक दौर में लोकसभा अध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद के लिए निर्वाचित हुए। टीडीपी उस समय गठबंधन सरकार का बाहर से समर्थन कर रही थी। उस समय किसी भी पार्टी के पास स्पष्ट बहुमत नहीं था। बालायोगी इस पद पर आसीन होने वाले आज तक के सबसे कम आयु के व्यक्ति थे।

एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तत्कालीन लोक सभा अध्यक्ष जीएमसी बालायोगी की दुखद मृत्यु के बाद मनोहर जोशी मई 2002 में लोकसभा अध्यक्ष बने थे। शिवसेना से ताल्लुक रखने वाले जोशी जून 2004 तक पद पर बने रहे।

जून 2004 में 14वीं लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में सोमनाथ चटर्जी का सर्वसम्मति से निर्वाचन हुआ। यह पहली बार था जब सामयिक अध्यक्ष (प्रोटेम अध्यक्ष) का लोकसभा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचन किया गया था। सोमनाथ चटर्जी माकपा से जुड़े थे। उप-प्रधानमंत्री स्वर्गीय बाबू जगजीवन राम की पुत्री मीरा कुमार 2009 से 2014 तक लोकसभा की 15वीं अध्यक्ष रहीं। इस पद पर आसीन होने वाली वे पहली महिला थीं। मीरा कुमार कांग्रेस की सदस्य हैं। भाजपा की सुमित्रा महाजन 16वीं लोकसभा की अध्यक्ष थीं। वे इस पद पर आसीन होने वाली भारत की दूसरी महिला हैं। राजस्थान के कोटा से भाजपा के सांसद ओम बिड़ला 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे।

मुस्लिमों ने...

फैसी ने कहा था, कोझिकोड को नए बने मालाबार राज्य की राजधानी बनाया जाना चाहिए। यह मांग मालाबार क्षेत्र में मुस्लिम बहुलता के कारण उठाई गई थी।

मुस्तफा ने जिस मालाबार क्षेत्र को अलग राज्य घोषित करने की मांग की है उसमें त्रिशूर, पलक्कड़, मल्लापुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जैसे इलाके आते हैं। इन इलाकों में मुस्लिमों की संख्या की बात करें तो 2011 में जन-गणना डाटा के अनुसार त्रिशूर में 17.07 प्रतिशत, पलक्कड़ में 27.96 प्रतिशत, मल्लापुरम में 70.24 प्रतिशत, कोझिकोड में 37.66 प्रतिशत, वायनाड में 28.65 प्रतिशत, कन्नूर में 29.43 प्रतिशत और कासरगोड में 37.24 प्रतिशत है।

केरल की वामपंथी सरकार केरल राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव पास किया है। सोमवार को विधानसभा में राज्य का नाम बदलने को लेकर प्रस्ताव लाया गया, जो सर्वसम्मति से पारित हो गया। बताया जाता है कि मलयालम में प्रदेश का नाम केरलम ही है, लेकिन संविधान की पहली अनुसूची में इसका नाम केरल के तौर पर दर्ज किया गया है। राज्य विधानसभा द्वारा पारित किए गए प्रस्ताव में राज्य का नाम केरल से केरलम करने को लेकर तत्काल कार्रवाई करने की मांग केंद्र सरकार से की गई है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने प्रदेश के नाम बदलने को लेकर एक प्रस्ताव 9 अगस्त 2023 को ही सदन में पेश किया था। उस दौरान प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार से संविधान की पहली और आठवीं अनुसूची में राज्य का नाम केरल से बदलकर केरलम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की थी। हालांकि, उस दौरान केरल को भेजे जवाब में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया था कि इसके लिए संविधान की पहली ही अनुसूची में संशोधन की आवश्यकता है, जिसको लेकर विधानसभा में सोमवार को एक और प्रस्ताव पास किया गया।

वामपंथी सरकार के इस कदम से एक सवाल खड़ा होता है कि जब भाजपा शासित राज्यों में जगहों के नाम उनके वर्तमान नाम की जगह असली पहचान पर रख जा रहे थे तो फिर यही वामपंथी रुदन क्यों कर रहे थे? सवाल ये भी है कि आखिर क्यों वामपंथी सरकार केरल का नाम बदलना चाहती है? गौरतलब है कि जब उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया, इलाहाबाद को उसका पुराना नाम प्रयागराज दिया था तब कथित लिबरल्स और वामपंथियों और इस्लामिस्टों की जमात इस बात पर रुदन कर रही थी और कह रही थी कि आखिर नाम बदलने से क्या होगा? अब खुद ही उसी रास्ते पर चल रहे हैं। चिढ़पों करने वाले कांग्रेसी, सपाई और मुस्लिम संगठनों ने भी इस पर चुप्पी साध रखी है।

फिर किस ...

उन्होंने आरोप लगाया, संविधान का कई बार अपमान और अनदेखी करने वालों ने खुद को संविधान रक्षक घोषित किया है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, पिछले दो दिनों से हमने विपक्ष की प्रमुख पार्टियों से संपर्क किया और अध्यक्ष के पद को लेकर हमारी बात हुई। जब से देश आजाद हुआ है तब से लेकर आज तक कभी अध्यक्ष का चुनाव नहीं हुआ है और हम चाहते हैं कि अध्यक्ष को निर्विरोध सर्वसम्मति से चुना जाए इसलिए, हमने उनसे संपर्क और अपील की। आज कांग्रेस के नेताओं के साथ हमारी बैठक हुई, हमने अध्यक्ष के लिए उनसे समर्थन देने की अपील की लेकिन उन्होंने कहा कि वे समर्थन देंगे पर उपसभापति का पद उन्हें चाहिए। हमने उनसे कहा कि दोनों पद के चुनाव की प्रक्रिया अलग होती है इसलिए दोनों को एक साथ मिलाना सही नहीं है।

रिजिजू ने कहा, कांग्रेस पार्टी का रवैया साफ था कि अगर हम शर्त नहीं मानेंगे तो वे अध्यक्ष पद के लिए समर्थन नहीं करेंगे। मैं फिर से अपील करता हूं कि अध्यक्ष के पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए वे सोचें, हमारे पास संख्या है लेकिन फिर भी हम उनसे अनुरोध कर रहे हैं कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं होना चाहिए क्योंकि यह पद किसी दल का नहीं होता है।

आपातकाल की ...

ऐसा इसलिए हुआ था क्योंकि 1971 वाले लोकसभा चुनाव में रायबरेली से इंदिरा गांधी के खिलाफ खड़े हुए राजनारायण ने इंदिरा की जीत को चुनौती दी थी। उन्होंने दावा किया था कि इंदिरा ने सत्ता सरकारी मशीनरी और संसाधनों का दुरुपयोग करके हासिल की है। इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट की ये आरोप सही पाए गए और इंदिरा गांधी का निर्वाचन रद्द हुआ। साथ ही इंदिरा पर छह साल तक चुनाव लड़ने पर भी रोक लगा दी गई। उस समय इंदिरा ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन वहां भी उन्हें मामले में तुरंत राहत नहीं मिली। जब इंदिरा गांधी को लगा कि उनका सत्ता से बाहर होना तय है, तब उन्होंने राष्ट्रपति के साथ बैठक के बाद देश में आपातकाल लागू किया और नागरिकों के मौलिक अधिकार उनसे छीन लिए गए। कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता आज भी उसी मानसिकता में जी रहे हैं।

राज्यसभा में सत्ता...

भाजपा को इस बार राज्यसभा सीटों के मामले में ओड़ीशा से फायदा मिल सकता है, क्योंकि ओड़ीशा में पिछली बार मिली 23 सीटों के मुकाबले उसने विधानसभा की 79 सीटें जीती हैं।

मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में दो अहम विधेयक संसद में ला सकती है। इसमें से पहला यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) है और दूसरा वन नेशन वन इलेक्शन यानी एक देश एक चुनाव है। यूसीसी की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद मंच से कर चुके हैं। भाजपा शासित राज्य गोवा में यूसीसी लागू है। उत्तराखंड में भी यह लागू हो चुका है। इसके अलावा एक देश एक चुनाव पर भी भाजपा तेजी से आगे बढ़ना चाहती है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के कई नेताओं ने कहा था कि देश में जब अगला आम चुनाव होगा तो उसके साथ ही राज्यों के विधानसभा चुनाव भी होंगे।

भाजपा का तर्क है कि इससे समय और पैसे की बचत होगी लेकिन लगभग सभी विपक्षी दल एक देश एक चुनाव के फार्मूले के पूरी तरह खिलाफ हैं। मोदी सरकार ने पिछले साल पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी भी बनाई थी और यह कमेटी तमाम राजनीतिक दलों से बातचीत करने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है। अब भाजपा को किसी भी विधेयक को पास कराने के लिए एनडीए के सहयोगी दलों को भरोसे में लेना ही होगा वरना उसे न सिर्फ राज्यसभा में दिक्कत होगी बल्कि लोकसभा में भी परेशानी हो सकती है। क्योंकि लोकसभा में भी भाजपा के पास अपने दम पर बहुमत नहीं है।

हाईकोर्ट में...

इस बीच, केंद्रीय जांच एजेंसी ने निचली अदालत के फैसले पर रोक लगाने के लिए तत्काल आवेदन दायर किया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तत्काल राहत देने से इन्कार कर दिया है। जस्टिस मनोज मिश्रा और एसवीएन भट्टी की अवकाश पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट को अपना आदेश देने दीजिए। हम आपको 26 जून को सुनेंगे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की ओर से पेश हुए अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े ईडी के मामले में जमानत आदेश पर उच्च न्यायालय की रोक हटाने का अनुरोध किया। ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने केजरीवाल की याचिका का विरोध किया और कहा कि हाईकोर्ट उनकी याचिका पर फैसला सुनाने वाला है।

दरअसल, राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दे दी थी, लेकिन हाईकोर्ट ने बीते शुक्रवार को इस पर अंतरिम रोक लगा दी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था।

हाईकोर्ट की एक अवकाशकालीन पीठ ने कहा था कि अगले आदेश तक जिस फैसले को चुनौती दी गई है, उसे अमल में नहीं लाया जा सकेगा। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को 24 जून तक लिखित दलील दाखिल करने को कहा था। जिस पर दोनों ओर से जवाब दाखिल कर दिए गए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 26 जून, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

प्रजावाणी में विभिन्न विभागों से सम्बंधित 687 शिकायतें प्राप्त हुईं

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी ने मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में आयोजित सार्वजनिक संबोधन कार्यक्रम में भाग लिया और आवेदन प्राप्त किए। विभिन्न विभागों से समस्याएं लेकर आए लोगों ने चिन्नारेड्डी और प्रजा भवन के अधिकारियों के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। मंगलवार को आयोजित प्रजाव-ाणी कार्यक्रम में कुल 687 आ-वेदन प्राप्त हुए । अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 225, आवास संबंधी 59, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 82, गृह विभाग से संबंधित 47, पंचायती राज ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 40 तथा अन्य विभागों से संबंधित 234 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रजावाणी की विशेष अधिकारी दिव्या सहित अन्य अधिकारियों ने जनता से आवेदन प्राप्त किए तथा उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

स्नैचर महिला की सोने की चेन छीन हुए फरार

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को जगदगिरिगुट्टा में दो सदस्यीय गिरोह एक महिला से सोने की चेन लेकर फरार हो गया। उशोदया कॉलोनी में स्नैचरों ने गृहिणी ज्योति (54) को निशाना बनाया। पीड़िता टहल रही थी तभी झपटमारों ने उसके गले से करीब छह तोले वजनी सोने की चेन उड़ा ली। महिला का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर गई, जिससे उसे चोटें आईं।एक अन्य मामले में, जीदीमेटला में अपराधियों ने एक लड़की से सोने की चेन छीनने का प्रयास किया। हालांकि, लड़की चेन को मजबूती से पकड़ने में कामयाब रही और हाथापाई में आभूषण सड़क पर गिर गया। चेन स्नेचर वहां से भाग निकले। पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया।

देर रात सड़कों पर घूमने पर पांच लोगों को पांच दिन की जेल

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक स्थानीय अदालत ने मंगलवार को उन पांच दिहाड़ी मजदूरों को पांच दिन की कैद की सजा सुनाई, जिन्हें देर रात संदिग्ध तरीके से घूमने के आरोप में पुलिस ने पकड़ा था। पांचों व्यक्ति मोहम्मद जकर (28) एक कार चालक, मोहम्मद आसिफ (35) एक प्लंबर, शेख मोहिउद्दीन (26), ऐजाज खान (28) और मोहम्मद आजम (28), तीनों मजदूरों को फलकनुमा पुलिस ने पकड़ लिया। इन सभी को कोर्ट में पेश किया गया।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू और मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव मंगलवार को हैदराबाद में कृषि, विपणन, हथकरघा और कपड़ा विभागों के अधिकारियों के साथ वार्षिक बजट प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए।

श्री दादू मंदिर मोइनाबाद हैदराबाद में मासिक भजन संध्या पर उपस्थित भक्त जन।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में एक सप्ताह एक थीम अभियान शुरू

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले वर्ष की वन वीक वन लैब पहल की विरासत को आगे बढ़ाते हुए सीएसआईआर में एक सप्ताह एक थीम कार्यक्रम का अनावरण किया गया, जिसमें 8 विषयों पर प्रकाश डाला गया। जिसमें ऊर्जा और ऊर्जा उपकरण, रसायन और पेट्रोकेमिकल्स, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स और सामरिक क्षेत्र, नागरिक अवसंरचना और इंजीनियरिंग, कृषि, पोषण और बायोटेक, स्वास्थ्य देखभाल, खनन, खनिज, धातु और सामग्री, पारिस्थितिकी, पर्यावरण, पृथ्वी, महासागर विज्ञान और जल शामिल हैं। इस अभियान के एक भाग के रूप में सीएसआई-आईआईसीटी ने मंगलवार को ऊर्जा और ऊर्जा उपकरणों पर एक अभियान शुरू किया। इस अवसर पर भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई) के पूर्व निदेशक प्रोफेसर, वी.एस.आर.के. प्रसाद मुख्य अतिथि और डॉ. टाटा नरसिंगा राव, पूर्व निदेशक इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ।

सीएसआईआर-आईआईसी के प्रभारी निदेशक डॉ. बी. जगदीश ने सभा का गर्मजोशी से स्वागत किया और संस्थान के दृष्टिकोण और मिशन के साथ-साथ रासायनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में इसकी स्थापना से निभाई गई भूमिका का संक्षिप्त विवरण दिया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. टाटा ने अनुवादात्मक सामग्री अनुसंधान पर संक्षिप्त बातचीत की। प्रयोगशाला से बाज़ार तक प्रयोगशाला में नवाचार और बाज़ार में अनुवाद के बीच अंतर को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। प्रो. प्रसाद ने सभा को ऊर्जा उपयोग को अनुकूलित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वैश्विक परिदृश्य की तुलना में भारत में ऊर्जा परिदृश्य पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थायी ऊर्जा स्वतंत्रता हासिल करने से देश के पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।

इसके बाद सीएसआईआर-आईआईसीटी वैज्ञानिकों द्वारा कचरे से प्राप्त धन, अपशिष्ट आधारित बायोरिफाइनरी, टिकाऊ बैटरी, जैविक सौर सेल, एच2-मेथनॉल-डीएमई आदि पर लघु प्रस्तुतियों के साथ एक तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। स्थानीय लोगों को शिक्षित करने के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। स्कूल और कॉलेज के छात्रों को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

हैदराबाद में दुकानें बंद करने के समय को लेकर व्यापारियों में असमंजस

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस शहर में रात 10.30 बजे तक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को बंद करने की अपनी योजना से पीछे हट गई, लेकिन व्यापारी समुदाय के बीच अपने व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बंद करने की समय सीमा को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

सोशल मीडिया पर, एक पुलिस गश्ती वाहन के वीडियो ने सभी को देर रात सड़कों पर न आने का आदेश दिया और कहा कि अगर उन्होंने ऐसा किया तो उन्हें पीटा जाएगा, जिससे लोगों में डर पैदा हो गया। पुलिस की घोषणा में यह भी उल्लेख किया गया है कि वह अब मित्रवत पुलिसिंग नहीं करेगी। नागरिकों ने भय की भावना के बाद सोमवार को रात 10.30 बजे तक सभी दुकानें बंद कर दी गईं। कुछ दुकानदारों ने सप्ताह के पहले कार्य दिवस पर रात 10.15 बजे तक शटर गिरा दिए और अपने घरों में चले गए। कई व्यापारियों ने कहा कि यह हमें उन दिनों की याद दिलाता है जब शहर में रात में कर्फ्यू लगाया जाता था। लोग अपनी घड़ी पर नज़र रखते थे और समय से पहले दुकानें बंद कर देते थे और पुलिस की लाठियों से बचने के लिए घर भाग जाते थे। कालापत्थर, जहांनुमा, फतेह दरवाजा, तल्लाबकट्टा सहित कई इलाकों की सड़कें, जहां आमतौर पर आधी रात तक हलचल रहती थी, रात 11 बजे सुनसान नजर आईं। सड़कों पर यातायात की मात्रा भी कम हो गई और समारोहों में भाग लेने वाले लोग जल्दी ही अपने घरों के लिए निकल गए। कमिश्नर टास्क फोर्स की टीम ने पुराने शहर की सड़कों पर गश्त की और सड़कों पर घूमते पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति की तलाशी ली। व्यापारियों का कहना है कि हम जनता के लिए पुलिस की चिंता की सराहना करते हैं। लेकिन यह कानून का पालन करने वाले नागरिकों की आजीविका की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

जो लोग देर रात काम से लौटते हैं, उनके साथ मौखिक रूप से दुर्व्यवहार किया जाता है और उन्हें अपमानित किया जाता है जैसे कि वे अपराधी हों।

रविवार दोपहर से ही सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें चल रही थीं कि तेलंगाना पुलिस व्यापारियों को रात 10.30 बजे तक दुकानें बंद करने का आदेश जारी कर रही है।

सोमवार रात ही, हैदराबाद पुलिस ने अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से स्पष्ट किया कि ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया था और व्यवसाय सामान्य समय तक चल सकता है। सूत्रों ने कहा, विभाग प्रमुखों ने वास्तव में फील्ड स्टाफ को रात 10.30 बजे तक दुकानें बंद करने और शहर में गहन तलाशी अभियान चलाने के निर्देश जारी किए थे।

रामागुंडम केशोराम सीमेंट्स फैक्ट्री कॉन्ट्रैक्ट लेबर यूनियन चुनावों में बीआरएस पैनल की हालिया जीत के मद्देनजर अध्यक्ष कौशिक हरि ने अपने परिवार के साथ बीआरएस प्रमुख केसीआर से मुलाकात की। इस दौरान केसीआर ने कौशिक हरि को शुभकामनाएं दीं।

बीआरएस के कई विधायकों, एमएलसी और नेताओं ने मंगलवार को बीआरएस प्रमुख केसीआर से एर्राविली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। केसीआर से मुलाकात करने वालों में विधायक टी. हरीश राव, वेमुला प्रशांत रेड्डी, केपी विवेकानंद, अरिकेपुड़ी गांधी, मगंती गोपीनाथ, माधवराम कृष्ण राव, मुथा गोपाल, टी. प्रकाश गौड़, एमएलसी शेरी सुभाष रेड्डी, दांडे विट्ठल, पूर्व विधायक जोगु रमन्ना, पार्टी नेता क्यामा मल्लेश, रावुला श्रीधर रेड्डी और अन्य।

हाई कोर्ट ने रेल रोको मामले में केसीआर के खिलाफ कानूनी कार्यवाही पर रोक लगा दी

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 2011 में तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान दिए गए रेल रोको आह्वान से संबंधित मामले में बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ सभी आपराधिक कार्यवाही पर मंगलवार को रोक लगा दी।न्यायमूर्ति बोल्लाराम विजयसेन रेड्डी ने कहा कि प्रथम दृष्टया, चन्द्रशेखर राव के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। न्यायाधीश ने सरकारी वकील से यह भी पूछा कि यदि कोई व्यक्ति शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं था, तो वह सार्वजनिक अधिकारियों को उनके कर्तव्यों का पालन करने में कैसे बाधा डाल सकता है या गैरकानूनी सभा का हिस्सा कैसे बन सकता है। न्यायाधीश ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम, 1984 (पीडीपीपी अधिनियम) को एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कैसे आकर्षित किया गया जो शारीरिक रूप से अनुपस्थित था और टिप्पणी की कि पुलिस की कार्रवाई कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

चंद्रशेखर राव की ओर से पेश हुए ए प्रभाकर राव ने दलील दी कि अलगाव आंदोलन के दौरान तेलंगाना संयुक्त कार्रवाई समिति (टीजेएसी) ने आह्वान किया था। यहां तक कि एफआईआर में लगाए गए आरोपों के मुताबिक, तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के कविता और 39 अन्य लोगों ने मौलाली में रेल रोको विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और चंद्रशेखर राव शामिल नहीं थे।

उन्होंने कहा कि चन्द्रशेखर राव के खिलाफ अपराध को आकर्षित करने के लिए आरोप पत्र में कोई सबूत नहीं रखा गया था, उन्होंने कहा कि पोली ने 2023 में आरोप पत्र दायर किया था, मामले को विभाजित किया था और चन्द्रशेखर राव को फरार दिखाया था।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर, महापौर गडवाल विजयलक्ष्मी और प्रधान सचिव शैलजा मंगलवार को बालकम्पेट एलम्मा कल्याण में उच्चाधिकारियों के साथ राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक करते हुए।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डीमंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात करते हुए।

हैदराबाद में उच्च न्यायालय के सामने मंगलवार को आपातकाल के काले दिनों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते भाजपा अधिवक्ता।

नेल्लोर रेलवे स्टेशन उन्नयन कार्य तेज गति से जारी

पूर्व, पश्चिम और उत्तर दिशा में स्टेशन भवनों की फ्रेमयुक्त संरचना पूरी हुई

स्टेशन के पश्चिमी हिस्से में सबवे का 85 फीसदी निर्माण कार्य पूरा

हैदराबाद/अमरावती, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ईपीसी मोड के तहत शुरू किए गए नेल्लोर रेलवे स्टेशन के उन्नयन कार्य लगातार प्रगति कर रहे हैं। ग्रांड ट्रंक मार्ग पर स्थित स्टेशन को शानदार सुविधाओं के साथ विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए उन्नत किया जा रहा है। स्टेशन पुनर्विकास कार्यों को ईपीसी मोडेटो मैसर्स के तहत प्रदान किया गया है।

पुनर्विकास के हिस्से के रूप में, पश्चिम की ओर एक नई इमारत (जी+3 मंजिल) का निर्माण किया जा रहा है, जबकि पूर्व की ओर (जी+3) और उत्तर की ओर (जी+2) मौजूदा इमारतों को रेल उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए विस्तारित किया जा रहा है। इसके साथ ही, इमारतों का नवीनीकरण और मुखौटा सुधार भी चल रहा है। पहले चरण में, साइट कार्यालय, एक कंक्रीट परीक्षण प्रयोगशाला, भंडारण शेड और रेलवे कोर्ट और जीआरपी कार्यालयों के लिए अस्थायी शेड पहले ही पूरे हो चुके हैं। पूर्व, पश्चिम और उत्तर की ओर स्टेशन भवनों की फ्रेमयुक्त संरचनाएं भी पूरी हो चुकी हैं, और चिनाई का काम अब प्रगति पर है। इसके अलावा, पूर्व और पश्चिम की ओर की इमारतों के लिए ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पुनर्विकसित स्टेशन में 36 मीटर चौड़ा एयर कॉनकोर्स भी होगा। तदनुसार, गर्डर्स और क्रॉस गर्डर्स की लॉन्चिंग सहित डेक स्तर तक एयर कॉनकोर्स संबंधित निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्टिकल कॉलम लॉन्चिंग और डेक स्लैब पर कंक्रीट फर्श की 100% ढलाई पूरी हो चुकी है और ग्यारह में से छह ट्रस लॉन्च किए जा चुके हैं। सबवे विस्तार का 85% कार्य पूरा हो चुका है और आगे का काम प्रगति पर है। आग का प्रावधान -पाइप लाइन बिछाने का काम पूरा हो चुका है, जबकि सबवे में ग्रेनाइट फ्लोरिंग का काम चल रहा है। अन्य कार्यों के संबंध में, सभी प्लेटफार्मों पर प्लेटफार्म स्टैंचियन पर कवर का निर्माण और गैलवेल्यूम शीट का 90% कार्य पूरा हो चुका है। साथ ही, स्थायी न्यायालय भवन का निर्माण, 6 लाख लीटर क्षमता का ग्राउंड लेवल जलाशय, 870 किलो लीटर का सीवेज उपचार भी समापन के निकट है।

दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने स्टेशन पुनर्विकास के समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए हर चरण में सावधानीपूर्वक निष्पादन के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने परियोजना टीम को रेल उपयोगकर्ताओं को कम से कम असुविधा सुनिश्चित करते हुए सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरतते हुए काम करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुनर्विकसित स्टेशन में यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई आधुनिक सुविधाओं की एक श्रृंखला होगी जिसमें विशाल प्रतीक्षा क्षेत्र, अत्याधुनिक डिजिटल सूचना डिस्प्ले, उन्नत सुरक्षा प्रणालियां, हरित भवन प्रथाएं आदि शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा का स्पष्ट निर्णय

नीतीश के नेतृत्व में बिहार में चुनाव लड़ेगा एनडीए

पटना, 25 जून (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि वह चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। इस संबंध में भाजपा नेता नीरज कुमार ने कहा कि 2025 का विधानसभा चुनाव हमलोग नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में लड़ेंगे और अपार बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे। हमारी पार्टी के केंद्रीय और राज्य नेतृत्व दोनों का यही फैसला है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी कि बिहार में भाजपा नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही आगे भी रहेगी। लोकसभा सीट बंटवारे के समय सीट घटाए जाते समय ही भारतीय जनता पार्टी की ओर से जनता दल यूनाइटेड को इस बात का आश्वासन दिया गया था और बाकी घटक दलों ने भी उसी को देखते हुए कम सीटों पर समझौता किया था। लोग लगातार सवाल कर रहे थे कि क्या 2025 के विधानसभा में भाजपा सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाड़ लड़ेगी? इस सवाल का जवाब देते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि इसमें दिक्कत क्या है? बिहार में 1996 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में भाजपा चुनाव लड़ रही है और आगे भी लड़ती रहेगी।

हैदराबाद में बहुमंजिला इमारत में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में हैदराबाद के जुबली हिल्स में जर्नलिस्ट कॉलोनी बस स्टॉप के सामने एक बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल पर मंगलवार अपराह्न भीषण आग लग गयी।आग लगते ही इमारत में काम कर रहे कर्मचारियों ने तुरंत बाहर निकलकर जान बचाई। सूचना मिलते ही दमकल अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने संदेह जताया है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रदेशव्यापी स्कूल बंद आंदोलन आज

बेल्लमपल्ली, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सरकार निजी स्कूलों की फीस वृद्धि पर अंकुश लगाने में विफल रही है। सरकार को पब्लिक स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने पर ध्यान देना चाहिए। सरकार को जवाब देना चाहिए कि डीईओ,एमईओ के पद नहीं भरे जाने पर स्कूली शिक्षा की मॉनिटरिंग कैसे संभव होगी। एबीवीपी प्रदेश कार्यकारिणी समिति के सदस्य दीपक कुमार ने बताया कि एबीवीपी प्रदेश शाखा के आह्वान पर 26 जून को राज्य भर के निजी व सरकारी स्कूलों में बंद का आह्वान किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों की समस्याओं को वर्षों से सरकार के ध्यान

में लाने के बावजूद वे हमेशा जिला स्तर के अधिकारियों को आवेदन देते रहे हैं और वे ध्यान नहीं दे रहे हैं। एक ओर जहां सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे की कमी, शिक्षकों की कमी या अन्य समस्याएं हैं, वहीं दूसरी ओर निजी कॉरपोरेट स्कूल लाखों की फीस वसूल रहे हैं। सरकार इन सब बातों को नजरअंदाज कर सिर्फ कार्रवाई करने का वादा कर हाथ मल लेती है। उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि फीस नियंत्रण अधिनियम के कार्यान्वयन का कोई रिकॉर्ड नहीं है सिवाय इस वादे के कि अगर निजी कॉरपोरेट शिक्षण संस्थान अनियमितताएं करेंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

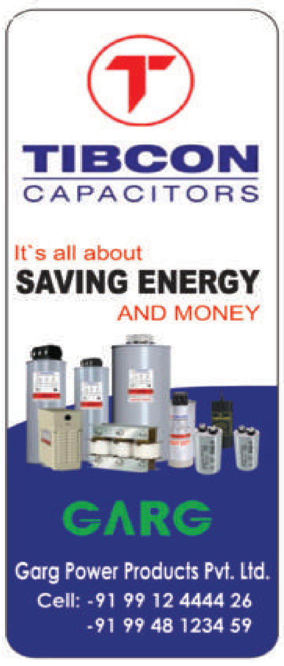

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,053.52
+712.44 +0.92% ↑
एनएसई :23,721.30
183.45 (0.78%) ↑

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

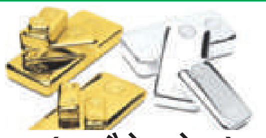

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,270/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,031/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 25^0

बीजापुर में 20 साल से शिक्षा से वंचित गांवों में अब बजेगी स्कूल की घंटी

रायपुर, 25 जून (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर नक्सल प्रभावित बस्तर अंचल के बीजापुर जिले में 20 सालों से शिक्षा के प्रकाश से वंचित मुदवेंडी गांव में नए शिक्षा सत्र में स्कूल की घंटी बजनी शुरु हो जाएगी। सड़क और सुरक्षा के विस्तार के बाद अब मुदवेंडी के बच्चों को शिक्षा के अधिकार का लाभ मिलेगा और अशिक्षा के अंधकार से मुक्ति मिलेगी। नए शिक्षा सत्र में बीजापुर जिले में 24 बंद स्कूल और 32 नए स्कूल खोले जा रहे हैं। डुमरीपालनार, तोड़का, सावनार, कोरचोली, कावड़गांव जैसे गांव में 20 साल बाद स्कूल खुल रहे हैं।

गत बीस सालों से अशिक्षा का दंश झेल रहे मुदवेंडी को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से और जिला प्रशासन के प्रयासों से सुनहरे भविष्य की किरणे दिखने लगी है और अब यहाँ के नौनिहाल तालीम से वंचित नही रहेंगे। बदलाव की यह शुरुआत स्कूल वेंडे वर्राट पंडूम के घर-घर दस्तक अभियान से संभव हुआ, जब शासन की टीम शालात्यागी और अप्रवेशी बच्चों की शाला में वापसी के लिए ग्रामीणों के बीच पहुंची। शिक्षा के फायदे और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ की जानकारी देकर ग्रामीणों को आश्वस्त किया गया कि भविष्य को संवारने में शिक्षा ही महत्वपूर्ण माध्यम है। सड़क सुरक्षा के विस्तार के बीच ग्रामीण अब आश्वास्त है कि उनके बच्चों का भविष्य विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। विश्वास बहाली के मुहीम के बीच अब माओवाद प्रभावित इलाकों का माहौल तेजी से बदलता दिख रहा है। ग्रामीण स्कूल के लिए स्वयं झोपड़ी तैयार कर रहे हैं ताकि शिक्षा के मंदिर में उनके बच्चों का भविष्य संवर सके। यहाँ शासन आवश्यक बुनियादी जरूरतों के अलावा गाँव के ही शिक्षित बेरोजगारों को शिक्षादूत की जिम्मेदारी देकर निश्चित मानदेय मुहैया करा रहा है ।

सैनिक स्कूल पर रेवंत के आरोपों पर बीआरएस ने किया पलटवार

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व सांसद बी विनोद कुमार ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के आरोपों का जवाब दिया कि पिछली बीआरएस सरकार ने पिछले 10 वर्षों के दौरान तेलंगाना के लिए एक सैनिक स्कूल को मंजूरी दिलाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। उन्होंने सुझाव दिया कि राजनीतिक लाभ के लिए इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाने से पहले मुख्यमंत्री को अपने कार्यालय में उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच करनी चाहिए।

मंगलवार को तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बात करते हुए विनोद कुमार ने कहा कि रेवंत रेड्डी ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद सैनिक स्कूल मुद्दे पर भ्रामक बयान दिया। उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना के लिए सैनिक स्कूल की उपेक्षा की। उन्होंने बताया कि बीआरएस शासन के दौरान वारंगल में स्कूल को मंजूरी दी गई थी।

उन्होंने कहा कि मेरे सहित बीआरएस सांसदों ने व्यक्तिगत रूप से केंद्र सरकार के साथ स्कूल की पैरवी की। हमने तत्कालीन रक्षा मंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर और दिवंगत अरुण जेटली से कई बार मुलाकात की। उन्होंने रोजगार मुहैया कराने के झूठे वादों से युवाओं को भड़काने और तेलंगाना के विकास में चंद्रशेखर राव के प्रयासों को कमजोर करने के लिए झूठे बयान देने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की।

उन्होंने मुख्यमंत्री को हैदराबाद और सिकंदराबाद में रक्षा भूमि प्राप्त करने के चंद्रशेखर राव के प्रयासों के संबंध में रक्षा अधिकारियों के साथ तथ्यों को सत्यापित करने की सलाह दी। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य सरकार एनईईटी परीक्षा मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने और एनईईटी परीक्षा अनियमितताओं के कारण तेलंगाना के छात्रों के साथ हुए अन्याय को संबोधित करने के लिए एक सक्षम वकील नियुक्त करे। विनोद कुमार ने जोर देकर कहा कि बीआरएस ने तेलंगाना के मुद्दों पर केंद्र सरकार को लगातार और ईमानदारी से चुनौती दी है और लड़ाई जारी रखने की कसम खाई है।

मुख्यमंत्री रेवंत ने रक्षा मंत्री राजनाथ से की मुलाकात

2,450 एकड़ रक्षा भूमि के हस्तांतरण की मांग की

हैदराबाद/नई दिल्ली, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सड़कों के चौड़ीकरण और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के लिए 2,500 एकड़ रक्षा भूमि राज्य सरकार को हस्तांतरित करने की अपील की।राष्ट्रीय राजधानी में राजनाथ सिंह के साथ बैठक के दौरान रेवंत रेड्डी ने उन्हें अवगत कराया कि राज्य सरकार के स्वामित्व वाली 2,462 एकड़ भूमि का उपयोग वर्तमान में रविराला गांव में इमारत अनुसंधान केंद्र (आर-सीआई) के लिए किया जा रहा है। चूंकि रक्षा विंग आरसीआई के लिए राज्य की भूमि का उपयोग कर रहा है, इसलिए मुख्यमंत्री ने राजनाथ सिंह से हैदराबाद शहर और आसपास के क्षेत्रों में सड़कों, फ्लाईओवर और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 2,450 एकड़ भूमि हस्तांतरित करने का अन-ुरोध किया।

उन्होंने रक्षा मंत्री से राज्य सरकार और रक्षा विभाग के बीच भूमि के पारस्परिक हस्तांतरण को स्वीकार करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री रक्षा मंत्री के संज्ञान में यह भी लाए कि केंद्र सरकार ने पहले ही वारंगल के लिए एक सैनिक स्कूल को मंजूरी दे दी है, लेकिन पिछली राज्य सरकार ने स्कूल के निर्माण के लिए कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने राजनाथ सिंह से वारंगल सैनिक स्कूल के लिए नवीनीकृत या नया परमिट देने का अनुरोध किया क्योंकि पहले दी गई अनुमति समाप्त हो गई है। सांसद मल्लू रवि, आर. रघुराम रेड्डी, बलराम नाइक, सुरेश शेतकर, चामला किरण कुमार रेड्डी, के. रघुवीर रेड्डी, कादियाम काव्या और गद्दाम वामसी, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव और मुख्यमंत्री के विशेष सचिव बी. अजित रेड्डी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भी मुलाकात की और उनसे वित्तीय वर्ष 2024-25 में बीएलसी (लाभार्थी एलईडी निर्माण) मॉडल के तहत राज्य के लिए 2.70 लाख घरों को मंजूरी देने का अनुरोध किया। उन्होंने खट्टर को बताया कि राज्य सरकार ने गरीबों के लिए उनकी बस्तियों में 25 लाख घर बनाने का फैसला किया है। 25 लाख घरों के प्रस्तावित निर्माण में से कुल 15 लाख घर शहरी विकास विभाग के दायरे में आएंगे और इनका निर्माण बीएलसी प्रणाली के तहत किया जाएगा।

खट्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है और इसलिए वर्ष 2024-25 के लिए इसके तहत स्वीकृत धनराशि को बढ़ाया जाएगा। राज्य में जो मकान बनाए जा रहे हैं, वे पीएमएवाई-यू की गाइडलाइन के मुताबिक बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने उन्हें याद दिलाया कि पीएमएवाई-यू के तहत तेलंगाना को 1,59,372 घर पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं और 2,390.58 करोड़ रुपये के अनुदान की भी घोषणा की गई है।

उन्होंने कहा कि अब तक केवल 1,605.70 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं और केंद्रीय मंत्री से लंबित धनराशि तुरंत जारी करने का अनुरोध किया है। सीएम ने खट्टर से स्मार्ट सिटी मिशन को पूरा करने की समय सीमा जून 2025 तक बढ़ाने की भी अपील की क्योंकि काम अभी पूरा नहीं हुआ है और विभिन्न स्तरों पर लंबित है।

शुभ लाभ DAILY Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Kammila Veerragha Mother of No:250139N, Rank:NK, Name: Prasad Kammila, R/o.1-60, Vantra Veedi, Chadalada-Vill, Peddapuram-Mdl, East Godavari Dist -533433, A.P., India my name Entered in Son's Army Services Record as **VEERAGHAVA** and DOB : **1-07-1972** by Mistake in Lieu of **KAMMILA VEERRAGHAVA** and DOB : **01-01-1971**. Hence I Request to Concerning Authorities Please Accept This Affidavit and Kindly Consider My Name as **KAMMILA VEERRAGHAVA** (Reason of change) Vide Affidavit Dt: 20/05/2024, Before Advocate K. Kamalakar, Advocate & Notary, Kakinada District, A.P. this is for kind Information of All Concerned.

CHANGE OF NAME & DOB
I, KAMMILA SURYANARAYANA Father of No:250139N, Rank:NK, Name: Prasad Kammila , R/o.1-60, Vantra Veedi, Chadalada-Vill, Peddapuram- Mdl, East Godavari Dist -533433, A.P., India my name Entered in Son's Army Services Record as **SURYANARAYANA KAMMILA** and DOB: **01-07-1967** by Mistake in Lieu of **KAMMILA SURYANARAYANA** and DOB:**01-01-1956**. Hence I Request to Concerning Authorities Please Accept This Affidavit and Kindly Consider My Name as **KAMMILA SURYANARAYANA** (Reason of change) Vide Affidavit Dt:20/05/2024, Before Advocate K. Kamalakar, Advocate & Notary, Kakinada Dist, A.P. this is for kind Information of All Concerned.

CHANGE OF NAME
I, M PUSHPA LATHA Spouse of Service No.JC 441888W Subedar DALI NAIDU SANAPALA, R/o.Vill:MahadevaPuram, Po:Peddabammidi, Tk&Ps:Kotabommali, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh - 532474 have changed my name from **M PUSHPA LATHA** to **SANAPALA PUSPALATHA** vide affidavit dt:25-6-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 315212F Nb/Sub G KARUPPAIYAN, R/o.5-73/A, West Street, Vill:VilliyaNallur, Po:Vilangudi, Teh:Thiruvaiyaru, Dist:Thanjavur, Tamilnadu-613204 hereby declare that my daughter name is to be changed from **DHIVYA DHARSHANI** to **DHIVYA DHARSHANI K** vide affidavit dt:25-6-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, S AKILANDAM Spouse of Service No. JC 315212F Nb/Sub G KARUPPAIYAN, R/o.5-73/A, West Street, Vill:VilliyaNallur, Po:Vilangudi, Teh:Thiruvaiyaru, Dist:Thanjavur, Tamilnadu-613204 have changed my name from **S AKILANDAM** to **K AKILANDAM** vide affidavit dt:25-6-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SABITRY Legally wedded wife of Ex NO14468175L Rank Hav NAME PALU-GOLLA PRATAP REDDY Resident of H/No 8-1000/5A Bajarang Colony, Balajinagar Yapral(po) Kapra(MD) Medchal(Dt) Telangana (ST) 500087 do hereby declare that I have Changed my Name from **SABITRY** to **PALUGULLA SAVITRI** due to variation of my Name in army and Civil documents video affidavit Sworn before public notary date 25/06/2024

CHANGE OF NAME
I, SAHEBRAO SAMPAT CHITALE is legally Father of service No 14642285M Rank-Hav Name-Chitale BS R/O of unit- 843 Fd Wksp Coy,C/o 56 APO, Bowenpally, Secunderabad State-Telangana have changed my name from SAHEBRAV CHITALE to SAHEBRAO SAMPAT CHITALE add my Son service documents before Notary G Ramchaander Secunderabad dated 25/06/2024.

CHANGE OF NAME AND DOB
I, BABAI SAHEBRAO CHITALE is legally Mother of service No 14642285M Rank-Hav Name-Chitale BS R/o of unit- 843 Fd Wksp Coy,C/o 56 APO,Bowenpally, Secunderabad State-Telangana have changed my name from BABAI SAHEBRAV CHITALE to BABAI SAHEBRAO CHITALE add my Son service documents before Notary G Ramchaander Secunderabad dated 25/06/2024.

CHANGE OF NAME
I, MANJULA PRASHANTKUMAR DESAI is legally wedded Spouse of service No 17024825H, Rank-NK Name- Prashant Kumar Desai presently residing of unit- 620 EME BN, Binnaguri Cantt have changed my name from MANJULA DESAI to MANJULA PRASHANTKUMAR DESAI add in my husband service documents before Notary G RamchanderSecunderabad dated 25/06/2024.

CHANGE OF NAME AND DOB
I, SANGHITA MAJUMDER is legally wedded Spouse of service No 17002473W Rank-NK Name- Bijoy Krishna Paul presently residing of unit- 620 EME BN, Binnaguri Cantt have changed my name from SANGHITA PAUL to SANGHITA MAJUMDER add in my husband service documents before Notary G Ramchaander Secunderabad dated 25/06/2024.

कर्नाटक के मंत्री जमीर अहमद खान ने खड़ा किया नया विवाद

बीदर, 25 जून (एजेंसियां)।

कर्नाटक के मंत्री जमीर अहमद खान ने मंगलवार को यहां वक्फ अदालत के दौरान जंगल में कब्रिस्तान के लिए जगह नहीं मिलने पर मंत्री ईश्वर खंड्रे पर तीखी टिप्पणी करके नया विवाद खड़ा कर दिया।

श्री जमीर ने बड़ी बेबाकी के साथ सुझाव दिया कि श्री खंड्रे को मुस्लिम समुदाय की जरूरतों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने मुस्लिम मतदाताओं के उस महत्वपूर्ण समर्थन का हवाला देते हुए यह बात कही, जिससे कारण श्री खंड्रे के पुत्र सागर खंड्रे को हाल ही में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल हुई थी।

श्री जमीर ने कब्रिस्तान के बारे में एक आवेदक की चिंता का जवाब देते हुए कहा, क्या जंगल में कोई कब्रिस्तान है। यदि नहीं, तो मैं इसे बनाऊंगा। मैं ईश्वर खंड्रे से बात करूंगा। ईश्वर खंड्रे का पुत्र सागर खंड्रे केवल मुस्लिम वोटों के कारण जीता है। वह हमारा काम चाह कर और न चाह कर भी करेगा। उल्लेखनीय है कि यह विवाद तब खड़ा हुआ जब एक आवेदक ने खुलासा किया कि वन क्षेत्र में उपायुक्त द्वारा एक कब्रिस्तान आवंटित किया गया था, लेकिन वन विभाग जमीन देने से इनकार कर रहा है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बालटाल आधार शिविर का किया दौरा

अमरनाथ यात्रियों के लिए व्यवस्था की समीक्षा की

श्रीनगर, 25 जून (एजेंसियां)।
वार्षिक अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले में अमरनाथ यात्रियों के बालटाल आधार शिविर का दौरा किया तथा तीर्थयात्रा के लिए सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

बावन दिनों तक चलने वाली बाबा बर्फानी की यात्रा 29 जून को मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के पहलगाम दोनों मार्गों से शुरू होगी। जम्मू संभाग में इस महीने की शुरुआत में कई आतंकवादी हमलों के बाद प्रशासन दोगुना सतर्क है। उपराज्यपाल ने प्रशासन, एसएएसबी, पुलिस, सुरक्षा बलों और अन्य हितधारक विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को बेहतर सुरक्षा और यात्रा प्रबंधन के लिए एक-दूसरे के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया।

श्री सिन्हा ने बालटाल आधार शिविर में पुलिस और सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षित तीर्थयात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर गहन चर्चा की। उन्होंने प्रशासन, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, स्वास्थ्य और आपदा प्रतिक्रिया टीमों और सेवा प्रदाताओं की तैयारियों का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया। उपराज्यपाल ने आवास, भोजन, कनेक्टिविटी, परिवहन, बिजली और पानी की आपूर्ति, स्वच्छता, आरएफआईडी काउंटर, स्वास्थ्य, दमकल की उपलब्धता, दवाएं, ऑक्सीजन, पार्किंग सुविधाएं, दूरसंचार, हेली सेवाएं, आईईसी गतिविधियां, सेवा प्रदाताओं के पंजीकरण आदि सभी सुविधाओं की भी समीक्षा की।

उपराज्यपाल ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद रहें और बाबा बर्फानी के भक्तों को निर्बाध सेवाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने सेवा प्रदाताओं के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की और उनसे आने वाले यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान करने की अपील की।

उपराज्यपाल के साथ एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के सीईओ मनदीप कुमार भंडारी, पुलिस और सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। इससे पहले कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी.के. बिरदी ने सभी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क और सक्रिय रहने तथा शनिवार से शुरू होने वाली बाबा बर्फानी यात्रा के दौरान किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए निर्देश दिये। श्री बिरदी ने पुलिस नियंत्रण कक्ष कश्मीर के सम्मेलन कक्ष में एक बैठक में एसएएनजेवाई-2024 के शांतिपूर्ण संचालन की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करने तथा राष्ट्र विरोधी तत्वों (एएनई) एवं आतंकवादी सहयोगियों की जांच करने पर जोर दिया। आईजीपी ने किसी भी संभावित खतरे के लिए समन्वय और समय पर प्रतिक्रिया के महत्व पर जोर देते हुए सभी अधिकारियों से अपने कर्तव्यों में सतर्क तथा सक्रिय रहने का आग्रह किया। बैठक में मध्य कश्मीर रेंज के डीआइजी, उत्तरी कश्मीर रेंज के डीआइजी, दक्षिण कश्मीर रेंज के डीआइजी, कश्मीर जोन के सभी जिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), एसएसपी ट्रैफिक सिटी, एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण, एसएसपी सुरक्षा, एसएसपी एपीसीआर, एसपी टेलीकम्युनिकेशन ने भी भाग लिया।

शुरुआत में भाग लेने वाले अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से आईजीपी को अपने संबंधित जिलों की विशिष्ट आवश्यकताओं और अमरनाथ यात्रा-2024 के सुचारू संचालन के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था सहित सुरक्षा योजना की जानकारी दी। अधिकारियों को निर्देश देते हुए श्री बिरदी ने सुरक्षा प्रयासों के समन्वय और परिचालन, प्राकृतिक तथा मानव निर्मित आ-पदाओं से उत्पन्न होने वाली मांगों के प्रबंधन में एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई एसओपी की बारीकी से जांच की।

कल्लाकुरिची शराब त्रासदी: मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 59

भाजपा और अन्नाद्रमुक ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

चेन्नई, 25 जून (एजेंसियां)।
तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब त्रासदी में मंगलवार को सलेम के सरकारी मोहन कुमारमंगलम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक और व्यक्ति की मौत के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 59 हो गयी। साथ ही अपराध शाख-अपराध जांच विभाग (सीबी-सीआईडी) ने पीड़ितों के बयान दर्ज करके अपनी जांच तेज कर दी है।

यहां प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार 59 में से 32 लोगों की मौत सरकारी कल्लाकुरिची मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में, सलेम सरकारी अस्पताल में 20, मुंडियाम्बक्कम के सरकारी विल्लुपुरम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में चार और पुड्डुचेरी के जेआईपीएमईआर में तीन लोगों की मौत हुई है।

मेथनॉल के साथ मिली नकली शराब पीने वाली पांच महिलाओं सहित कुल 155 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मामले की जांच कर रही सीबी-सीआईडी ने अब तक 12 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

विपक्षी दल इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग कर रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा अन्नाद्रमुक ने इस संबंध में राज्यपाल आर. एन. रवि को आवेदन दिया है। सीबी-सीआईडी पुलिस की एक विशेष टीम ने आज अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों के बयान लिए।

राज्य सरकार ने पहले ही सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बी गोकुलदास की अध्यक्षता में इस त्रासदी की न्यायिक जांच का आदेश दे दिया है, जिन्होंने अपनी जांच भी शुरू कर दी है। उन्हें तीन महीने में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है। इस बीच, मद्रास उच्च न्यायालय में एक और जनहित याचिका दायर की गयी जिसमें घटना की सीबीआई जांच की मांग की गयी है। यह जनहित याचिका पीएमके अधिवक्ता के. बालू ने दायर की है, जो सामाजिक न्याय के लिए अधिवक्ता मंच के अध्यक्ष भी हैं। यह जनहित याचिका कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश आर. महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की पहली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की गयी है।

फिरोजपुर सीमा पर बीएसएफ ने हेरोइन के साथ एक ड्रोन किया बरामद

जालंधर, 25 जून (एजेंसियां)।
सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने राज्य के जिला फिरोजपुर के सीमावर्ती गांव से हेरोइन के साथ एक पाक ड्रोन बरामद किया है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को, फिरोजपुर जिले के एक सीमावर्ती गांव के एक जागरूक ग्रामीण द्वारा साझा की गयी जानकारी के आधार पर, सीमा क्षेत्र के पास प्रतिबंधित वस्तु के साथ एक ड्रोन की उपस्थिति के बारे में बीएसएफ के साथ एक सूचना साझा की गई। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुये बीएसएफ जवानों ने तुरंत संदिग्ध इलाके में तलाशी अभियान चलाया।

प्रवक्ता ने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान शाम करीब सात बजे जवानों ने 560 ग्राम हेरोइन के एक पैकेट हेरोइन के साथ एक ड्रोन को सफलतापूर्वक बरामद किया। नशीला पदार्थ पीले चिपकने वाली टेप और 02 नीले रंग की पॉलिथीन में लपेटा हुआ था। पैकेट के साथ 04 रोशन करने वाली छड़ें भी जुड़ी हुई मिलीं, जो धातु के तार से ड्रोन से बंधी थीं। यह बरामदगी फिरोजपुर जिले के राजा राय गांव से सटे एक खेत में हुई। बरामद ड्रोन की पहचान चीन निर्मित डीजेआई एयर- 3 के रूप में की गई है।

नीट प्रश्न-पत्र लीक मामले में सीबीआई ने विशेष अदालत को सौंपी अपनी एफआईआर

पटना, 25 जून (एजेंसियां)।
नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 के प्रश्न-पत्र लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपनी दर्ज की गई प्राथमिकी मंगलवार को पटना स्थित विशेष अदालत को सौंप दी।

सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी पटना स्थित ब्यूरो की विशेष अदालत को सौंपी है। सीबीआई ने यह प्राथमिकी पटना के शास्त्री नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर दर्ज की है, जिसमें उक्त प्राथमिकी में दर्ज अभियुक्तों के अलावा अन्य को भी अभियुक्त बनाया है।

सीबीआई ने विशेष अदालत में आज दो आवेदन भी दाखिल किए हैं। एक आ-वेदन इस मामले के जेल में बंद अभियुक्तों की इस मामले में पेशी के लिए और दूसरा आवेदन जेल में बंद अभियुक्तों से पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड के लिए दिया है। दोनों आवेदन पर सुनवाई 26 जून 2024 को होगी।

इस बीच इस मामले के जेल में बंद अभियुक्तों की पटना के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र कुमार सिन्हा की अदालत में लंबित आठ जमानत याचिकाओं में से दो अभियुक्तों की जमानत याचिका आज वापस ले ली गई है।

बाकी बचे छह अभियुक्तों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 02 जुलाई की तिथि निश्चित की गई है। दूसरी ओर इस मामले में अभियुक्त बनाए गए संजीव कुमार की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तिथि पूर्व से निश्चित है। इसी अदालत ने इस अभियुक्त का नाम प्राथमिकी में नहीं होने के करण केस डायरी और आपराधिक इतिहास पेश किए जाने तक उसके खिलाफ कार्रवाई किए जाने पर रोक लगा दी थी।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार के आदेश के बाद सीबीआई ने इस मामले में पटना के शास्त्रीनगर थाना में दर्ज प्राथमिकी संख्या 358/2024 के आधार पर 23 जून 2024 को अपनी प्राथमिकी आरसी 224/2024 भारतीय दंड विधान की धारा 120 बी, 406, 407, 408 और 409 के तहत दर्ज की है और मामले का अनुसंधान अपने हाथ में ले लिया है।

जम्मू से वैष्णो देवी श्राइन तक बहुप्रतीक्षित हेलिकॉप्टर सेवा शुरू

जम्मू, 25 जून (एजेंसियां)।
श्री माता वैष्णो देवी श्राइन की यात्रा को श्रद्धालुओं के लिए और सुगम बनाने के वास्ते जम्मू से पंछी हेलीपैड के रास्ते वैष्णो देवी तक बहुप्रतीक्षित हेलिकॉप्टर सेवा मंगलवार से शुरू हो गई। इस सेवा का श्रद्धालुओं को बेसब्री से इंतजार था, जो पवित्र तीर्थस्थल तक परिवहन का एक सुविध-ाजनक और आरामदायक तरीका प्रदान करेगी।

जम्मू से वैष्णो देवी के लिए सीधी हेलिकॉप्टर सेवा को श्राइन बोर्ड ने तीन अप्रैल, 2024 को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित अपनी 72वीं बैठक में मंजूरी दी थी, जिसमें बोर्ड ने पाया कि जम्मू हवाई अड्डे और पंछी हेलिपैड के बीच तीर्थस्थल मार्ग पर सीधी हेलिकॉप्टर सेवा न केवल आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाएगी बल्कि श्रद्धालुओं के तीर्थयात्रा अनुभव को भी बेहतर बनाएगी। श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने जम्मू हवाई अड्डे से सुबह 11 बजे उडान भरी पहली उड़ान का श्री माता वैष्णो देवी बोर्ड के अन्य अधिकारियों के साथ पुजारियों के मंत्रोच्चार के बीच करीब 11:20 बजे पंछी हेलिपैड पर स्वागत किया और सवार श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को माता की चुनरी भेंट की।

सीईओ ने इस अवसर पर कहा, तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए बोर्ड के निर्देशों के अनुसार इस सेवा को शुरू करने पर हमें बेहद खुशी है, जिससे न केवल उनकी यात्रा का समय कम होगा बल्कि उन्हें एक अनूठा और मनोरम अनुभव भी मिलेगा। इसके अलावा, इस सेवा का उद्देश्य उन

लोगों की सहायता करना है, जिनके पास समय की कमी है लेकिन वे पवित्र तीर्थस्थल की यात्रा करना चाहते हैं ताकि वे ट्रैक के माध्यम से यात्रा की तुलना में अपनी यात्रा तेजी से पूरी कर सकें।

इस सेवा को प्रदान करने के लिए श्राइन बोर्ड ने दो प्रतिष्ठित हेलिकॉप्टर ऑपरेटरों के साथ सा-झेदारी की है। इस सेवा के लिए उपयोग किए जाने वाले हेलिकॉप्टर अत्याधुनिक हैं, सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं और इनकी क्षमता छह से सात यात्रियों की है। हेलिकॉप्टर सेवा जम्मू हवाई अड्डे से वैष्णो देवी तीर्थस्थल के पास स्थित पंछी हेलीपैड तक संचालित होगी।

यह सेवा प्रतिदिन उपलब्ध होगी, जिसमें दिन भर में चार उड़ानें संचालित होंगी। उड़ान केवल तभी संचालित की जाएंगी, जब कम से कम चार तीर्थयात्रियों ने सेवा बुक की हो। श्राइन बोर्ड ने इस सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक तीर्थयात्रियों के लिए दो पैकेज पेश किए हैं। उसी दिन वापसी (एसडीआर) वाले पैकेज की लागत प्रति तीर्थयात्री 35,000 रुपये होगी और अगले दिन वापसी (एनडीआर) वाले पैकेज की लागत प्रति तीर्थयात्री 60,000 रुपये होगी। उसी दिन वापसी पैकेज के तहत, तीर्थयात्रियों को जम्मू से तीर्थस्थल तक आने-जाने की हेलिकॉप्टर सेवा के अलावा पंछी हेलिपैड से तीर्थस्थल और वापस हेलिपैड तक परिवहन सुविधाएं, प्राथमिकता वाले दर्शन, भवन में मुफ्त भोजन, भैरों घाटी के लिए रोपवे टिकट और पंचमेवा प्रसाद का एक डिब्बा भी मिलेगा।

अगले दिन वापसी के तहत, तीर्थयात्रियों को पंछी हेलिपैड से पवित्र गुफा मंदिर तक और वापस हेलिपैड तक परिवहन सुविधाएं, प्राथमिकता दर्शन, रात भर ठहरने के लिए आवास और भवन में तीन बार भोजन, श्रद्धा सुमन विशेष पूजन आरती (एसएसवीपी), भैरों घाटी के लिए रोपवे टिकट और पंचमेवा प्रसाद का एक डिब्बा भी मिलेगा। श्रद्धालु अपने टिकट और श्राइन बोर्ड की ओर से दी जाने वाली सभी ऑनलाइन सेवाओं को श्राइन बोर्ड की आधिकारिक व े ब स ा इ ट : डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटमातावैष्णोदे-वीडॉटओआरजी के माध्यम से बुक कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के चार सहयोगी गिरफ्तार

मोहला-मानपुर, 25 जून (एजेंसियां)।
छत्तीसगढ़ के मोहला मानपुर में नक्सलियों का सहयोग करने वाले चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसमें एक ग्राम पंचायत सचिव भी शामिल है,जिस पर नक्सलियों की मदद करने का आरोप है। मोहला पहुंचे राजनांदगांव रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) दीपक झा ने बताया कि जिला पुलिस व आईटीबीपी ने मानपुर ब्लॉक के मदनवाडा क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्रवाई की और नक्सलियों के चार सहयोगियों को पकड़ा तथा उनके पास से एक ट्रैक्टर भी जब्त किया। नक्सलियों का यह ट्रैक्टर सहयोगी किराए से चलाते थे। किराए की आय से नक्सली अपनी दैनिक जरूरतों की पूरा करते थे।

लोकसभा में राहुल गांधी होंगे विपक्ष के नेता

खड़गे के आवास पर हुई विपक्षी नेताओं की बैठक में फैसला

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।
कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18वीं लोकसभा में विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी निभाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर मंगलवार को हुई बैठक में इस पर चर्चा हुई। बाद में इसका कांग्रेस की तरफ से एलान किया गया। बताया गया है कि खरगे के आवास पर हुई बैठक में विपक्ष के कई बड़े नेता शामिल हुए थे। इनमें राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के हनुमान बेनीवाल, राकांपा-शरदचंद्र पवार की सुप्रिया सुले शामिल थीं।

बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एलान किया कि लोकसभा में राहुल गांधी विपक्ष के नेता होंगे। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली और केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ा था। वे दोनों ही सीटों पर विजयी रहे। हालांकि, बाद में उन्होंने रायबरेली सीट को अपने पास रखने का फैसला किया और वायनाड सीट छोड़ दी। उन्होंने मंगलवार को ही लोकसभा सदस्यता की शपथ ली।

गोरखपुर में लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से संविधान और लोकतंत्र को खतरा

गोरखपुर, 25 जून (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की आस्था कभी भी भारत के संविधान और लोकतंत्र में नहीं रही है। जब भी उसे मौका मिला, उसने संविधान का गला घोंटने और लोकतंत्र को कुचलने का कार्य किया है। जब मौका नहीं मिला तो उसने संविधान और लोकतंत्र की ही दुहाई देकर जनता को झूठी बातों से गुमराह किया। वास्तविकता यही है कि आज भी संविधान और लोकतंत्र को खतरा कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल उसके सहयोगी दलों से है।

सीएम योगी देश में 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल (इमरजेंसी) के पचासवें वर्ष में मंगलवार को योगीराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में भाजपा की जिला व महानगर इकाई की तरफ से आयोजित काला दिवस विषयक संगोष्ठी और लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। 28 लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को सम्मानित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 वर्ष पहले आज ही के दिन मध्य रात्रि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने भारतीय संसदीय लोकतंत्र का एक काला अध्याय लिखा था। देश के संविधान का गला घोंटकर, आपातकाल लागू कर कांग्रेस ने लोकतंत्र को तहस नहस करने की कुचेष्टा की थी। इमरजेंसी लगाकर कांग्रेस ने नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए थे, न्यायालयों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया था। जिन लोगों ने इस तानाशाही रवैये के विरोध किया, उन्हें जेल में डालकर अमानवीय यातनाएं दी गईं। कांग्रेस के इस कृत्य से संविधान कराह उठा था, लोकतंत्र तड़प गया था। यह लोकतंत्र को कुचलने की पराकाष्ठा थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपातकाल में कांग्रेस का बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। उसने संविधान की मूल आत्मा कही जाने वाली प्रस्तावना में संशोधन करके उसकी आत्मा को नष्ट करने का प्रयास किया था। उस समय आवाज उठाने पर अटल बिहारी वाजपेयी, जय प्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, लाल कृष्ण आडवाणी समेत विपक्ष के सभी नेताओं और लोकतंत्र समर्थकों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। सीएम ने कहा कि आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही चेहरा बदला हो लेकिन आज सत्ता से बाहर होकर भी उसका मूल चरित्र वही है जो आपातकाल के समय था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को जब भी अवसर मिला उसने लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने से परहेज नहीं किया। स्वतंत्र भारत में जो संविधान एकता और एकात्मता के लिए अंगीकार किया गया था, उसमें कुछ दिनों बाद ही जबरन धारा 370 लाकर कांग्रेस ने कश्मीर में आतंकवाद की नींव रख दी। तुष्टिकरण की पोषक धारा 370 नहीं होता तो कश्मीर में आतंकवाद और विस्थापन की समस्या नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1950 से लेकर 2014 तक कांग्रेस की सरकारों ने स्वार्थ पूर्ति के लिए 75 से अधिक संशोधन किए।

कांग्रेस नेता जीवन रेड्डी ने किया एमएलसी पद छोड़ने का ऐलान

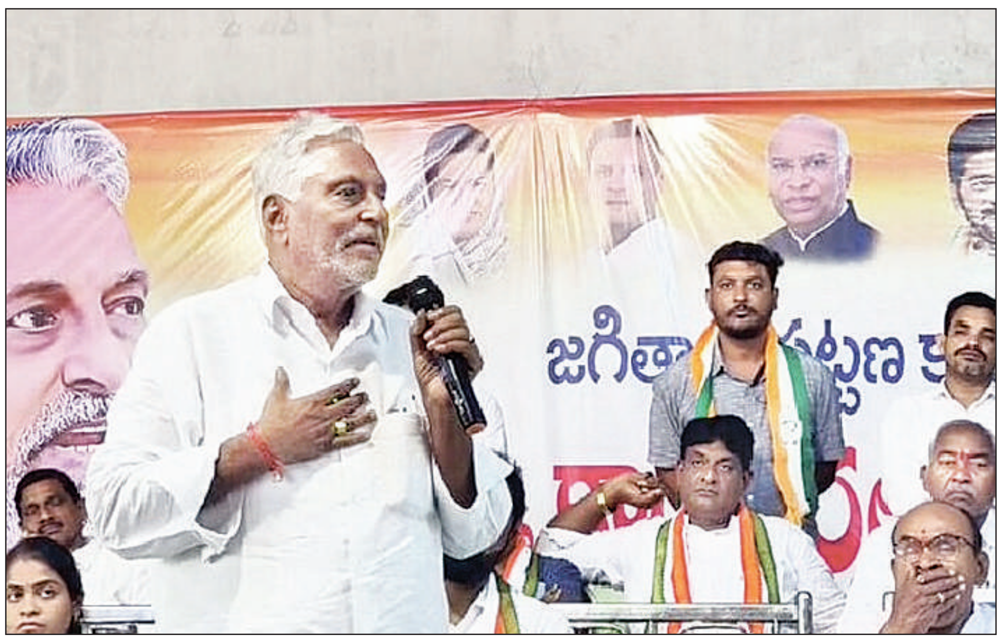

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस पार्टी द्वारा बीआरएस विधायक एम. संजय कुमार को पार्टी में शामिल किए जाने से नाराज वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी ने मंगलवार को घोषणा की कि वह विधान परिषद के सदस्य पद से इस्तीफा दे देंगे।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क सहित कई नेताओं द्वारा उन्हें मनाने की कोशिशों के बावजूद पूर्व मंत्री ने अपना रुख बदलने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी किसी अन्य पार्टी में शामिल होने की कोई योजना नहीं है। वरिष्ठ नेता जगतियाल विधायक संजय कुमार को पार्टी में शामिल करने से पहले सलाह नहीं लिए जाने से नाखुश हैं। हाल के विधानसभा चुनाव में जीवन रेड्डी को हराने वाले संजय कुमार रविवार रात मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गए। जीवन रेड्डी ने कहा कि वह अपने समर्थकों के साथ विचार-विमर्श के बाद अपनी भविष्य की रणनीति तय करेंगे। कांग्रेस नेता सोमवार से ही जीवन रेड्डी को मनाने की कोशिश कर रहे थे। राज्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने जगतियाल में एमएलसी के साथ बैठक भी की थी।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, श्रीधर बाबू और अन्य नेताओं ने मंगलवार को हैदराबाद में जीवन रेड्डी के आवास पर उनसे आगे की बातचीत की। हालांकि, पूर्व मंत्री एमएलसी पद से इस्तीफा देने के अपने फैसले पर अड़े रहे। विक्रमार्क ने मीडियाकर्मियों से कहा कि वे जीवन रेड्डी की भावनाओं से कांग्रेस नेतृत्व को अवगत कराएंगे। सोमवार को जीवन रेड्डी से मुलाकात के दौरान श्रीधर बाबू ने भी ऐसा ही आश्वासन दिया था। जीवन रेड्डी इस बात से नाखुश हैं कि संजय कुमार के शामिल होने पर पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं पर ध्यान नहीं दिया गया।

नवंबर 2023 के विधानसभा चुनावों में जीवन रेड्डी निज़ामाबाद जिले के जगतियाल निर्वाचन क्षेत्र में संजय कुमार से हार गए थे। कांग्रेस नेता 2018 में भी संजय से हारे थे। 2014 में इसी निर्वाचन क्षेत्र से जीवन रेड्डी से पराजित संजय कुमार, रविवार रात कांग्रेस में शामिल हो गए। यह जीवन रेड्डी के लिए एक झटका था।

जीवन रेड्डी ने वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी को पार्टी में शामिल करने के लिए भी मुख्यमंत्री की आलोचना की थी। उन्होंने 65 विधायकों के साथ स्थिर कांग्रेस सरकार होने पर अन्य दलों से दलबदल को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी सवाल उठाया था। मुख्यमंत्री 21 जून को श्रीनिवास रेड्डी को कांग्रेस में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उनके घर गए थे। पूर्व मंत्री ने तुरंत निमंत्रण स्वीकार कर लिया और पार्टी में शामिल हो गए। पिछले साल दिसंबर में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से संजय कुमार वफादारी बदलने वाले पांचवें बीआरएस विधायक हैं। बीआरएस ने 119 सदस्यीय विधानसभा में 39 सीटें जीती थीं। इसकी संख्या घटकर 33 हो गई है क्योंकि यह हाल ही में सिकंदराबाद छावनी उपचुनाव भी सत्तारूढ़ पार्टी से हार गई थी।

तेलंगाना और आंध्र में तीन सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत, कई अन्य घायल

हैदराबाद/विजयवाड़ा, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मंगलवार तड़के तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई। तेलंगाना में कामारेड्डी शहर के पास एक निजी बस के एक ट्रक से टकरा जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। हादसा नागपुर-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। पुलिस ने कहा कि डायमंड ट्रैवल्स की बस ने ट्रक को उस समय पीछे से टक्कर मार दी जब ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया।

दोनों वाहन आदिलाबाद से हैदराबाद जा रहे थे। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों को कामारेड्डी के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक अन्य दुर्घटना में, आदिलाबाद जिले में एक मोटरसाइकिल के एक खड़े ट्रक से टकरा जाने से दो लोगों की मौत हो गई। यह हादसा नेराडिगोंडा मंडल में रोलमामाडा टोल प्लाजा के पास हुआ। मृतकों की पहचान सुरेश (31) और सायन्ना (45) के रूप में हुई।

तीसरे हादसे में मंगलवार सुबह आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में दो लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उन्गुटुरु मंडल के अटकुरु में राष्ट्रीय राजमार्ग पर उस समय हुई जब एक ट्रक टायर पंचर के कारण सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक से टकरा गया। पुलिस के मुताबिक, टमाटर से लदे एक ट्रक का टायर पंक्चर हो गया था और एक ट्रॉली ड्राइवर पंचर ठीक करने में ट्रक ड्राइवर की मदद कर रहा था। जब वे इसे ठीक करने में लगे थे, तभी सीमेंट से भरे एक ट्रक ने वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। दोनों चालकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरजीआईए पर विमान यात्री से 58.8 लाख रुपए का सोना बरामद

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने मंगलवार को हवाई यात्री से 58.8 लाख रुपए मूल्य का 806 ग्राम सोना जब्त किया। सीमा शुल्क अधिकारियों के अनुसार अबूधाबी से आए एक यात्री से पेस्ट के रूप में छुपाये सोने को बरामद किया गया। सूत्रों ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

हैदराबाद के बाहरी इलाके में दिखा तेंदुआ पकड़ने के लिए ऑपरेशन शुरू

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। वन विभाग ने एक तेंदुए को पकड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया, जिसे हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद में देखा गया, जिससे निवासियों में चिंता फैल गई। मंगलवार तड़के सीसीटीवी में बड़ी बिल्ली कैद होने के बाद वन विभाग हरकत में आया।वन अधिकारियों ने बड़ी बिल्ली को पकड़ने के लिए 10 ट्रैप कैमरे लगाए और तीन पिंजरे लगाए। तेंदुए को रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद मंडल के अंतर्गत झांसीमियागुडा में एक आवास में घूमते हुए सीसीटीवी में कैद किया

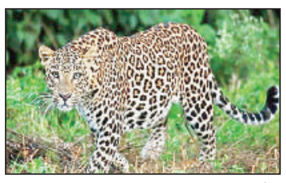

गया था। स्थानीय निवासी इलाके में एक बड़ी बिल्ली की संदिग्ध मौजूदगी के बारे में शिकायत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों और मवेशियों पर तेंदुए ने हमला किया है। हालांकि, वन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की थी कि यह तेंदुआ था। तेंदुए की मौजूदगी की सूचना से लोगों में दहशत फैल गई है।

राजेंद्रनगर विधायक वी. प्रकाश गौड़ ने क्षेत्र का दौरा किया और वन अधिकारियों से तेंदुए को पकड़ने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। पिछले महीने इसी इलाके में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (आरजीआईए) के पास एक तेंदुआ पकड़ा गया था। पांच दिनों तक चले ऑपरेशन के बाद, वन अधिकारियों ने बड़ी बिल्ली को पिंजरे में कैद कर लिया, जब वह अंदर बंधे जीवित चारे के पास पहुंची। तीन वर्षीय नर तेंदुए को बाद में नेहरू प्राणी उद्यान में स्थानांतरित कर दिया गया और बाद में जंगलों में छोड़ दिया गया।

नशीली दवाओं के तस्करों को जड़ से कुचल देगी सरकार : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को कहा कि तेलंगाना सरकार नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के लिए दृढ़ता से काम करेगी। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि युवा नशीली दवाओं के आदी हो रहे हैं। उन्होंने लोगों से इस समस्या को खत्म करने के लिए कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ सहयोग करने की अपील की।वह नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस की पूर्व संध्या पर हैदराबाद में तेलंगाना राज्य एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीएसएनएबी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अकेले पुलिस या सरकार इस समस्या को जड़ से खत्म नहीं कर सकती। पूरे समाज को सहयोग के लिए आगे आना होगा क्योंकि युवा पीढ़ी का भविष्य बचाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यह कहते हुए कि नशीली दवाओं का खतरा शहरों से गांवों तक फैल रहा है, उन्होंने कहा कि सरकार तेलंगाना को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्कूल-कॉलेजों में गठित

कमेटियों से पुलिस का सहयोग करने का आग्रह किया।डिप्टी सीएम ने कहा कि नशीली दवाओं का खतरा उन युवाओं को नष्ट कर रहा है जो इस राज्य और देश का भविष्य हैं। प्रत्येक नागरिक को युवा पीढ़ी को बचाने की जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार किसी को भी नहीं बख्शेगी, चाहे वह नशीली दवाओं की तस्करी में कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा। यह कहते हुए कि राज्य पुलिस बल नशीली दवाओं के खतरे को रोकने में सक्षम है, उन्होंने लोगों से अपना सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया।विक्रमार्क, जो वित्त मंत्री भी हैं, ने आश्वासन दिया कि राज्य में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे असामाजिक तत्वों के बुरे इरादों का शिकार न बनें, जो उन्हें नशीली दवाओं का सेवन करने और अवैध तरीकों से पैसा कमाने का लालच देते हैं। उन्होंने युवाओं को दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने की सलाह दी और कहा कि सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ रैली और मानव श्रृंखला में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्रों और नागरिकों ने भाग लिया। उपमुख्यमंत्री ने नशा विरोधी गीत का अनावरण किया और रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक रवि गुप्ता, मुख्य सचिव शांति कुमारी, टीएसएनएबी के निदेशक संदीप शांडिल्य, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त श्रीनिवास रेड्डी और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल जारी, स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों में कार्यरत करीब 6 हजार जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को दूसरे दिन भी अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रखी। इससे सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हुईं।स्वास्थ्य मंत्री सी. दामोदर राजा नरसिम्हा के साथ सोमवार शाम को हुई बातचीत में गतिरोध दूर नहीं हुआ। इसके बाद जूनियर डॉक्टरों ने अपनी हड़ताल जारी रखी। डॉक्टरों ने आउट पेशेंट सर्विस, वैकल्पिक सर्जरी और वार्ड ड्यूटी का बहिष्कार किया। हालांकि, वे आपातकालीन ड्यूटी पर मौजूद थे। तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टी-जेयूडीए) का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती, हड़ताल जारी रहेगी। डॉक्टरों की मांगों में समय पर वेतन वितरण के लिए ग्रीन चैनल की स्थापना, सुपर स्पेशलिटी वरिष्ठ रेजिडेंटों के लिए मानदेय, अस्पतालों में डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती, नये हॉस्टलों का निर्माण, मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त फैकल्टी और उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) के लिए एक नया भवन शामिल है।सरकार ने हड़ताली डॉक्टरों की कुछ मांगों पर पॉजिटिव प्रतिक्रिया दी। साथ ही उनसे यह सुनिश्चित करने की अपील की कि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों। हैदराबाद के गांधी अस्पताल और ओजीएच के करीब एक हजार जूनियर डॉक्टर अपनी ड्यूटी का बहिष्कार कर रहे हैं। अपनी मांगों के समर्थन में तख्तियां लेकर जूनियर डॉक्टरों ने दोनों प्रमुख सरकारी अस्पतालों में विरोध प्रदर्शन किया। टीजेयूडीए के अध्यक्ष डॉ. जी साई श्री हर्ष ने कहा कि अस्पतालों में सुरक्षा उनकी मुख्य मांग है।

सरकार ने 2019 में डॉक्टरों को सुरक्षा देने के लिए एक विशेष सुरक्षा बल (एसपीएफ) तैनात करने पर सहमति जताई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने सोमवार को चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) डॉ. एन वाणी को गृह विभाग के प्रमुख के साथ बैठक कर एसपीएफ की तैनाती पर चर्चा करने का आदेश दिया।

सातवीं कक्षा के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेटबशीराबाद के एक निजी आवासीय शैक्षणिक स्कूल में सोमवार रात सातवीं कक्षा के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बच्चा के मल्लिकार्जुन पिछले कुछ वर्षों से कोमपल्ली के आवासीय विद्यालय में छात्रावास में रहता था, जबकि उसके माता-पिता मेडक जिले के मूल निवासी हैं।

पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात लड़के ने हॉस्टल मेस में खाना खाया और सोने चला गया। थोड़ी देर बाद वह नींद से उठा और जोर-जोर से रोने लगा। उसके रूममेट्स ने उसे रोता देख यह समझा कि लड़के ने कोई बुरा सपना देखा होगा। लगभग 5 बजे, हॉस्टल वार्डन कमरे में आए और मल्लिकार्जुन की जाँच की। जब लड़के ने कोई जवाब नहीं दिया, तो वार्डन अन्य लोगों के साथ बच्चे को अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिकायत पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। छात्रावास के प्रबंधन ने पुलिस को बताया कि मल्लिकार्जुन अपने गांव में अपने माता-पिता से मिलने के बाद सोमवार को स्कूल में शामिल हुआ था।

इंदिरा गांधी से भी ज्यादा खतरनाक हैं राहुल गांधी : बंडी संजय

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनकी दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से भी ज्यादा खतरनाक बताया। मंगलवार को आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर जारी एक बयान में संजय ने कहा कि राहुल गांधी देश को बांटने में अपनी दादी से भी आगे निकल गए हैं।

अगर इंदिरा गांधी ने इस बहाने से सत्ता बरकरार रखने के लिए आपातकाल लगाया कि विदेशी शक्तियां भारत को अस्थिर और कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया, उनके पोते राहुल लोकतंत्र खतरे में है की आड़ में भारत के आंतरिक मामलों में पश्चिमी देशों से हस्तक्षेप की बेशर्मी से भीख मांगकर देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

यह कहते हुए कि आपातकालीन शासन कांग्रेस पार्टी की सत्ता की प्यास का प्रमाण था, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि आपातकालीन शासन के नाम पर लोकतंत्र की हत्या की गई और लोगों की आवाज इंदिरा गांधी द्वारा दबा दी गई। उन्होंने कहा, आपातकालीन शासन इस बात का उदाहरण है कि कैसे कांग्रेस पार्टी सत्ता बरकरार रखने के लिए किसी भी असंवैधानिक बाधाओं को रौंदने से नहीं हिचकिचाती। उन्होंने याद दिलाया कि डीएसपी रेड्डी, जंगारेड्डी, वी रामा राव, जुपुडी यज्ञ नारायण, पीवी चलपति राव, एम वेंकैया नायडू, सीएच विद्यासागर राव, इंद्रसेना रेड्डी और अशोक यादव सहित कई नेताओं ने तेलुगु राज्यों से आपातकाल के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.